www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

SUNDAY

नई दिल्ली, रविवार, 7 जनवरी , 2024

वर्ष – 16 | अंक –273 | पृष्ठ – 10

मूल्य -3.00 रु.

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

साहित्य
आकारों के आसपास पृष्ठ 06

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर दिखेगी झारखंड की ... पृष्ठ 10

लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीताना ... पृष्ठ 02

- नागरिकों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने... 03
- सभी जिला अधिकारी आज करेंगे गांव में रात्रि प्रवास

- गाजा में बच्चों व गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल रहा उचित... 07
- जापान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 100 हुई

सार संक्षेप

गडकरी ने केरल में शुरू की 12 परियोजनाएं

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केरल की 1464 करोड़ रुपए से अधिक राशि की 12 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। श्री गडकरी ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कुल 105 किलोमीटर लम्बी इन परियोजनाओं से तमिलनाडु और केरल के बीच निर्बाध यातायात संचालित किया जा सकेगा। उनका कहना था कि यह पहल समग्र परिवहन लागत को कम करने और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी।

करणपुर विधानसभा सीट पर 81.38 प्रतिशत मतदान

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में करणपुर विधानसभा सीट पर शुक्रवार को हुए चुनाव में 81.38 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के अनुसार कड़ाके की ठंड के बावजूद मतदाताओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह रहा और 81.38 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। श्री गुप्ता ने बताया कि इस चुनाव की मतगणना आठ जनवरी को डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर में कराई जाएगी जहां कड़ सुरक्षा व्यवस्था के बीच 17 टेबलों पर मतगणना होगी।

हथियार बरामदगी मामले में साजिशकर्ता का घर कुर्क

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर में 2022 के हथियार बरामदगी मामले में शनिवार को प्रमुख साजिशकर्ता का घर कुर्क कर लिया। एनआईए टीम ने आज श्रीनगर के चनापोर इलाके में आरसी-4/22/एनआईए/जेएमयू मामले के मास्टरमाइंड माने जाने वालों में से एक आमिर मुश्ताक गनई की संपत्ति को कुर्क किया। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23 मई, 2022 को श्रीनगर के चनापोरा इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 पिस्तौलें बरामद की थी।

तेलंगाना सरकार ने 27 लाख किसानों को सहायता राशि बांटी

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने रायथु बंधु योजना के तहत अब तक 27 लाख किसानों को वित्तीय सहायता राशि वितरित की है। कृषि मंत्री थमाला नागेश्वर राव ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायथु बंधु के तहत रिलीज की स्थिति की समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि लगभग 40 प्रतिशत किसानों को रायथु बंधु योजना के तहत वित्तीय सहायता जारी कर दी गई है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का लोगो जारी

अन्याय के खिलाफ आवाज है 'न्याय यात्रा' : खड़गे

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को नहीं मानते और हमें संसद में बोलने भी नहीं देते इसलिए 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आयोजित कर कांग्रेस लोगों के बीच जा रही है ताकि हम अपनी बात उनसे कह सकें तथा समाज के हर वर्ग से मिलकर उनकी बात सुन सकें। श्री खड़गे शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी से पूरब से पश्चिम की ओर होने वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के लोगो और नारे का लोकार्पण करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी के लिए संविधान से ज्यादा नागपुर के आदेश का मतलब है इसलिए वह नागपुर से मिले आदेश का संविधान की तरह पालन करते हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार मनमाने तरीके से पुराने कानूनों को बदल रही है और तानाशाही तरीके से काम कर रही है। हम संसद में देश से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिश करते हैं तो हमें बोलने का कोई मौका नहीं दिया जाता। विपक्ष के 146 सांसदों को संसद की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

यात्रा के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा

श्री खड़गे ने कहा कि श्री मोदी खुद संसद में नहीं आते हैं। इस बार वह कम से कम लोकसभा में आए लेकिन उन्होंने एक बार भी राज्यसभा की ओर नहीं देखा। यह अन्याय है और कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार के अन्याय के खिलाफ 'भारत जोड़ा न्याय यात्रा' कर रही है। यात्रा में हम जनता को बताएंगे कि इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। हमने संसद में बोलने और मुद्दों को उठाने की कोशिश की लेकिन हमें निलम्बित कर दिया गया।

कांग्रेस यात्रा के माध्यम से लोगों के बीच अपनी बात कहने और उनकी बात सुनने जा रही है

मोदी सरकार तानाशाही तरीके से काम कर रही है। हम संसद में देश से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिश करते हैं तो हमें बोलने का कोई मौका नहीं दिया जाता : मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

हर कमजोर को हक मिल के रहेगा

श्री खड़गे ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को जरूरी बताते हुए कहा, इस बार न्याय होकर रहेगा, हर कमजोर को हक़ मिल के रहेगा। बराबरी का हक, रोज़गार का हक, सम्मान का हक। हक के लिए 14 जनवरी से मणिपुर से मुंबई तक-भारत जोड़ो न्याय यात्रा होगी। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट किया, हम फिर आ रहे हैं अपनों के बीच,अन्याय और अहंकार के विरुद्ध - 'न्याय की ललकार' लेकर। सत्य के इस पथ पर मेरी शपथ है, यात्रा जारी रहेगी, न्याय का हक, मिलने तक।

सबको डराने का काम कर रही सरकार

सरकार सबको डरा रही है और डरा धमका कर अपनी बात मनवाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इस क्रम में विपक्षी दलों के नेताओं को पकड़ रहे हैं और दबाव बना रहे हैं। उन्हें पकड़ते हैं, तो उनके ऊपर कोई भी केस थोप देते हैं लेकिन जैसे ही वह आदमी भाजपा में शामिल होता है, उसकी छवि साफ हो जाती है। आखिर ये कहां का न्याय है। उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के माध्यम से हम जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। हम महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत,अमीर-गरीब के बीच में बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण करेंगे। यात्रा के दौरान राहुल जी समाज के विभिन्न वर्गो से, संगठनों से बात करेंगे और उनकी समस्याओं के समाधानों पर विचार-विमर्श करेंगे।

गठबंधन के दलों को भी आमंत्रित किया

कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा में इंडिया गंठबंधन के दलों तथा अन्य मित्र दलों को भी शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। खड़गे ने कहा कि वह इन सभी दलों के नेताओं को इस यात्रा में शामिल होने का आग्रह करते हैं।

बांग्लादेश में सियासी माहौल गर्म, आम चुनाव आज

- अलग-अलग इलाकों से हिंसा की खबरें
- दुनिया के दूसरे देशों की भी लगी निगाह

ढाका, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में रविवार को आम चुनाव होना है। ऐसे में पड़ोसी देश में सियासी माहौल गरमाया हुआ है। चुनाव से एक दिन पहले बांग्लादेश के अलग-अलग इलाकों से हिंसा की भी खबरें आ रहीं हैं। ऐसे में बांग्लादेश में होने वाले चुनाव पर देश के लोगों के साथ-साथ दुनिया के दूसरे देशों की भी निगाहें लगी हैं। देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने अवामी लीग के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार सत्ता हासिल करने के प्रयास में लगी हुई हैं। मतदान सुबह 8 बजे शुरू होगा और शाम 4 बजे समाप्त होगा। वोटिंग खत्म होने के तुरंत बाद काउंटिंग शुरू हो जाएगी। शुरुआती नतीजे सोमवार तक आने की उम्मीद है। ऐसे में बांग्लादेश चुनाव को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं, जो आपके लिए भी बेहद जरुरी हैं। पड़ोसी देश में मुख्य विपक्षी पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) है। बीएनपी शेख हसीना के इस्तीफे की मांग के बाद चुनाव का बहिष्कार कर रही है।

रिकॉर्ड महिला उम्मीदवार मैदान में

देश में पहली बार मतदान करने वालों की संख्या लगभग 1.5 करोड़ है। प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित 300 संसद सीटों के लिए लगभग 2,000 उम्मीदवार मैदान में हैं। मैदान में रिकॉर्ड 5.1 फीसदी महिला उम्मीदवार हैं।

ईवीएम को लेकर जंतर-मतर पर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। देश में ईवीएम को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। विपक्षी दलों के साथ ही वकील व सिविल सोसाइटी के लोग भी ईवीएम के विरोध में सड़कों पर उतर रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग इस मामले में कुछ भी सुनने को तैयार नहीं दिख रहा है। लेकिन सिविल सोसायटी और वकीलों ने अब मोदी सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को जंतर मंतर पर ईवीएम के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ है। ईवीएम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सिविल सोसाइटी के लोगों ने इस दौरान ईवीएम को हैक करने का भी प्रदर्शन किया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के वकील महमूद प्राचा ने कहा कि कोई भी देश का नागरिक जो संविधान पसंद करता है, बाबा साहब के संविधान को चाहता है वो ईवीएम के खिलाफ होगा, ईवीएम का विरोध करेगा और

- वकीलों व सिविल सोसाइटी के लोगों ने ईवीएम हटाओ के नारे लगाए

बैलट पेपर का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई हमारी नहीं है। ये जनता कि लड़ाई है और जनता के साथ तो हर राजनीतिक पार्टी है, कभी बीजेपी ने खुद ईवीएम का विरोध किया था। वहीं भानु प्रताप ने कहा कि ईवीएम से निजात दिलाने के लिए अगर हम लोगों को बलिदान भी देना पड़े तो कोई दिक्कत नहीं है, और अगर इसमें समय भी लगे तो भी कोई दिक्कत नहीं है लेकिन इस देश को बचाना जरूरी है। इस देश के संविधान को बचाना ज़रूरी है। इस देश के लोकतंत्र को बचाना जरूरी है। शुक्रवार को भी वकीलों ने ईवीएम के विरोध में मार्च किया था। इस दौरान उन्होंने 'ईवीएम हटाओ, देश बचाओ' के नारे भी लगाए थे। लेकिन जैसे ही ये लोग दस कदम आगे बढ़े पुलिस ने मार्च को रोकना शुरू कर दिया। और देखते ही देखते भारी पुलिस बल ने महमूद प्राचा और भानु प्रताप समेत प्रोटेस्ट में शामिल लोगों को बस में बैठाना शुरू कर दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति कोविद की अध्यक्षता में बनाई गई है समिति

एक देश, एक चुनाव समिति ने लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। देश में लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए गठित पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की अगुवाई वाली एक देश,एक चुनाव,समिति ने इस मामले में लोगो से सुझाव मांगे हैं। समिति ने इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी कर 15 जनवरी तक लोगों को अपनी राय देने के लिए कहा है। समिति ने कहा है कि देश मे एक साथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा ढांचे में उचित बदलाव करने के लिए आम जनता से लिखित रूप से सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। आम लोगों से मिले सुझाव को विचार के लिए समिति के सामने रखा जाएगा। इसके लिए एक वेबसाइट वे ईमेल पता जारी कर दिया गया है। इससे पहले हाल ही में समिति ने राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर राय जानने के लिए बुलाया था। ये पत्र 6 राष्ट्रीय दलों व 33 राज्य स्तरीय दलों और 7 पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दलों को भेजे गए थे। बाद में सभी दलों को रिमाइंडर भी भेजा गया था।

- 15 जनवरी तक दे सकेंगे राय, सार्वजनिक सूचना जारी की गई

समिति ने विधि आयोग से भी राय ली

समिति ने एक साथ चुनाव कराने के लिए विधि आयोग से भी राय ली है। इस मामले में दोबारा भी लॉ पैनल को बुलाया जा सकता है। समिति का उद्देश्य संविधान के तहत मौजूदा ढांचे को ध्यान में रखते हुए,लोकसभा, राज्यों की विधानसभा,नगर पालिका और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए जांच करना और सिफारिशें करना है।मालूम हो कि यह समिति पिछले साल सितम्बर में गठित हुई थी। इसके बाद इसकी दौ बैठकें हो चुकी हैं।

क्या है एक देश एक चुनाव

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। एक देश एक चुनाव का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश-एक चुनाव की परंपरा टूट गई।

बृजभूषण के खिलाफ आरोपों पर बहस पूरी

अब मामले की 20 जनवरी को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने छह महिला पहलवानों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न मामले में भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष पुलिस की दलीलें फिर से शुरू हुईं, जिन्होंने पहले मामले की अध्यक्षता कर चुके एसीएमएम हरजीत सिंह जसपाल के स्थानांतरण के बाद गुरुवार को नई सुनवाई शुरू की। दिल्ली पुलिस ने तर्क दिया कि कथित यौन उत्पीड़न की घटनाएं, चाहे वे विदेश में हों या देश के भीतर, आपस में जुड़ी हुई हैं और एक ही मामले का हिस्सा हैं। इसलिए, पुलिस ने कहा कि अदालत को मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र है। भाजपा सांसद ने पहले दिल्ली अदालत के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए दावा किया था कि भारत में कोई कार्रवाई या परिणाम नहीं हुआ। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने तर्क दिया कि आईपीसी की धारा 354 के तहत, मामला समय-बाधित नहीं है, क्योंकि इसमें अधिकतम पांच साल की सजा का प्रावधान है। शिकायत दर्ज करने में देरी के मुद्दे को बताते हुए, श्रीवास्तव ने महिला पहलवानों के बीच डर का मुद्दा उठाया और कहा कि कुश्ती उनके जीवन में बहुत महत्व रखती है, और वे अपने करियर को खतरे में डालने की चिंताओं के कारण आगे आने में झिझक रही थीं। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि बृज भूषण के बचाव में यह दावा करते हुए कि उनके कार्य पितृसत्तात्मक थे, उनके कृत्यों के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया। अदालत ने अब मामले को 20 और 23 जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है, जहां शिकायतकर्ताओं के वकील अपनी दलीलें पेश करेंगे।

यौन उत्पीड़न मामला

सीटों के बटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन की बैठक आज

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में भाजपानीत एनडीए को कड़ी चुनौती देने के लिए विपक्ष ने 28 दलों का इंडिया गठबंधन बनाया है। जिसे भाजपा इंडी गठबंधन कहती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घमंडिया गठबंधन बोलते हैं। अब शनिवार का दिन इस गठबंधन के लिए बेहद खास है। पहली बार लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन के दल सीटों के बंटवारे पर बात करेंगे। खबर है कि सबसे पहले

- दिल्ली, पंजाब और बिहार की सीटों को लेकर होगी बात

गठबंधन का प्रमुख दल कांग्रेस दिल्ली और पंजाब की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी और बिहार में महागठबंधन के जरिए सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार की जदयू के बातचीत करेगी। आम आदमी पार्टी ने फिलहाल दिल्ली और पंजाब की सभी सीटो पर चुनाव लडने का संकेत दिया है। वही सूत्र बता रहे हैं कि बिहार में जदयू और राजद 17-17 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और कांग्रेस के लिए महज 4 सीट छोड़ने का प्रस्ताव है। अगर जदयू और राजद अपनी इस मांग पर अड़े रहे तो इंडिया गठबंधन को बचाने की बड़ी चुनौती कांग्रेस के सामने खड़ी हो सकती है। वहीं बिहार से भी कठिन राह दिल्ली और पंजाब में है। सूत्र बता रहे हैं कि अगर दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस को सम्मानजनक सीटें नहीं मिली तो आम आदमी पार्टी का गठबंधन में बनें रहना मुश्किल हो सकता है।

तृणमूल नेता के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

कोलकाता, 6 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस नेता और उत्तर 24 परगना जिले में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों पर हमले के कथित मास्टरमाइंड शेख शाहजहां के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया। ईडी ने सभी एयरपोर्ट अथॉरिटीज और बॉर्डर गार्ड एजेंसियों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है. सूत्र ने कहा कि लुकआउट नोटिस इस आशंका में जारी किया गया है कि शाहजहां अपने परिवार के सदस्यों के साथ विदेश, खासकर पड़ोसी बांग्लादेश भागने की कोशिश कर सकता है। इसलिए सभी को अलर्ट रहने को कहा गया है।

ईडी अधिकारियों पर हमले का मामला

उपलब्धि

अंतरिक्ष में भारत की एक और कामयाबी

सूर्य मिशन आदित्य-एल1 लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंचा

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरिक्ष में भारत ने एक और कामयाबी हासिल की है। सूर्य मिशन पर निकले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आदित्य एल-1 ने अपनी मंजिल लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) पर पहुंच कर एक कीर्तिमान हासिल किया है। इसी के साथ आदित्य-एल 1 अंतिम कक्षा में भी स्थापित हो गया। यहां आदित्य दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा और महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाएगा।

भारत के इस पहले सूर्य अध्ययन अभियान को इसरो ने 2 सितंबर को लॉन्च किया था। एल-1 प्वाइंट के आसपास के क्षेत्र को हेलो ऑर्बिट के रूप में जाना जाता है, जो सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के बीच मौजूद पांच स्थानों में से एक है, जहां दोनों पिंडों का गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के बीच साम्यता है। मोटे तौर पर ये वे स्थान हैं, जहां दोनों पिंडों की गुरुत्व शक्ति एक दूसरे के प्रति संतुलन बनाती है। पृथ्वी और सूर्य के बीच इन पांच स्थानों पर स्थिरता मिलती है, जिससे यहां मौजूद वस्तु सूर्य या पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में नहीं फंसती है। एल-1 बिंदु पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की कुल दूरी का केवल 1 फीसदी है। दोनों पिंडों की कुल दूरी 14.96 करोड़ किलोमीटर है। इसरो के एक वैज्ञानिक के अनुसार हेलो ऑर्बिट सूर्य के चारों ओर पृथ्वी के घूमने के साथ-साथ घूमेगा। इसरो के इस अभियान को पूरी दुनिया में उत्सुकता से देखा जा रहा है, क्योंकि इसके सात पेलोड सौर घटनाओं का व्यापक अध्ययन करेंगे और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को डाटा मुहैया कराएंगे, जिससे सभी सूर्य के विकिरण, कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन कर पाएंगे।

यह हमारे लिए काफी संतोषजनक है। लॉन्चिंग के 126 दिन बाद यह अपने आखिरी बिंदु पर पहुंच गया है। हम इसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त थे। एस सोमनाथ, अध्यक्ष, इसरो

- दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा व आंकड़े जुटाएगा
- सूर्य अध्ययन अभियान को 2 सितंबर को लॉन्च किया था
- एल-1 बिंदु पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर है दूर

देश

उवाच

श्रीकांत पुजारी का मामला उछाल कर सरकार अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार कारसेवकों पर अत्याचार कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने सत्ता में रहते हुए हुबली शहर में ईदगाह मैदान विवाद को शांति भंग किए बिना हल किया था।

-एच.डी.कुमारस्वामी, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	15.0	06.0
मुंबई	27.0	24.0
कोलकाता	22.0	17.0
चेन्नई	27.0	25.0

लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीताना पार्टी का लक्ष्य : कांग्रेस

विधानसभा चुनाव में मिली हार पर किया मंथन

जो गलतियां विधानसभा चुनाव में हुईं उनसे सबक लेते हुए हमे आगे बढ़ना है : जीतू पटवारी

भोपाल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी की अध्यक्षता में शविार को भोपाल स्तिथ मुख्य कार्यालय में पार्टी के विधानसभा चुनाव में हारे प्रत्याशियों की बैठक हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक में सभी 164 सीटों पर मिली हार पर मंथन किया गया। इसमें हारे हुए प्रत्याशियों ने भीतरघात का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बागियों पर भी जमकर अपनी भड़ास निकाली। मुंगावली से कांग्रेस के प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे साथ भीतर घात किया गया है। हमारे लोगों ने गद्दारी की है। पार्टी में कई आस्तीन के सांप हैं, जो व्यक्ति कांग्रेस में रहकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहा है वह कांग्रेस का है ही नहीं। उसे पार्टी से बाहर कर देना चाहिए।

प्रत्याशियों ने अपनों पर लगाया भीतरघात का आरोप

इसके साथ ही एक अन्य प्रत्याशी ने कहा कि कई गद्दार लोग हैं उन्होंने गद्दारी की है। ऐसे लोगों के नाम पीसीसी चीफ को सौपें जाना चाहिए। ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो ये लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही कई अन्य प्रत्याशियों ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव में खुलकर सत्ता का दुरुपयोग किया है। पुलिस, पैसा, प्रशासन का दुरुपयोग किया गया है।

चुनाव में इतना पैसा बांटा गया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने लोकसभा चुनाव के लिए सभी से एक जुट होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जो गलतियां विधान सभा चुनाव में हुईं उनसे सबक लेते हुए हम आगे बढ़ना है और लोकसभा में अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करनी हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर होगा विचार मंथन : कांग्रेस

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ने संवाददाताओं को बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए लगातार तीन दिन तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार मंथन होगा। इसी क्रम में शनिवार को पार्टी प्रत्याशियों की बैठक रखी गई। रविवार को पार्टी के अन्य घटकों की और सोमवार को लोकसभा प्रभारियों की बैठक रखी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी।

ईडी ने हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार को समन किया

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां) झारखंड के साहिबगंज में हुए अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू सहित तीन लोगों को समन किया है। इसमें 16 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को पूछताछ के लिए ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया गया है। जबकि 11 जनवरी को साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव और 15 जनवरी को विनोद सिंह को पूछताछ के लिए समन किया गया है। इससे पूर्व ईडी की टीम ने तीन जनवरी को साहिबगंज जिले में अवैध खनन मामले को लेकर 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान ईडी ने विभिन्न आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, रिकॉर्ड और रुपये की नकदी बरामद की। साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के कैंप कार्यालय से 7.25 लाख रुपये सहित 36.99 लाख रुपये बरामद किये गये थे। इसके अतिरिक्त साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के आवासीय परिसर से 9 एमएम बोर के 19 कारतूस, .380 एमएम के 2 कारतूस और 45 पिस्टल के 5 खाली खोखे भी बरामद किये गये। तलाशी के दौरान 30 बेनामी बैंक खातों का भी पता चला और उन्हें फ्रीज कर दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर से राजस्थान को बिजली आपूर्ति से छिन जाएंगी बुनियादी सुविधाएं : महबूबा

बिजली आबंटन को लेकर प्रशासन पर साधा निशाना

श्रीनगर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने किश्तवाड़ में रैटले जलविद्युत परियोजना से राजस्थान को बिजली आपूर्ति करने पर प्रशासन पर निशाना साधा है। समझौते के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 850 मेगावाट की रैटले जलविद्युत परियोजना राजस्थान को परियोजना के वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) से 40 वर्षों की अवधि के लिए और केंद्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले बिजली आबंटन के अनुसार बिजली प्रदान करेगी। मुफ्ती ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा,ऐसे समय में जब जम्मू-कश्मीर एक गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था, हमारे जल विद्युत संसाधनों को अन्य राज्यों को आउटसोर्स किया जा रहा है।

प्रदेश के निवासियों को सामूहिक रूप से दंडित करने के इरादे से एक और निर्णय , जिससे लोगों की बुनियादी सुविधाएं छीन जाएंगी। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने कहा कि बिजली का समझौता हैरान करने वाला है। प्रदेश प्रशासन बार-बार यह दावा करता रहा है कि वह यहां की मांगों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से बिजली की आपूर्ति खरीद रहा है, वहीं अपनी खुद की आपूर्ति को दूसरे राज्य को लीज पर देना समझ से परे है। गौरतलब है कि नेशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड और जम्मू-कश्मीर स्टेट पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की संयुक्त उद्यम कंपनी रैटले हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने बुधवार को राजस्थान ऊर्जा विकास और आईटी सर्विसेज लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट पर जयपुर में हस्ताक्षर किए हैं।

जम्मू-कश्मीर के लिए नियम व शर्तें नुकसानदेह

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा है कि समझौते से हड़कंप मच गया है तथा इसके नियम और शर्तें प्रदेश के लिए नुकसानदेह लगते हैं। उन्होंने कहा कि 40 साल की अवधि के लिए बिजली के उठान के नए समझौते ने संदेह को और बढ़ा दिया है। सरकार को समझौते पर एक श्वेत पत्र लाना चाहिए, जिसमें लोगों को इसके अंतर्निहित उद्देश्य के बारे में बताया जाए और यह भी बताया जाए कि इससे जम्मू-कश्मीर को क्या लाभ होगा। सरकार को सबसे पहले घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली उपलब्ध कराने को प्राथमिकता देनी चाहिए थी।

सार संक्षेप

जम्मू में सड़क हादसे में पति-पत्नी व बेटे की मौत

जम्मू। जम्मू संभाग के रियासी जिले में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रियासी जिले के चसाना में शनिवार सुबह धुंध की वजह से दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क हादसे में पति, पत्नी और बेटे की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। हादसे का कारण धुंध बताई जा रही है। वाहन बेकाबू होकर गहरी खाई में गिरने से यह हादसा हुआ है। मृतकों की पहचान जाहिद अहमद उनकी पत्नी सारिया अख्तर निवासी बलमतकोट और उनके छोटे बेटे के रूप में हुई है।

कोविड संक्रमण के 774 नए मामले आए सामने

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया है कि देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 774 नए मामले दर्ज किए गए हैं और दो मरीजों की मौत हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, ये मौतें तमिलनाडु और गुजरात में हुई हैं। शुक्रवार को 12 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें केरल में पांच, कर्नाटक में चार, महाराष्ट्र में दो व उप्र में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। देश में नये मामले सामने आने के बाद कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4,187 हो गई है।

एमपी शेल्टर होम से 26 लड़कियां फिर हुईं लापता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अवैध रूप से संचालित शेल्टर होम में रहने वाली कम से कम 26 लड़कियों के लापता होने की सूचना मिली है। लड़कियों को मध्य प्रदेश के अलावा गुजरात, झारखंड और राजस्थान जैसे विभिन्न राज्यों से बचाकर भोपाल लाया गया था। मामला तब सामने आया जब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियसांक कानूनगो ने भोपाल के बाहरी परवलिया इलाके में स्थित आंचल गर्ल्स हॉस्टल का औचक दौरा किया। औचक निरीक्षण के बाद कानूनगो ने दावा किया कि उन्होंने पाया कि इसमें 68 लड़कियों की एंट्री थीं, लेकिन उनमें से 26 गायब थीं।

रायडू ने वाईएसआरसीपी से दिया इस्तीफा

विजयवाड़ा। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने शनिवार को आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। रायडू ने एक्स पर लिखा यह सभी को सूचित करना है कि मैंने वाईएसआरसीपी छोड़ने और कुछ समय के लिए राजनीति से बाहर रहने का फैसला किया है। आगे की कार्रवाई के बारे में उचित समय पर सूचित किया जाएगा। गौरतलब है कि मई 2003 में अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स की जीत के बाद अंबाती रायडू ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास ले लिया था।

मानहानि मामले में राहुल गांधी की सुनवाई टली

अब 18 जनवरी को कोर्ट में होना है तलब

सुलतानपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शनिवार को एमपी/एमएएल कोर्ट में तलब होना था, लेकिन वह तलब नहीं हुए। इधर शनिवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण कोर्ट में सुनवाई भी नहीं हो सकी। अब इस मामले में 18 जनवरी को कोर्ट में राहुल गांधी को तलब होना है।

ज्ञात हो कि कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी व जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ 4 अगस्त 2018 को मानहानि वाद दायर किया था। आरोप था कि एक वीडियो फुटेज में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ उनके द्वारा अभद्र टिप्पणी की गई थी। वादी के अधिवक्ता संतोष पाण्डेय ने बताया कि शनिवार को राहुल गांधी के मामले में उनकी तलबी थी लेकिन वह न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। राहुल गांधी को यहां से सम्मन भी जारी हुआ था और सम्मन निर्गत हो चुका है। आज यहां बार एसोसिएशन में विधिक कार्यशाला का आयोजन हुआ है, जिसके कारण सारे अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। इस कारण मामले में कोई कार्रवाई नही हो सकी और 18 जनवरी की तारीख पर राहुल गांधी की पुन: तलब किया गया है।

झारखंड में अब सियासी जमीन तलाश रहा है जदयू

नीतीश कुमार 21 को झारखंड के रामगढ़ में करेंगे बड़ी रैली

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में सरकार की अगुवाई कर रहा जनता दल यूनाइटेड अब झारखंड में भी सियासी जमीन की तलाश में जुटा है। पार्टी की नजर झारखंड में कुर्मी-कोयरी वोटरों पर है। बिहार में इस वोट बैंक पर जदयू की पकड़ मानी जाती है। उसकी कोशिश है झारखंड में उन क्षेत्रों में फोकस रखा जाए, जहां इन दोनों जातियों की खासी आबादी है।

सियासी जमीन के विस्तार के इरादे से पार्टी के सुप्रीमो नीतीश कुमार 21 जनवरी को झारखंड के रामगढ़ में बड़ी रैली करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को जदयू के झारखंड प्रदेश प्रभारी सह बिहार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी रांची पहुंचे। उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनसभा की तैयारियों पर चर्चा की। रांची में एक प्रेस कांफ्रेंस में चौधरी ने कहा कि झारखंड में पार्टी के बढ़ने की पूरी संभावना है। हमने पिछले सालों में कुछ गलतियां की है, जिसका नुकसान हुआ है। हम पार्टी की ताकत को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे पास अभी वक्त है।

हमने पिछले सालों में कुछ गलतियां की है, जिसका नुकसान हुआ है। हम पार्टी की ताकत को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं : अशोक चौधरी

चौधरी ने कहा यह हमारी अपनी रैली है, पार्टी की रैली है। अगर कोई और राजनीतिक दल आना चाहे तो आ सकता है। यह गठबंधन का नहीं हमारी पार्टी का कार्यक्रम है। हम लोगों को हमेशा यह लगता है कि झारखंड में हमारी पोजिशन अच्छी रही है और हम इसे फिर से वापस हासिल कर सकते हैं। इंडिया गठबंधन के तहत सीटों के बंटवारे में भी जदयू झारखंड में एक से दो लोकसभा सीटों पर दावेदारी के मूड में है। झारखंड में कुर्मी-कोयरी वोटरों की तादाद करीब 23 फीसदी है। पार्टी का मानना है कि अगर उनकी गोलबंदी की जाए तो झारखंड में सियासत का एक प्रभावशाली कोण बनाया जा सकता है। इसी इरादे से दो साल पहले नीतीश कुमार ने झारखंड के कद्दावर कुर्मी नेता खीरू महतो को बिहार से राज्यसभा भेजा था और इसके बाद राज्य में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संगठन के विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी थी।

राम मंदिर पर बयान देने से बचते नजर आए तेजस्वी

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के मधुबनी में मंदिर पर दिए गए एक बयान के बाद सियासी बवाल मच गया। अब इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव बयान देने से बच रहे हैं। जब इस संबंध में उनसे शनिवार को पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि छोड़िए न इन बातों को। हालांकि, अन्य प्रश्नों का उन्होंने खुलकर जवाब दिया। एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद तेजस्वी से जब पत्रकारों ने उनके राम मंदिर के संबंध में दिए गए बयान पर विपक्षी दलों द्वारा निशाना साधे जाने के संबंध में पूछा तो उन्होंने सीधे कहा कि छोड़िए न इन सब बातों को, मुझे इस पर कुछ नहीं कहना। तेजस्वी ने कहा कि हम बिहार के विकास की चिंता करते हैं। युवाओं को रोजगार देने के लिए काम करते हैं। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी से जुड़े एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि उनको पहले अपने बारे में बताना चाहिए कि उनका फ्यूचर क्या होने वाला है। हम लोग काम में लगे हुए हैं और उन लोगों को प्रदेश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

कर्नाटक के ट्रक मालिक 17 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे

नए हिट-एंड-रन कानून के खिलाफ लिया फैसला

बेंगलुरु, 6 जनवरी (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक ट्रक ओनर्स एसोसिएशन ने शनिवार को नए हिट-एंड-रन कानून के खिलाफ 17 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.नवीन रेड्डी ने कहा कि एसोसिएशन के सदस्यों ने नए कानून को लेकर एक बैठक की और 17 जनवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का फैसला किया। ड्राइवरों ने आक्रोश व्यक्त किया कि सरकार ने ट्रक मालिकों या परिवहन बिरादरी से किसी से परामर्श किए बिना एकतरफा निर्णय लिया। केंद्र सरकार के इस कदम से ऐसी स्थिति पैदा होगी, जहां ड्राइवर अपना पेशा जारी रखने में झिझकेंगे। ट्रक उद्योग और ड्राइवरों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित अधिनियम में शामिल कड़े कानूनों में ढील दी जानी चाहिए।

नए कानून से सबसे ज्यादा मुश्किल ट्रक चालकों को होगी

सी. नवीन रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि नए कानून से सबसे ज्यादा मुश्किल ट्रक चालकों को होगी। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों में दुर्घटनाओं के मामले में जब्त किए गए ट्रकों को रिहा करना और अनावश्यक यातायात भीड़ के आधार पर लगाए गए जुर्माने को कम करना शामिल है। 10 साल की कैद समेत भारी जुर्माना लगाने के नए प्रस्ताव से देशभर के ड्राइवर चिंतित हैं।

हथियार बरामदगी मामले में आरोपी की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर में 2022 के हथियार बरामदगी मामले में शनिवार को प्रमुख साजिशकर्ता का घर कुर्क कर लिया। एनआईए टीम ने आज श्रीनगर के चनापोर इलाके में आरसी-4/22/एनआईए/जेएमयू मामले के मास्टरमाइंड माने जाने वालों में से एक आमिर मुश्ताक गनई की संपत्ति को कुर्क किया। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23 मई, 2022 को श्रीनगर के चनापोरा इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 पिस्तौलें बरामद की थी।

यह मामला शुरू में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था और बाद में जांच को व्यापक बनाने के लिए इसे एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया। एनआईए की जांच के अनुसार, गनी और उसके सहयोगी टीआरएफ/एलईटी के कैडर थे और उनके पाकिस्तान स्थित आकाओं, गुर्गों और कमांडरों से जुड़े हुए थे। जांच से पता चला है कि यह मामला जम्मू-कश्मीर में सक्रिय पाकिस्तान स्थित मॉड्यूल द्वारा हथियारों और धन को ड्रोन से गिराने से संबंधित एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। ड्रोन को गिराने के मुख्य सरगना फैसल मुनीर को पहले एनआईए ने गिरफ्तार किया था।

ओडिशा विस्फोट कांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन

अस्पताल के एसी में गैस भरने के दौरान हुआ था विस्फोट

भुवनेश्वर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के हाई-टेक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आउटडोर एसी में विस्फोट में घायल हुए एक और व्यक्ति की शनिवार को मौत हो गई, जिससे दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या तीन हो गई।

सूत्रों के अनुसार, गत 29 दिसम्बर को अस्पताल के आउटडोर एसी में गैस भरने के दौरान करीब चार लोग घायल हो गए थे। उनमें से दो लोगों की जलकर मौत मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन शनिवार को घायलों में से एक ने भी दम तोड़ दिया। घटना के दो दिन बाद, मरने वाले व्यक्तियों में से एक की पत्नी ने अपने पति की मृत्यु की खबर पाने के अगले ही दिन ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, मृतक की पहचान को लेकर भ्रम की स्थिति तब सामने आई जब अस्पताल के रिकॉर्ड में ज्योति रंजन मल्लिक नाम के घायलों में से एक, जो आईसीयू से निकाले जाने पर वेंटिलेटर पर था, ने दावा किया कि वह दिलीप सामंत्रे है, न कि ज्योति रंजन मल्लिक। अस्पताल के अधिकारियों ने पहले दिलीप सामंत्रे को मृत घोषित कर दिया था और पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया था।

इस बीच, खुद को दिलीप सामंत्रे बताने वाले व्यक्ति ने शनिवार को जलने के कारण दम तोड़ दिया। ज्योतिरंजन और दिलीप दोनों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर मृतकों की पहचान में गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाया है।

तैयारी *झारखंड में चुनावी वर्ष में तेज दौड़ेगी सरकार की नियुक्ति एक्सप्रेस*

राज्य में इस साल 70 हजार से ज्यादा युवाओं को मिलेगी नौकरी

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। चुनावी वर्ष 2024 में झारखंड में सरकारी विभागों में बंपर नियुक्तियों की तैयारी है। सब कुछ ठीक रहा तो राज्य में इस साल 70 हजार से भी ज्यादा युवाओं के हाथों में सरकारी नौकरी का अप्वाइंटमेंट लेटर होगा। फिलहाल जितनी वैकेंसियों के लिए आवेदन मंगाए गए हैं और परीक्षाओं से लेकर इंटरव्यू तक के शेड्यूल।

तय किए गए हैं, उसके मुताबिक आगामी जून महीने तक लगभग 47 हजार पदों पर नियुक्तियां हो जाएगी। सबसे ज्यादा नियुक्तियां शिक्षा विभाग में होनी हैं। झारखंड स्टेट स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) ने 26,001 सहायक शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन करीब पांच महीने पहले निकाला था। आरक्षण विवाद को लेकर मामला कोर्ट में गया था। अब कोर्ट की हरी झंडी मिल चुकी है। इसकी परीक्षा इसी महीने में प्रस्तावित है। राज्य के प्लस टू स्कूलों में 3,120 शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया इसी महीने पूरी कर लिए जाने की संभावना है। इसकी परीक्षा हो चुकी है और अभ्यर्थियों के सर्टिफिकेट की जांच की प्रक्रिया चल रही है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 2,025 पदों पर नियुक्ति के लिए झारखंड सामान्य स्नातक संयुक्त परीक्षा 21 और 28 जनवरी को होनी है। हालांकि, इस परीक्षा की प्रक्रिया पिछले कई सालों से चल रही है। इसके लिए चार बार आवेदन मंगाए गए और सात बार परीक्षाओं की तारीख तय हुई, लेकिन, अब तक परीक्षा नहीं ली जा सकी है। इसके अलावा 1,556 पदों के लिए डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की प्रक्रिया चल रही है।

■ शिक्षा विभाग में होनी हैं सबसे ज्यादा नियुक्तियां

कांस्टेबल के 4,919 पदों पर नियुक्ति के लिए 15 जनवरी से आवेदन मंगाए गए हैं, तो, पारा मेडिकल स्टाफ के 2,532 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन की प्रक्रिया 23 जनवरी से शुरू हो रही है। झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन ने इंटरमीडिएट स्तर की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के जरिए 863 रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया भी शुरू की है। इसके लिए आवेदन जमा कराए जा चुके हैं। इसी तरह महिला पर्यवेक्षिका के 444 पदों पर नियुक्ति की परीक्षा फरवरी में ली जा सकती है। झारखंड नगरपालिका सेवा संवर्ग में 923 पदों पर नियुक्ति के लिए परीक्षा ली जा चुकी है और अगले दो महीने में इसका परिणाम घोषित कर दिए जाने की उम्मीद है। औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारियों के 930 पदों पर भी नियुक्ति की प्रक्रिया जून से पहले पूरी करने की तैयारी है। झारखंड लोक सेवा आयोग से होने वाली नियुक्तियों की बात करें तो इस वर्ष जूनियर सिविल जजों के 138, सीडीपीओ के 64, फूड सेफ्टी अफसर के 56, आयुर्वेदिक चिकित्सकों के 207, होम्योपैथिक चिकित्सरों के 137, दंत चिकित्सकों के 43 और मेडिकल ऑफिसर्स के 26 पदों पर नियुक्ति की प्रकिया चल रही है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पत्नी : प्यार क्या है... ?
पति : इतनी ठंड में कोई आपकी गर्दन पर ठंडे-ठंडे हाथ लगा दे। फिर भी आप उसे गालियां ना दो...
बस यही प्यार है...!!!

नागरिकों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने को सरकार प्रतिबद्ध : शैली

मेयर ने बीस बिस्तर वाले प्रसूति वार्ड का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ शनिवार को फतेहपुर बेरी में मातृ एवं शिशु कल्याण केंद्र और पॉलीक्लिनिक के 20 बेड वाले प्रसूति वार्ड का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. शैली ओबेरॉय ने कहा कि यह सीएम अरविंद केजरीवाल, स्थानीय विधायक और पार्षद के निरंतर प्रयासों से संभव हो पाया है। इस तरह की सुविधा अब इस क्षेत्र के निवासियों के लिए इतने कम समय में शुरू की गई है। दिल्ली नगर निगम के केंद्र में मौजूदा सुविधा को 100 बेड तक विस्तार करने की योजना है। नए प्रसूति वार्ड में शुक्रवार को एक नवजात शिशु का प्रसव हुआ है। मेयर ने कहा कि क्षेत्र के अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पता चला कि मौजूदा प्रसूति केंद्र के अलावा फतेहपुरी बेरी और उसके आसपास मातृ एवं शिशु देखभाल सुविधाओं की कमी है। इस क्षेत्र में ऐसी प्रसूति सुविधाओं के अभाव के कारण, यह नया प्रसूति वार्ड ग्रामीणों को उनके घर के पास ही प्रसूति सुविधा उपलब्ध कराएगा। निगम की आप सरकार नागरिकों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा। आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली एमसीडी दिल्ली सरकार के शिक्षा मॉडल के अनुरूप दिल्ली के स्कूलों में बेहतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा मॉडल के अनुरूप दिल्ली के स्कूलों में बेहतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है : शैली ओबरॉय

अल्ट्रासॉउंड-ब्लड बैंक की भी मिलेगी सुविधा

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि स्थानीय जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए फतेहपुर बेरी अस्पताल में जच्चा बच्चा केंद्र की शुरुआत की गई है। हालांकि यहां अभी अल्ट्रासॉउंड, एंबुलेंस और ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है, उसे भी जल्दी शुरू किया जाएगा। लोगों की मांग है कि अस्पताल परिसर में पड़ी खाली जमीन पर 100 बेड का अस्पताल बनाया जाए। इस मांग पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

भारतीय मानक ब्यूरो ने मनाया स्थापना दिवस

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, वस्त्र और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज यहां भारतीय मानक ब्यूरो बीआईएस के 77वें स्थापना दिवस के दौरान अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि भारत को मानकों के मामले में अग्रणी होना चाहिए। बीआईएस ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग डीपीआईआईटी के साथ मिलकर इस अवसर पर संयुक्त रूप से भारत में गुणवत्ता परितंत्र को मजबूत करने पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीआईएस को मानकों को सिर्फ अपनाने वाला बनकर नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मानकों को जहां भी संभव हो जैसे लिफ्ट या एयर फिल्टर या चिकित्सा आइटम, सबको अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हितधारकों के साथ विचार-विमर्श बढाते हुए और उद्योग प्रतिनिधियों को शामिल करके इसे हासिल किया जा सकता है। गोयल ने आभूषणों की हॉलमार्किंग में बीआईएस के प्रयासों की सराहना की और बताया कि अनिवार्य हॉलमार्किंग 343 जिलों में हो रही है। प्रतिदिन 4.3 लाख से अधिक वस्तुओं को हॉलमार्क किया जाता है और लोग जो आभूषण खरीद रहे हैं उनमें से 90 प्रतिशत आभूषण हॉलमार्क वाले होते हैं।

जागरूकता पैदा करने के लिए सहभागिता दिवस आयोजित

दिल्ली नगर निगम ने किया कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। सहभागिता योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, दिल्ली नगर निगम ने अपने सभी 12 जोनों में सहभागिता दिवस मनाया है। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में क्षेत्रीय पार्षद, क्षेत्रीय अधिकारी और 600 आरडब्ल्यूए, जीएचएस के लगभग 3000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दिल्ली नगर निगम के संपत्ति कर विभाग द्वारा जनवरी, 2024 महीने को सहभागिता माह के रूप में भी मनाया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, सहभागिता योजना के उद्देश्यों के बारे में बताया गया, जिसमें नगर निगम के कर दायरे को व्यापक बनाने और बेहतर सेवाएं प्रदान करने, दिल्ली के नागरिकों को सशक्त बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और आरडब्ल्यूए, जीएचएस को इसके तहत खुद को पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सभी हितधारकों की भागीदारी की परिकल्पना की गई है। कार्यक्रमों के दौरान यह भी बताया गया कि योजना के तहत प्रोत्साहन, एकमुश्त समय पर भुगतान पर मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट के अतिरिक्त होगी। योजना के तहत, संबंधित कॉलोनी के ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की सिफारिशों पर एमसीडी द्वारा विकास कार्यों के माध्यम से 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि संबंधित जीएचएस, आरडब्ल्यूए का कर संग्रह दक्षता कम से कम 90 प्रतिशत हो। साथ ही, इस योजना के तहत एक लाख रुपए की सीमा भी हटा दी गई है।

सार संक्षेप

श्री सीमेंट ने 'बांगुर' के साथ अपने ब्राण्ड को दी नई पहचान

नई दिल्ली। श्री सीमेंट लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट ब्राण्ड पहचान में बड़ा बदलाव लाते हुए मल्टीपल ब्राण्ड पेशकश बांगुर को मास्टर ब्राण्ड के रूप में लॉन्च किया है। बांगुर के रूप में ब्राण्ड की नई पहचान उपभोक्ताओं की जरूरतों एवं राष्ट्र की महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए बिल्ड स्मार्ट के मूल दृष्टिकोण पर आधारित है। बांगुर मास्टर ब्राण्ड का अनावरण जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के साथ एक नए विज्ञापन के साथ किया गया, जिन्हें कंपनी ने अपना ब्राण्ड अम्बेसडर बनाया है। इस अवसर पर नीरज अख्रोरी, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सीमेंट लिमिटेड ने कहा कि मास्टर ब्राण्ड के रूप में 'बांगुर' का लॉन्च उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों एवं बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरने की हमारी योजनाओं के अनुरूप है। इस कदम के साथ हम 'बांगुर' को कंपनी के मुख्य ब्राण्ड के रूप में स्थापित करना चाहते हैं और ब्राण्ड को नई एवं स्पष्ट पहचान देना चाहते हैं।

जीवन में लक्ष्य निर्धारण पर कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। जीवन में लक्ष्य निर्धारण के लिए शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। गौरव भगत अकादमी द्वारा प्रस्तुत बहुप्रतीक्षित नियम 2024 मास्टरक्लास कार्यशाला के लिए बिक्री उत्साही, पेशेवरों और छात्रों का एक असाधारण संगम देखा गया। कार्यशाला में भारत के अग्रणी बिक्री कोच और प्रशिक्षक गौरव भगत शामिल थे। भारत में ग्रांट कार्डोन वे ऑफ 10 एक्स के एकमात्र लाइसेंसधारी के रूप में प्रसिद्ध, भगत को व्यक्तियों को गतिशील पेशेवरों में बदलने में उनकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। नियम 2024 के तीसरे संस्करण के बारे में बोलते हुए गौरव भगत ने कहा कि कार्यशालाओं की नियम श्रृंखला साल में केवल एक बार होती है और हमारे प्रतिभागियों के लिए स्थायी परिवर्तन बनाने के लिए यह सबसे प्रभावशाली है। नियम 2024 का लक्ष्य आने वाले एक अभूतपूर्व वर्ष के लिए 10 एक्स महारत योजना को अनलॉक करना है। सफल 2024 के लिए व्यक्तियों को अपनी दृष्टि और रणनीतियों को बदलते हुए देखना प्रेरणादायक था। नियम 2024 कार्यशाला आपकी अंतिम सफलता को खोलने की दिशा में एक यात्रा है। कार्यशाला में दो गहन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें से प्रत्येक के बाद दोपहर के भोजन के समय दिलचस्प बातचीत हुई। उपस्थित लोगों को उन रणनीतियों पर विचार करने का अनूठा अवसर मिला जो 2023 में काम नहीं आईं और आगामी वर्ष के लिए एक सफल पाठ्यक्रम तैयार करने में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। इस कार्यक्रम ने पेशेवरों को चाय ब्रेक और गौरव भगत के साथ एक समर्पित नेटवर्किंग सत्र के दौरान अनुभवों को जोड़ने और साझा करने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए।

दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 14 प्रतिशत बढ़कर 4.44 लाख रुपए हुई : आतिशी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली सरकार ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की प्रति व्यक्ति आय चालू वित्त वर्ष में लगभग 14 प्रतिशत बढ़कर 4,44,768 रुपये प्रति वर्ष हो गई है जो राष्ट्रीय औसत से 158 प्रतिशत अधिक है। केजरीवाल सरकार ने सांख्यिकी हैंडबुक-2023 जारी करते हुए यह जानकारी दी।

दिल्ली सरकार के आर्थिक और सांख्यिकी विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक-आर्थिक मापदंडों के आंकड़ों वाली यह पुस्तिका जारी की है। इसके मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,44,768 रुपये हो गई जबकि एक साल पहले यह 3,89,529 रुपये थी। इस तरह इसमें सालाना आधार पर 14 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन राष्ट्रीय औसत की तुलना में यह 158 प्रतिशत अधिक है। योजना विभाग की मंत्री आतिशी ने पुस्तिका के विमोचन पर कहा कि विभिन्न बाधाओं के बावजूद केजरीवाल सरकार ने 2023 में सार्वजनिक सेवा क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने राजधानी में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किया और बीते वर्ष प्रतिदिन औसतन 41 लाख यात्रियों ने बसों से यात्रा की। आतिशी ने कहा कि दिल्ली देश में इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति की अगुवाई कर रही है। शहर की सड़कों पर फिलहाल 7,200 बसें चल रही हैं जिनमें 1,300 इलेक्ट्रिक बसें हैं। दिल्ली सरकार ने नए सांख्यिकीय आंकड़ों के हवाले से कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.8 लाख बढ़ गई और एक लाख से अधिक पानी के कनेक्शन जोड़े गए। केजरीवाल सरकार की मुफ्त बिजली योजना के तहत 2022-23 में शून्य राशि के 3.41 करोड़ से अधिक बिजली बिल बने।

मुफ्त बिजली योजना में 200 यूनिट तक मासिक बिजली उपयोग मुफ्त है। सरकारी बयान के अनुसार, देश में न्यूनतम मजदूरी का सर्वाधिक स्तर दिल्ली में है। यहां अकुशल श्रमिकों के लिए 17,494 रुपये, अर्द्ध-कुशल श्रमिकों के लिए 19,279 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 21,215 रुपये की न्यूनतम मजदूरी मिलती है। सरकार इसमें हर छह महीने पर संशोधन करती है।

सामाजिक-आर्थिक मापदंडों के आंकड़ों वाली पुस्तिका की जारी

चौहान बांगर में नि:शुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद के कार्यालय चौहान बांगर में बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद और निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर के प्रयासों से गेल इंडिया लिमिटेड और महावीर इंटरनेशनल दिल्ली द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिस में संपूर्ण नेत्र जांच के अलावा ईसीजी, नाक, गला, कान, बीपी, शुगर आदि की भी जांच की गई। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। जिस में करीब 600 लोगो ने लाभ उठाया तथा चश्मा और दवाइयां मुफ्त दी गईं। जांच के दौरान 22 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया, जिनमें से स्वस्थ मरीजों का महावीर इंटरनेशनल द्वारा ऑपरेशन मुफ्त में किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद ने लोगों की सेवा के बारे में कहा, हम व्यक्तिगत तौर पर जो भी इबादत करते हैं, उसका सवाब हमें ही मिलता है। बाबरपुर जिला अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद ने स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा वरदान है अगर आप स्वस्थ हैं तो बड़े से बड़े काम आसानी से कर सकते हैं। निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी ने कहा कि चौहान बांगर को स्वच्छता के अलावा यहां के लोगो की सेहत ठीक रखने की कड़ी में आज का शिविर एक प्रयास है। शिविर में अपनी सेवा देने वालों में डॉ. अजहर पठान, डॉ. अलवैश राय, डॉ.सुमीत कसाना, अमित चावला के नाम उल्लेखनीय है।

शिविर को सफल बनाने में सीलमपुर विधानसभा के युवा अध्यक्ष जर्रार अहमद, राव नावेद, शकील अहमद, मुहम्मद तौहीद, विनोद प्रधान असलम मलिक, मकबूल बेग, नजामुद्दीन, सलीम सफी, मोजो भाई, मुहम्मद आमिर का नाम अहम है।

सभी जिला अधिकारी आज करेंगे गांव में रात्रि प्रवास

एलजी ने दिए आदेश, संवाद कार्यक्रम के तहत लोगों से सुनेंगे जनता की समस्या

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के सभी जिला अधिकारी रविवार को गांव में रात्रि प्रवास प्रवास करेंगे। इस दौरान गांव वालों की समस्या को सुनेंगे और उनकी समस्या को दूर करने की दिशा में काम करेंगे। इसे लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आदेश जारी किया है। आदेश के तहत सात से आठ जनवरी तक चयनित गांवों का दौरा करेंगे और रात्रि प्रवास करेंगे। इसमें कहा गया कि दो जनवरी को संवाद कार्यक्रम के दौरान एलजी ने इसे लेकर आदेश दिया था। साथ ही कहा था कि 800 करोड़ से अधिक रुपये की लागत से गांव में विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत होने वाले विकास कार्य के लिए ग्रामीणों से सुझाव दिया है। अधिकारियों ने बताया कि डीएम सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले पहले तीन घंटों में गांवों के निवासियों के साथ संवाद करेंगे। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक डीडीए, राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड और एमसीडी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ उन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही उक्त क्षेत्र में चल रहे विकास कार्य का जायजा लेंगे। शाम छह बजे से सात बजे तक निवासियों के साथ चर्चा करेंगे। साथ ही उनकी शिकायतें और प्रतिक्रिया साझा करेंगे।

इन गांव में रहेंगे जिले के डीएम

जिला	गांव
पश्चिम	बापरोला
उत्तर पश्चिम	तातेसर ग्रामीण
दक्षिण पश्चिम	खेड़ा डाबर
दक्षिण	फतेहपुर बेरी
दक्षिण पूर्व	पुल प्रह्लादपुर
पूर्व	चिल्ला सरोदा बांगर
शाहदरा	बाबरपुर
उत्तर पूर्व	बाक्रियाबाद
मध्य	जगतपुर
नई दिल्ली	समालखा
उत्तर	पल्ला

शिकायत निवारण सुविधा शिविर आयोजित

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नई दिल्ली नगरपालिका परिष ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए एनडीसीसी कन्वेन्शन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 54 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। सेवा उपयोगकर्ताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया। पालिका परिषद द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया।

भ्रष्टाचार का पर्याय बना हेल्थ मॉडल : सचदेवा

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार का हेल्थ मॉडल अब भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। सचदेवा ने कहा है की जो सरकार 9 साल से विश्व स्तरीय हेल्थ मॉडल का दावा करती रही आज एक माह में उसके हेल्थ मॉडल के अंतर्गत हर काम में भ्रष्टाचार के समाचार ने दिल्ली की जनता को विचलित कर दिया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की दिल्ली सरकार के अस्पतालों में उपयोग की जा रही पट्टी, रूई, इंफूयसन सेट, मेडिकल गलवस जैसी आवश्यक मेडिकल सामग्री तक घटिया निकलने और जांच में उनके सैंपल फेल होने से अब अरविंद केजरीवाल के हेल्थ मॉडल की पोल पूरी तरह खुल गई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की हेल्थ मॉडल के एक के बाद एक घोटाले उजागर होने के बाद से दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज लगातार मुख्य मंत्री केजरीवाल, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मनीष सिसोदिया एवं खुद का बचाव कर रहे हैं और अधिकारियों पर दोषारोपण कर रहे हैं पर दिल्ली की जनता सौरभ भारद्वाज से कई सवाल पूछना चाहती है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 819/एस0टी0-एस0डी0एम0/2020 दिनांक 30.12.2020 के अनुसार मृतक श्री स्व0 राम अवतार शर्मा पुत्र पन्नालाल शर्मा नि0 ग्राम धनौरी खुर्द पोस्ट धनौरी कला दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर नि0 ग्राम की मृत्यु दिनांक 11.01.2020 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध
धनौरी	1137 1412 1595	स्व0 रामअवतार पुत्र पन्नालाल शर्मा नि0 ग्राम मिलक धनौरी खुर्द परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमति बीना	पत्नी
			श्री नीरज गौड	पुत्र
			श्रीमति गीता	पुत्री
			श्रीमति सविता शर्मा	पुत्री

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी, सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र -828/एस.टी.-एस.डी.एम./2022 दिनांक 27.06.2022 स्व0 अतर सिंह पुत्र स्व0 धर्मवीर नि0 ग्राम डेरीन गुजरान उची दनकौर परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 24.04.2021 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
दनकौर	16	918m	स्व0 श्री अतर सिंह	श्रीमति संतरा	80	पत्नी विधवा
			पुत्र स्व0 धर्मवीर नि0	श्री सुभाष सिंह	39	पुत्र विवाहित
			ग्राम डेरीन गुजरान	श्रीमति गीता	36	पुत्री विवाहित
			उँची दनकौर परगना	श्रीमति अनीता	35	पुत्री विवाहित
			दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमति प्रीती	29	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

सूफी परंपराओं व मॉडर्न म्यूजिक का लगा अनूठा संगम

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। संगीत के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान देते हुए अलाइव एक्सपीरियंस द्वारा बी टुगेदर स्टूडियो के इनॉगरल सीजन के लॉन्च की घोषणा की गई है। यह प्लेटफार्म बेहतरीन संगीत कलाकारों को एक ही मंच पर लाया है और यह इस अनूठी पहल में सूफी परंपराओं और मॉडर्न म्यूजिक का असाधारण संगम है। इस संगीत यात्रा की शुरुआत करते हुए, बी टुगेदर स्टूडियो 14 दिग्गज कलाकारों को एक मंच पर लाया है, जिनमें सलमान अली, सनी हिंदुस्तानी, यशराज कपिल, शाहीन सलमानी, अश्विनी बसोया, शाहिद खान, नीरज ढल्ल, मयंक नागपाल, सागर भाटिया, बिस्मिल, अभिनव नरूला और लवीश शीतल शामिल हैं। बी टुगेदर स्टूडियो की पहुंच व्यापक है, जो विश्व स्तर पर संगीत प्रेमियों के दिलों पर अपना राज कायम करेगी। गीतकार अर्जुन सरकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर अर्जित श्रीवास्तव द्वारा बनाये गए बी स्टूडियो की पहली ट्रैकलिस्ट में 12 सूफी गाने शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक एक अनूठी कहानी बयां करती है। बी टुगेदर के फाउंडर मोहित गोयल और जतिन गोयल ने कहा कि बी टुगेदर स्टूडियो एक ऐसा मंच है, जहां कलाकार अपने संगीत के माध्यम से अपनी कहानियां बताते हैं। उनकी हर रचना एक खूबसूरत तस्वीर की तरह है। अपनी इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, बी टुगेदर स्टूडियो के संस्थापक मयूर अग्रवाल ने कहा कि बी टूगेदर स्टूडियो का सीजन वन लॉन्च करते हुए मुझे काफी खुशी हो रही है।

बी टुगेदर स्टूडियो हुआ लॉन्च, नए कलाकारों को देगा मंच

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा उत्तर रेलवे नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 30.01.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-II के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पंजाबी बाग के कार्य क्षेत्र मे 6 बीएन आरपीएसएफ दयाबस्ती में आरपीएफ/आरपीएसएफ कार्यालयों और पोस्ट/थानों के मौजूदा जर्जर बैरक का प्रतिस्थापन और कार्यालय भवनों, आरपीएफ लाइनों आदि के कमरों में सुधार हेतु।	रुपये 23455397.72	रुपये 267300.00	08 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़गंज के कार्य क्षेत्र में रेलवे कॉलोनी पीके रोड, बसंत लेन और नर्सेज हॉस्टल आदि में जर्जर जल आपूर्ति पाइप लाइनों के बदले नई पाइप लाइनों और सर्विस टैंक का प्रावधान, पीवीसी सर्विस टैंक, ओवरहेड टैंक में सुधार, अंडर ग्राउंड टैंक और फिल्ट्रेशन प्लांट, क्लोरीनेशन प्लांट आदि कार्य हेतु।	रुपये 23481938.78	रुपये 267400.00	08 महीने
सी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़गंज के कार्य क्षेत्र में बसंत लेन रेलवे कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग में बाहरी सतह की मरम्मत, बाहरी पेंट, स्सोसेम और अन्य विविध मरम्मत कार्य हेतु।	रुपये 14953958.75	रुपये 224800.00	08 महीने
डी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/तीस हजारी के कार्य क्षेत्र मे नई पाइप लाइनों का प्रावधान और जल आपूर्ति सीवरेज प्रणाली, शौचालय, रसोई और क्षतिग्रस्त जल आपूर्ति व्यवस्था के बदले में एसएमपी पैनल पानी की टंकी, पीवीसी भंडारण पानी की टंकी का प्रावधान और मोतिया बाग, सदर बाजार, मोर सराय और श्रीराम रोड रेलवे कॉलोनी में पुरानी पाइप लाइनें कार्य हेतु।	रुपये 23486391.87	रुपये 267400.00	08 महीने
इ	सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/ट्रांजिट कैंप ट्रांजिट कैंप के कार्य क्षेत्र मे अग्निशमन प्रणाली में सुधार, पता योग्य अलार्म प्रणाली, पीए सिस्टम, रिकार्ड रूम एवं डीएओ भवन में अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान, डीएफएस से एनओसी प्राप्त करने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा के निर्देशानुसार, डीएओ भवन और रेल निवास मे दो साल के लिए अग्निशमन प्रणाली का वार्षिक रखरखाव अनुबंध कार्य हेतु।	रुपये 15999957.90	रुपये 230000	02 वर्ष

1. निविदा दिनांक 30.01.2024 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्याः- 128-डब्लयू/269/निविदा सूचना/23-24/डब्लयू-ई/टेंडर नं 42-(ए,बी,सी,डी,इ) दिनांक : 05.01.2024 60/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसी को समझते हुए और लोगों की मदद के लिए हम सभी ने मिलकर एक हाथ बढ़ाया है। हम खुद को भाग्यवान समझते हैं कि हमें किसी की मदद करने का मौका मिला है:-

ओंकार शर्मा, एडवोकेट

नोएडा में ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र समेत 5 गिरफ्तार, 12 लाख की विदेशी ड्रग बरामद

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। ऑनलाइन ड्रग्स व चरस गांजा सप्लाई करने वाले पांच लोगों को थाना सेक्टर-126 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक एमिटी यूनिवर्सिटी का और एक दिल्ली यूनिवर्सिटी का पूर्व स्टूडेंट भी है। ये लोग सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म पर ग्रुप बनाकर नशे का कारोबार कर रहे थे। सप्लाई के लिए फिल्प कार्ट, अमेजन और मीसो जैसी कंपनियों की रैपर पैकिंग कर छोटे-छोटे पार्सल बनाते थे। जिनको इन्हीं का राइडर यूनिवर्सिटी , होस्टल, पीजी में सप्लाई करता था।

ये लोग दो प्रकार के ड्रग्स की सप्लाई सबसे ज्यादा करते थे। इसमें ओजी एक विदेशी गांजा है। जिसकी मादकता भारतीय गांजे से काफी अधिक होती है। जिस कारण ये काफी डिमांड में रहता है। जिसके प्रत्येक पैकेट को ये लोग 7-8 हजार रुपये में बेचते थे। वहीं शिलांग गांजा पूर्ण रूप से एयर कंडीशन में उगाया जाता है। जिस कारण यह भी काफी

ऑनलाइन ऑर्डर, डिलीवरी बॉय से सप्लाई

डिमांड में रहता है। इसके प्रत्येक पैकेट को ये लोग 4-5 हजार रुपए में बेचते थे। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि इनकी पहचान सागर, निशान्त, सचिन कुमार, हर्ष झा और चेतन हुई है। इन पांचों को एमिटी यूनिवर्सिटी कट से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से शिलांग गांजा 12 किलो 700 ग्राम, 90 ग्राम चरस, 05 ग्राम विदेशी गांजा OG जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10-15 लाख रुपए है। 05 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप तथा मादक पदार्थों की सप्लाई में प्रयुक्त किये जाने वाली 01 मोटरसाइकिल व 01 स्कूटी भी है। इनका टारगेट एमिटी यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थान, पीजी व होस्टल थे।

मध्यप्रदेश से मंगाया जाता था शिलांग गांजा, 90 हजार रुपए प्रति किलो है रेट

एसीपी ने बताया कि गैंग का सरगना सचिन है। ये मध्यप्रदेश से चिन्टू नाम के व्यक्ति से शिलांग गांजा मंगाया था। जिसकी बाजार में कीमत 90 हजार रुपये प्रति किलो है। सागर दिल्ली यूनिवर्सिटी से पास आउट छात्र है। इसने स्नेप चेट, टेलीग्राम, वाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया प्लैटफार्मों के माध्यम से अलग-अलग यूनिवर्सिटी व अन्य शैक्षिक संस्थानों के छात्रों से जुड़ा है। डिमांड के अनुसार मादक पदार्थों की डिलीवरी व सप्लाई कराता है।

मादक पदार्थों की डिलीवरी व सप्लाई के लिए इस गैंग ने अपने स्वयं के राइडर रखे हुए थे। सागर भट्ट व निशांत मादक पदार्थों की डिलीवरी व सप्लाई के लिए राइडर का भी काम करते थे। ये लोग मादक पदार्थों की सप्लाई के लिए पोर्टर एप्प का भी प्रयोग करते थे। चेतन एमिटी यूनिवर्सिटी का होटल मैनेजमेंट कोर्स का चतुर्थ वर्ष का छात्र है। ये विदेशी ड्रग्स ओजी व चरस खरीदकर एमिटी यूनिवर्सिटी व अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को मादक पदार्थ बेचता था।

पुलिस की नजर में आने से बचने के लिए गांजा, चरस, ओ.जी. एवं अन्य मादक पदार्थों को फ्लिपकार्ट, अमेजन, मिसो जैसी कंपनियों की रैपर पैकिंग में छोटे-छोटे पार्सल के रूप में बेचते थे। सागर मूलत: नेपाल का रहने वाला है और इसने दिल्ली यूनिवर्सिटी से बी.कॉम की पढाई की है। सचिन मूलत: मैनपुरी व हर्ष मूलत: बिहार का रहने वाला है जिन्होंने आईटीआई संबंधित टेक्निकल कोर्स की पढाई की है।

किराए पर कमरा लेकर की जाती थी पैकिंग

इन लोगों ने एक अलग कमरा किराए पर लिया था। वहां पर मादक पदार्थों को फिल्प कार्ट, अमेजॉन, मीशो जैसी कंपनियों की रैपर पैकिंग में पैक किया जाता था। जिस कमरे को पुलिस द्वारा सील किया गया है। पूछताछ पर मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले एक अन्य व्यक्ति अनित सोम का नाम भी सामने आया। चिन्टू व अनित सोम फरार है इनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

नोएडा को मिला वाटर प्लस सर्टिफिकेट

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। स्वच्छता सर्वेक्षण मामले में पहली बार एक पायदान ऊपर चढ़ते हुए नोएडा ने वाटर प्लस सर्टिफिकेट पाया है। इसके अलावा पिछले साल की तरफ इस बार भी गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग पाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की फाइनल रैंकिंग 11 जनवरी को घोषित की जाएगी। उसी समय दोनों सर्टिफिकेट भी नोएडा प्राधिकरण को दिए जाएंगे।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को अपने पोर्टल पर स्वच्छता को लेकर शहरों को दिए सर्टिफिकेट की जानकारी अपलोड कर दी गई। इसके तहत नोएडा ने ऊंची छलांग लगाई है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक वाटर प्लस सर्टिफिकेट पाने के लिए तीन-चार साल से प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन अब जाकर सफलता हाथ लगी है। यूपी में इन मानक पर नोएडा नंबर-1 की श्रेणी में शामिल हो गया है। अभी तक ओडीएफ प्लस प्लस का सर्टिफिकेट नोएडा के पास था। वाटर प्लस इससे एक ऊपर पायदान की श्रेणी होती है। शौचालय और सीवेज लाइन का नेटवर्क जोड़ने की वजह से वाटर प्लस नोएडा को मिला है। गारबेज फ्री सिटी का पुरस्कार लोगों के घरों से कूड़ा लेना, उसको पृथक-पृथक करना और उसका निस्तारण करने की

■ गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग, 11 जनवरी को जारी होगा फाइनल रिजल्ट

वजह से मिला है।

दूसरी ओर नोएडा को राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा जाएगा। गारबेज फ्री सिटी की फाइव स्टार रैंकिंग पिछले बार भी नोएडा के पास थी। गौरतलब है कि पिछले साल जारी स्वच्छता रैंकिंग में 10 लाख की आबादी में यूपी में पहला और देश में 11 स्थान मिला था। अब 11 जनवरी को फाइनल रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उम्मीद है कि इस बार देश के टॉप 10 शहर में नोएडा को स्थान मिलेगा। बता दे नोएडा 3 से 10 लाख तक की जनसंख्या की श्रेणी में प्रतिभाग करता आया है। इस क्रम में सन 2018 में नोएडा की रैंक 324 रही 2019 में 150 और प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। 2019 में नोएडा को गारबेज फ्री सिटी कैटेगरी में 3 स्टार रैंकिंग ओपन डिफेक्शन फ्री सिटी कैटेगरी में ओडीएफ प्लस प्लस मिला। 2020 में 25वीं रैंक और 2021 में 4 रैंक हासिल की।

क्लीनेस्ट मीडियम सिटी और 5 स्टॉर गरबेज फ्री सिटी के साथ लगातार प्रोसेसिंग क्षमता को बढ़ा रहा है। यही वजह है 2022 में 5वीं रैंक के साथ बेस्ट सेल्फ ससटेनिबिलिटी सिटी चयनित किया गया । 2023 का परिणाम 11 जनवरी को आएगा। यही नहीं नोएडा में एकीकृत कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया गया। वहां 5 हजार स्वच्छता कर्मियों के चेहरे की पहचान की जाती है। शहर में मैकेनिकल स्वीपिंग सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यहां त्रिपल आर के जरिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। यहां नालों में बांबू स्क्रीन और एमएस बार स्क्रीन का प्रयोग किया जा रहा है। ताकि फ्लोटिंग मटेरियल बाहर निकालकर निस्तारण किया जा सके।

तीन दिन की रेड में मिले 2.70 करोड़ कैश

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। कामर्शियल स्पेस बेचने के नाम पर नोएडा में चार बिल्डर (भूटानी इंफ्रा, ग्रुप 108, एड्वेंट, लाजिक्स) समेत दो ब्रोकर कंपनी की ओर से नकद लेनदेन के जरिये बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी का खेल खेला जा रहा है। अब तक करीब 100 करोड़ रुपए के टैक्स चोरी के दस्तावेज सामने आए है। इसके अलावा बहुत से पर्चियां और कच्चे बिल व दस्तावेज मिले है। जिनको लेकर पूछताछ की जा रही है। शनिवार को भी करीब 70 लाख रुपए कैश मिला। ऐसे में अब तक करीब 2.70 करोड़ रुपए कैश मिल चुका है। इनकम टैक्स ने गुरुवार को नोएडा, दिल्ली, फरीदाबाद में 37 ठिकानों पर सर्च शुरू की गई थी, जो शनिवार को अब घटकर 34 स्थानों पर पहुंच चुकी है। इसमें नोएडा की तीन लोकेशन पर सर्च पूरी हो गई है। अब बिल्डरों के एग्रीमेंट और सेल परचेज के मिले दस्तावेजों के आधार पर पूछताछ की जा रही है। दस्तावेजों से स्पष्ट होता जा रहा है कि लॉजिक्स ग्रुप कमर्शियल स्पेस को बड़े पैमाने पर बेचने का ठेका भूटानी ग्रुप की ओर से लिया गया है, जिसमें सभी की हिस्सेदारी तय है। इस सर्च में आयकर विभाग के 400 से ज्यादा कर्मी और अधिकारी लगे है। पूरा खेल लॉजिक्स ग्रुप के कई कमर्शियल भूखंड को बनाकर कमर्शियल स्पेस बेचने को लेकर बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है, जिसमें भूटानी ग्रुप के पुराने हिस्सेदार आइथम एवं कोरंथम के मालिक संदीप साहनी भी सम्मिलित है, जिसका भूटानी ग्रुप से आंतरिक अनुबंध किया, जिसके तहत भूटानी ने इस स्पेस को बेचना शुरू किया। यहां अधिकांश पैसा ब्लैक में खपाया गया। लगभग एक प्लाट को बेचने में 40 प्रतिशत तक की धनराशि नकद में ली गई। जिसका न कोई पक्के दस्तावेज होते है और न ही कोई लीगल डाक्यूमेंट।

चौथे दिन भी सर्च जारी, करीब 100 करोड़ के टैक्स चोरी के मिले दस्तावेज

चारों बिल्डरों ने कई सौ करोड़ रुपए की टैक्स में हेराफेरी की। दरअसल भूटानी इंफ्रा किसी भी ब्रोकर के जरिए कोई भी कमर्शियल स्पेस बेचता है तो ब्रोकर को काफी बड़ा एमाउंट कमीशन के रूप में दिया जाता था। ये पूरा कमीशन कैश में दिया जाता है। जिसका कोई भी पक्का दस्तावेज नहीं होता। ऐसी कई पर्चिया और कच्चे दस्तावेज मिले है जिनमें ब्रोकर को दिए गए पैसों की जानकारी है। इनमें से दो ब्रोकर के यहां इनकम टैक्स की रेड जारी है।

दो वर्ष पहले आयकर विभाग ने कार्रवाई की योजना की थी तैयार, एक वर्ष से था मामला होल्ड फरवरी 2022 में आयकर विभाग को पहली बार टैक्स चोरी का इनपुट मिला। डेढ़ वर्ष पहले आयकर विभाग ने बिल्डरों पर सर्च की योजना तैयार की थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर सर्च को एक वर्ष तक रोके रखा गया। टैक्स चोरी के पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद दस्तावेजों को खंगालना काम शुरू किया। इसी दौरान पता चला कि भूटानी ग्रुप दो भागों में बंट गया। पहली भूटानी इंफ्रा और दूसरा ग्रुप 108 रहा। अब दोनों कंपनी के जरिये कमर्शियल स्पेस को बेचा जा रहा है।

2010 से 2023 तक की फाइलों को खंगाल रही एसआईटी

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा बांटने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आपत्ति के बाद प्रदेश सरकार ने एसआइटी का गठन किया था। जिसकी रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल खड़ा कर कहा कि सिर्फ दो प्रकरण में क्यों जांच की गई। दस से 12 वर्ष के प्रकरण को लेकर एसआईटी को जांच करने का आदेश दिया था। इस मामले में अब जांच तेज हो गई है। एसआईटी अब पिछले 13 सालों के रिकार्ड खंगालना शुरू कर दिया है। एसआईटी में 2010 से 2023 तक के मुआवजे, जमीन अधिग्रहण और अलॉटमेंट से संबंधित लखनऊ मंगवाई थी, जिसमें अधिकांश फाइलों की फोटो कॉपी कराकर वापस भेज दिया गया है। कई फाइलों में अनियमितता मिली है, जिनको वेरीफाई कराने के लिए अधिकारियों को लखनऊ बुलाया जा सकता है। जिन अधिकारियों के फाइलों पर साइन है उन पर भी शिकंजा कसा जाएगा। इसके लिए नोटिस जारी कर उन अधिकारियों को एसआईटी बुला सकती है। इस मामले में जल्द ही एसआइटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजेगी, जिसे

■ कई फाइलों की फोटोकॉपी करवाकर अपने पास रखा
■ अगले सप्ताह तक प्रस्तुत कर सकते है फाइनल रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किया जा सकता है।

ठीक एक महीने पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसआईटी ने अपनी जांच शुरू की। पहले दिन बैठक की गई और कई फाइलों को खंगाला गया। इसके बाद लगातार फाइलों को मंगवाने का सिलसिला शुरू हुआ। एक हजार से ज्यादा फाइलों को इस मामले में खंगाला जा चुका है। जिसमें बड़ी अनियमितता सामने आने के स्पष्ट संकेत मिले। इस टीम में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन हेमंत राव, एडीजी मेरठ राजीव सभरवाल और मेरठ मंडल की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे शामिल है। बताया गया कि फाइलों के आधार पर ये अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहे है। जो अगले सप्ताह तक शासन को प्रस्तुत की जाएगी।

2015 में रखी गई घोटाले की नींव, 2010 की फाइल जा रही खंगाली

दरअसल, पूर्व के शासन के काल में अतिरिक्त मुआवजे का खेल किया गया। करीब 100 करोड़ अतिरिक्त मुआवजा प्राधिकरण अधिकारियों ने किसानों के साथ मिलकर बांटा और आर्थिक लाभ कमाया। ये मामला 2015 के आसपास का है। जांच का दायरा अब बड़ा हो गया है। यानी 2010 ये लेकर 2023 तक की सभी फाइलों को एसआईटी की टीम खंगाल रही है। जिसमें मुआवजे से लेकर जमीन अधिग्रहण तक के कई मामले सामने आए है।

लखनऊ बुलाया जाएगा

जिन अधिकारियों की इन प्रकरणों में संलिपत्ता है उनको लखनऊ पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। ऐसे अधिकारियों को पहले नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

जरूरतमंद और गरीबों के बीच कंबलों का किया वितरण

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा के अलग-अलग इलाकों में शनिवार को युवा समाजसेवियों की ओर से असहाय व जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया. इस दौरान समाजसेवी राहुल शर्मा और राहुल चौहान, अनूप राय ने बताया कि ठिठुरन भरी ठंड को देखते हुए खुले आसमान के नीचे जीवनयापन करने को मजबूर लोगों को शुक्रवार रात निठारी, गिझौड, सेक्टर 104 में कंबल वितरण किये। शनिवार को सेक्टर 42 स्थित शनि मंदिर पर गरीबों को कंबलों का वितरण किया गया। कड़ाके की ठंड में असहायों की सेवा ही मानवता की सेवा है। कंबल वितरण करने पहुंचे पत्रकार नितिन शर्मा एडवोकेट ओंकार शर्मा ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसी को समझते हुए और लोगों की मदद के लिए हम सभी ने मिलकर एक हाथ बढ़ाया है। हम खुद को भाग्यवान समझते हैं कि हमें किसी की मदद करने का मौका मिला है। इस अवसर पर हम लोगों ने करीब 60 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किये हैं। इसके आगे भी जरूरतमंदों को किसी न किसी मद में मदद करने का प्रयास जारी रहेगा।

सार संक्षेप

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-24 पुलिस ने शुक्रवार को चेकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मुनील खान उर्फ मंजूर आलम निवासी रूपौली जिला पूर्निया बिहार के रूप में हुई। उसके पास से एक तमंचा और जिंदा कारतूस को बरामद हुआ। उसके खिलाफ पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं।

गैस एजेंसी चालक को पीट-पीट कर किया घायल

नोएडा। गंढ़ी चौखंडी के पास दबंगों ने सिलेंडर से भरी गाड़ी को गोदाम लेकर जा रहे गैस एजेंसी के चालक को पीटकर घायल कर दिया। इस मामले में पीड़ित के बेटे ने फेज-3 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मोहित शर्मा ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ब्रम्हपाल शर्मा चार जनवरी को सेक्टर-55 स्थित गैस एजेंसी की गाड़ी गढ़ी चौखंडी से होते हुए गोदाम लेकर जा रहे थे। इस दौरान एक कार में सवार होकर सामने से आ रहे चार लोगों ने उनके पिता को सामने से गाड़ी हटाने के लिए कहा। सड़क पर जगह नहीं होने के कारण उन्होंने गाड़ी नहीं हटाई। इस दौरान आरोपी कार से उतरकर ब्रम्हपाल से गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद आरोपियों ने उनके पिता से साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इस दौरान आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए और उनको बचाया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर कार में बैठकर भाग गए। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में विपिन यादव और आकाश यादव निवासी गढ़ी चौखंडी के साथ दो अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस को टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्लास्टिक मुक्त अभियान में न किया जाए किसी व्यापारी को परेशान, विनम्रता से चलाएं अभियान: महापौर

गाजियाबाद, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नगर निगम द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी बहुत आवश्यता है देश एवं शहर को प्लास्टिक मुक्त नही किया गया तो हमारी आने वाली पीढ़ी इस प्लास्टिक के कहर से बच नही पायेगी। प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सरकार बहुत सराहनीय कार्य कर रही है जिसमे शहरवासियों को भी भरपूर सहयोग देना चाहिए। यह अभियान प्रदेश के सभी नगर निकाय कर रहे है जिसमे गाजियाबाद नगर निगम सभी जोनों में यह कार्य कर रहा है लेकिन इस अभी को चलाते समय किसी व्यापारी को परेशान न किया जाए विन्रमता के साथ अभियान चलाया जाए, हाल ही में ज्ञात हुआ है कि निगम अधिकारी जबरन दुकान में घुसकर सामान उठक पटक कर कार्यवाही कर रहे है व्यापारी के द्वारा विरोध करने पर जबरन कार्यवाही की जा रही है यह बहुत गलत है यह किसी भी हालत में बर्दाश्त नही किया जाएगा, अगर इस तरह कार्य किया जाएगा तो ठीक नही होगा,इससे नगर निगम की छवि धूमिल होगी और शहर का माहौल खराब होगा। प्लास्टिक से मुक्ति सभी चाहते है लेकिन नगर निगम विनम्रता से कार्यवाही करेगा तो शहर और व्यापारी कार्यवाही का सहयोग करेंगे और महापौर ने व्यापारियों से अपील भी की है विनम्रता के साथ व्यापारी नगर निगम का सहयोग करे और हम सब मिलकर प्लास्टिक मुक्त देश बनाए।

मंत्री ने कचरा पृथक्करण को लेकर की निगम व नगर आयुक्त की तारीफ

गाजियाबाद, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नगर निगम द्वारा लगातार शहर की स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में कचरा निस्तारण की कार्यवाही को बढ़ाते हुए कचरा पृथक्करण पर जोर दिया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में पांचो जोनो में वृहद स्तर पर अभियान चल रहा है जिसमें घर-घर जाकर गीला कचरा अलग तथा सूखा कचरा अलग रखने की अपील की जा रही है। जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम की टीम अलग-अलग दो डस्टबिन घर में रखने की अपील कर रही है इसी क्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा में भी कचरा पृथक्करण के लिए जागरूकता का कैंप लगाया गया जिस पर हजारों की संख्या में क्षेत्र वासियों ने विजिट किया, अतिथि के रूप में पधारे केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने भी निगम की कार्यशैली को सरहाया।

गाजियाबाद नगर निगम कचरा पृथक्करण मुहिम को लेकर वृहद स्तर पर कार्य कर रही है जिसमें हर वार्ड में कूड़ा गाड़ी के साथ एचएमएस की टीम रहती है जिसके द्वारा घर के कचरे को अलग-अलग करके देने की अपील की जा रही है आरडब्ल्यूए पदाधिकारी व सामाजिक संस्थाएं भी गाजियाबाद नगर निगम का सहयोग कर रही हैद्य गाजियाबाद

■ नीला, हरा, काला व पीला रंग के डस्टबिन की जानकारी घर-घर तक पहुंचा रहा है निगम: नगर आयुक्त

शहर के कई क्षेत्रीय निवासी अपने-अपने घरों में दो डस्टबिन रख रहे हैं जिसमें सुख कूड़ा तथा गीला कूड़ा अलग-अलग कर निगम को सौंपते हैं।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश ने बताया कि शहर में कचरा पृथक्करण की कार्यवाही चल रही है जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों के माध्यम से भी जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जो की सराहनीय है पार्षदों का भी विशेष योगदान शहर को मिल रहा है, नगर आयुक्त द्वारा स्वास्थ्य विभाग को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए कचरा पृथक्करण को तेजी से और अधिक बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, विकसित भारत संकल्प यात्रा में लग रहे कैंप के दौरान जन-जन को नीला सुखे कूड़े के लिए, हरा गिले कूड़े के लिए, काला घरेलू हानिकारक कूड़े के लिए व पीले सेनेटरी वेस्ट डस्टबिन के बारे में जानकारी दी जा रही है।

भारी विरोध के साथ चला प्लास्टिक मुक्त अभियान, प्लास्टिक मुक्त बनाना है: नगर आयुक्त

गाजियाबाद। नगर निगम शहर से सिंगल यूज़ प्लास्टिक का बहिष्कार करने में लगा हुआ है जिसके क्रम में लगातार निगम की टीम अभियान चला रही है वहीं कुछ दुकानदार कार्यवाही में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं गाजियाबाद नगर निगम द्वारा अपील की गई है कि वह शहर हित में सहयोग करें शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार अलग-अलग जोन में कार्यवाही चल रही है विजयनगर तथा कवि नगर जोन अंतर्गत कार्यवाही चली जिसमें दुकानदारों पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक मिलने पर जुर्माना भी वसूला गया कवि नगर अंतर्गत 31000 का जुर्माना तथा विजयनगर अंतर्गत 20600 का जुर्माना वसूलाया गया दोनों स्थानों को मिलाकर चार क्विंटल 6 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त की गई, कवि नगर जोन अंतर्गत सी ब्लॉक मार्केट एरिया तथा विजयनगर जोन अंतर्गत सेक्टर 9 मार्केट एरिया में अभियान चलाया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में प्लास्टिक मुक्त अभियान जोरों से चल रहा है नगर आयुक्त द्वारा शहर वासियों का प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही में आवाहन किया गया है, सामाजिक तथा धार्मिक व अन्य किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का प्रयोग ना करें इसके लिए अपील भी की गई है नगर आयुक्त नेव्यापारी वर्ग को भी निगम का सहयोग करने के लिए अपील की गई है, करनल दीपक शरण तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम जोनल प्रभारी की टीम वृहद स्तर पर अभियान चलाते हुए शहर को प्रतिबंधित प्लास्टिक से मुक्त करने में कार्यवाही कर रही है।

अब फिल्म शूटिंग के लिए किराए पर मिलेगी नमो भारत ट्रेन

गाजियाबाद, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नमो भारत रैपिडएक्स ट्रेन अब किराए पर भी मिलेगी। फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि के लिए किराए पर ट्रेन की बुकिंग मात्र दो से तीन लाख रुपए में की जा सकेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने इसके लिए नीति तैयार कर ली है। इस नीति के तहत आरआरटीएस स्टेशन और नमो-भारत ट्रेनें अब फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि के लिए किराए पर उपलब्ध हैं। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि ओटीटी प्लेटफार्मों और डिजिटल परिदृश्य के प्रसार के साथ, फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री और वेब सीरीज़ के फिल्मांकन की पृष्ठभूमि के रूप में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों, विशेष रूप से मेट्रो रेल प्रणालियों के उपयोग में वृद्धि हुई है। आधुनिक शूटिंग स्थानों की तलाश करने वाले फिल्म निर्माताओं के लिए एनसीआरटीसी का यह निर्णय एक आकर्षक अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि आरआरटीएस स्टेशनों का बाहरी आवरण मोर पंख के जीवंत रंगों से प्रेरणा लेते हुए आकर्षक

■ एनसीआरटीसी ने आरआरटीएस स्टेशनों और नमो भारत ट्रेनों में फिल्म और डॉक्यूमेंट्री शूटिंग के लिए बनाई नीति

नीले और बेज रंग से तैयार किया गया है। ये स्टेशन प्राकृतिक रोशनी से भरपूर, अच्छी तरह से प्रकाशित और हवादार स्थान प्रदान करते हैं। यहां स्टेशनों की सुंदरता को और बढ़ाते हुए बेज रंग के छिद्रित पैनल सुचारू वायु प्रवाह बनाए रखने साथ ही मनमोहक आकर्षण भी पैदा करते हैं।

नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं से साथ ही अपनी अनोखी लुक के लिए भी पहचानी जा रही हैं, जिनका एयरो-डायनामिक प्रोफाइल इनकी लुक को शानदार और मनमोहक बनाता है। एयरो-डायनामिक प्रोफाइल की मदद से ये ट्रेनें उच्च गति पर हवा के खिंचाव को आसानी से कम करने में सक्षम हैं। इन ट्रेनों में विस्तृत गैंगवे और टिंटेड पैनोरमिक खिड़कियों समेत अन्य विशस्तरीय सुविधाएं हैं, जो इनमें निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं। आरआरटीएस परिसर को शूटिंग के अलावा अन्य आयोजन उद्देश्यों के लिए भी किराए पर लिया जा सकता है। यदि रात के समय (गैर-राजस्व घंटे) के दौरान नमो भारत ट्रेनों की आवश्यकता है तो कार्यक्रमों की बुकिंग पर भी विचार किया जा सकता है। वाणिज्यिक प्रायोजनों के लिए एनसीआरटीसी के परिसर एवं ट्रेनें प्रति निर्धारित घंटे के आधार पर किराये पर लेने हेतु अनुसूची और बुकिंग शुल्क इस प्रकार होगा : -

'कॉरिडोर'	'कॉरिडोर डीटेल्स' (आईएनआर)	'एरिया ऑफ बुकिंग' (?)/घंटा
'बुकिंग रेट'		
दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ		सभी आरआरटीएस स्टेशन
नमो भारत ट्रेन के अंदर		2,00,000/-
आरआरटीएस स्टेशन में		2,00,000/-
नमो भारत ट्रेन और स्टेशन दोनों जगह		3,00,000/-
डिपो / साइट्स		2,5 0,000/-

हमदर्द नेशनल फाउन्डेशन इण्डिया द्वारा जरुरतमंदों को बांटे गए 700 कम्बल

गाजियाबाद, 6 जनवरी (देशबन्धु)। हमदर्द नेशनल फाउन्डेशन (इण्डिया) नई दिल्ली के चेरयमैन अब्दुल मजीद ने सात सौ कम्बल गरीब, बेसहारा, कमजोर एवं जरुरतमंद लोगों को आल इण्डिया मैन्यूफैक्चरर्स आरगनाईजेशन, मेरठ रोड इण्डस्ट्रियल एरिया के हाल में वितरित किये गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडीएम सिटी गम्भीर सिंह व क्षेत्रीय अधिकारी, आर्युवेदिक एवं यूनानी सेवा अशोक कुमार राना उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित गम्भीर सिंह ने कहा कि वह अपने बच्चों को खूब पढ़ायें एवं अच्छी शिक्षा देने का प्रयास करें, इसके लिए उन्हें जितनी मेहनत करनी पड़े करें। अच्छी शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य बेहतर होगा एवं वह अच्छे नागरिक बनकर देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। अशोक कुमार राना ने कहा कि आप सब को अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान बहुत ध्यान देना है। पढ़ाई बहुत बडा हथियार है। राना ने उपस्थित लोगों से अपने स्वास्थ्य के बारे में सचेत रहने को कहा। इस अवसर पर उपस्थित फाउन्डेशन के पदाधिकारी शमशाद अली, संतोष कुमार जोशी एवं इनाम अली ने अतिथियों का स्वागत किया।

शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य बेहतर होगा: गम्भीर सिंह

कैपिटल ज़ोन

उवाच

आयुष्मान एवं उज्जवला से गरीबों के घर में एक खुशहाली आई है पहले गांव में लोग कर्जा लेकर इलाज कराते थे, लेकिन अब आयुष्मान कार्ड की योजना से 5 लाख तक का फ्री इलाज हो रहा है पहले माता बहनों की आंखें खराब हो जाती थी:
सुरेंद्र नागर, राज्यसभा सांसद

जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 182 शिकायतें दर्ज हुई, 10 का हुआ निस्तारण

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। जिले की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमे में कुल 182 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 10 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही कर दिया। जिलाधिकारी मनीश कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बलराम सिंह ने दादरी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की। दादरी तहसील संपूर्ण समाधान में कुल 104 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 6 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही किया गया। इस अवसर पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण, उपजिलाधिकारी आलोक गुप्ता, जिला विकास अधिकारी सुधा कुमारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहे। इसी प्रकार जेवर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। यहां पर जनता के द्वारा कुल 67 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 04 शिकायतों का निस्तारण अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही कराया गया। सदर तहसील में उप जिलाधिकारी अंकित कुमार की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 11 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई।

किसानों दस फीसदी आबादी भूखंड को लेकर आईडीसी मनोज कुमार सिंह से मिले

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। किसान सभा जिला कमेटी के पदाधिकारी की आईडीसी मनोज कुमार सिंह और प्राधिकरण सीईओ रवि कुमार एनजी की उपस्थिति में 10 फीसदी भूखंड के मुद्दे सहित अन्य मुद्दों पर शनिवार वार्ता हुई। आईडीसी शनिवार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर बिल्डर्स बायर्स मुददे को लेकर बैठक करने पहुंचे थे। किसान सभा की जिला कमेटी के सदस्य ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की चौथी मंजिल पर अध्यक्ष कार्यालय में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह से मिले उन्हें किसान सभा ने ज्ञापन सौपा एवं विस्तार से मुद्दों के बारे में बताया। किसान सभा ने 10 फीसदी आबादी भूखंड दिए जाने के बावत हुए आंदोलन के परिणाम स्वरूप बोर्ड बैठक से 26 दिसम्बर को पास प्रस्ताव को शासन से अनुमोदित करने की मांग की।

■ आईडीसी ने किसानों को दिया आश्वासन, जल्द शासन स्तर पर उनकी मांग होगी पूरी

मांग की साथ ही एसआईटी जांच के संबंध में आबादी के रद्द किए गए 233 प्रकरणों में पत्र जारी करने, शिफ्टिंग के बारे में पत्र जारी करने एवं बादलपुर के 208 प्रकरणों में पत्र जारी करने की मांग की प्राधिकरण अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने आशासन दिया कि तीनों पत्र जल्दी ही जारी कर दिए जाएंगे। जहां तक 10 फीसदी आबादी प्लाट और प्रोजेक्ट प्रभावित परिवार के मुद्दे को शासन स्तर से अनुमोदित करने की प्रोजेक्ट से प्रभावित परिवार के मुद्दे का सवाल है उसके संबंध में शासन स्तर से वार्ता कर विधिक राय लेकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी किसान सभा के पदाधिकारी ने सर्किल रेट के चार गुना मुआवजा तय करने की भी मांग की उसे पर भी उन्होंने सकारात्मक कार्रवाई करने का आशासन दिया।

वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि यदि जल्दी ही शासन से कार्रवाई नहीं हुई तो 22 तारीख से किसान सभा 10 फीसदी आबादी प्लांट के मुद्दे को लेकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। वार्ता में किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर जिला अध्यक्ष, डॉक्टर रुपेश वर्मा महासचिव, जगबीर नंबरदार सचिव, बिजेंद्र नागर, निशांत रावल, अजब सिंह नेता, सुरेंद्र भाटी उपाध्यक्ष, यतेंद्र मैनेजर, प्रशांत भाटी, सुशांत भाटी, अशोक भाटी, सुरेंद्र पंडित, निरंकार प्रधान, गुरप्रीत एडवोकेट मौजूद रहे।

विक्रम चौहान की हत्या मामले में पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र स्थित कोंडली गांव के किसान विक्रम चौहान की हत्या के मामले में पुलिस ने सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है। अवैध संबंध की शक में हत्या की आशंका जताई जा रही है। हमलावरों ने किसान पर चाकू से 16 वार किए थे। पुलिस ने जल्द हत्याकांड का खुलासा करने का दावा किया है। कोंडली गांव के किसान विक्रम चौहान की शुक्रवार की शाम खेत में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के मामले में विक्रम के भाई रविंद्र की तहरीर पर पुलिस ने कोंडली गांव के रहने वाले बिजेंद्र, अनिल, बंटा, सुल्ला, अमित, राजकुमार, मोहित भाटी, जानेंद्र भाटी, रोनक भाटी, कन्हया व जित्ते के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में अवैध संबंध में हत्या की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी की पत्नी से मृतक के अवैध संबंध थे। जिसके चलते आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मृतक को खेत पर ले जाकर पहले उसके साथ पार्टी की और फिर चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी। हमलावरों ने चाकू से 16 वार कर उसे मौत के घाट उतारा था। इसके बाद वह फरार हुए। पुलिस का दावा है कि हत्याकांड का जल्द खुलासा किया जाएगा। हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

■ हमलावरों ने किसान पर चाकू से 16 वार किए, पुलिस ने किया जल्द खुलासा करने का दावा

47 बिल्डर के साथ सात घंटे चली बैठक

नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। प्राधिकरण के चेयरमैन ने शनिवार को 47 परियोजनाओं के बिल्डरों के साथ करीब सात घंटे तक बैठक की। एक.एक बिल्डर को बकाए की जानकारी देते हुए शासनादेश के फायदों के बारे में भी बताया। अब इन बिल्डरों को सोमवार/मंगलवार तक नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के समक्ष लिखित सहमति देनी होगी।

औद्योगिक विकास आयुकत एवं नोएडा, ग्रेनो प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज सिंह ने शनिवार को बिल्डरों के साथ मैराथन बैठक की। यह बैठक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में हुई। बैठक में नोएडा की 57 में से करीब 47 परियोजनाओं से जुड़े बिल्डर पहुंचे। सुबह 11 से पौने बारह बजे तक चेयरमैन मनोज सिंह व सीईओ डॉ लोकेश एम ने सभी बिल्डरों के साथ संयुक्त रूप से बैठक की। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे से एक-एक बिल्डर के साथ बैठक का सिलसिला शुरु हुआ। शाम करीब पौने छह बजे तक चली बैठक में एक-एक बिल्डर को अकेले रूप में बुलाया गया। चेयरमैन ने उनको 42 बिंदुओं पर तैयार रिपोर्ट का प्रारूप सौंपा। इसके बाद फ्लैट खरीदारों की सहूलियत के लिए शासन की ओर से तैयार किए गए पैकेज के फायदे बताए। बिल्डरों को बताया गया कि दो साल का जीरो पीरियड का लाभ मिलने से उनका 24 प्रतिशत तक बकाया कम हो जाएगा। आगे से कार्रवाई से बचने के लिए बिल्डरों को और कई तरह के फायदों से अवगत कराया गया। अधिकारियों की मानें तो अधिकांश बिल्डरों ने मौखिक रूप से चेयरमैन के समक्ष शासनादेश का पालन करने को लेकर सहमति दे दी है। अब इन बिल्डरों को 42 बिंदुओं पर तैयार किए प्रारूप पर हस्ताक्षर कर सोमवार/मंगलवार तक सीईओ के समक्ष सहमति देनी होगी। इसके बाद उनको 60 दिन के अंदर कुल बकाए में से 25 प्रतिशत राशि प्राधिकरण में जमा करनी होगी। इसके बाद एक से अधिकतम तीन साल में बाकी बकाया राशि देनी होगी।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए 14 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। भीषण ठंड और कोहरे को देखते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा में नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। इसके आदेश जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने दिए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने बताया कि घने कोहरे और अत्यधिक ठंड के कारण गौतमबुद्धनगर में संचालित समस्त बोर्ड से मान्यता प्राप्त आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी से हाल-फिलहाल मुक्ति मिलने के आसार नहीं लग रहे हैं। एनसीआर और आसपास के इलाकों में कड़ाके की ठंड अभी जारी रहेगी। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड की स्थिति जारी रहेगी।

सीटू नेता पर हमले के विरोध में मजदूर किसानों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। सूरजपुर उद्योग विहार मानीताऊ कंपनी पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे मजदूरों पर कंपनी के गुंडो ने 4 जनवरी को हमला किया था। हमले में मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा घायल हो गए थे। हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर अखिल भारतीय किसान सभा, मजदूर सभा समेत कई संगठनों ने रविवार को जुलूस निकाल कर सूरजपुर स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आरोप लगाया कि हमले वाले दिन ही पुलिस को हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट लिखकर दी गई थी जिसमें वहां मौजूद पुलिस के दरोगा और पुलिसकर्मी जो हमलावरों की मदद कर रहे थे उन पर भी आरोप लगाए गए थे और उनके सस्पेंशन और जांच की मांग की गई थी परंतु प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लेने से किसानों और मजदूरों में आक्रोश फैल गया जिसके परिणाम में शनिवार हजारों की संख्या में अखिल भारतीय किसान सभा अन्य मजदूर संगठन महिला समिति भारतीय किसान परिषद किसान यूनियन भानू असल बिल्डर के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा सीटू के राष्ट्रीय सचिव उमेश दिल्ली एनसीआर के सचिव अनुराग सक्सैना भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के दिल्ली राज्य कमेटी के सचिव कामरेड केएम तिवारी समाजवादी पार्टी के राजकुमार भाटी और बड़ी संख्या में किसान सभा के महिला पुरुष किसान आज प्रदर्शन में शामिल हुए। मानीताऊ कंपनी से हजारों की संख्या में जुलूस शुरू होकर जबरदस्त नारेबाजी करते हुए कमिश्नर ऑफिस सूरजपुर पहुंचा वहां पर एडीसीपी कठेरिया ने प्रदर्शन कारियों के पास पहुंचकर समस्या को सुना और आश्वासन दिया कि दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध प्राथमिक जांच पूरी कर सस्पेंशन की अग्रिम कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित के बयान दर्ज कर अपराधियों के विरुद्ध धाराओं में वृद्धि की जाएगी और धाराओं में वृद्धि के आधार पर आगे गुंडा एक्ट अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जो भी उचित होगा उसको अमल में लाया जाएगा जिससे कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले गुंडागर्दी करने वाले और उनके साथ-सांठ गांठ करने वाले आगे से ऐसी हरकत ना करें।

■ जुलूस निकालकर पुलिस कमिश्नर ऑफिस सूरजपुर पर जबरदस्त नारेबाजी करते हुए किया प्रदर्शन

शारदा यूनिवर्सिटी की निर्माणाधीन बिल्डिंग की स्कैफोल्डिंग गिरी, एक मजदूर की मौत, एक घायल

■ घायल मजदूर की हालत गंभीर बनी, निर्माण में लापरवाही आई सामने ■ मलवे के नीचे दबे मजदूरों को बचाने के लिए पांच घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। शारदा यूनिवर्सिटी की निर्माणाधीन बिल्डिंग में शनिवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां स्कैफोल्डिंग गिरने से नीचे दबकर एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक मजदूर घायल हुआ है। जिसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। इस घटना के बाद पुलिस और फायर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब पांच घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन गनीमत रही कि कोई मजदूर दबा हुआ नहीं मिला।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि शारदा यूनिवर्सिटी में कैंसर बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार की सुबह 11: 25 पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में स्कैफोल्डिंग गिर गई। इस दौरान दो मजदूर इसमें नीचे दब गए। हादसे

के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। साथी मजदूरों ने किसी तरह नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एक मजदूर अब्दुल जब्बार खां को मृत घोषित कर दिया। मृतक अब्दुल जब्बार खां हरियाणा फरीदाबाद की फ्रेंड्स कॉलोनी का रहने वाला था। जबकि हादसे में मोहम्मद शमशाद निवासी इतरी कटिया जिला सुपौल बिहार घायल हुआ है। मोहम्मद शमशाद का अस्पताल में इलाज चल रहा है। एडीसीपी ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले की छानबीन कर आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

पांच घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे की सूचना पर पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और फायर विभाग की टीम ने करीब पांच घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान छानबीन की गई की कोई अन्य मजदूर तो पाइपों के नीचे नहीं दबा है। लेकिन गनीमत रही की कोई मजदूर दबा हुआ नहीं मिला। जबकि घटना के समय काफी मजदूर वहां काम कर रहे थे।

निर्माण कंपनी पर लापरवाही का आरोप

साथी मजदूर की मौत को लेकर काम करने वाले मजदूरों ने कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। आरोप है कि कंपनी और ठेकेदार की लापरवाही की वजह से हादसा हुआ। सही ढंग से स्कैफोल्डिंग को नहीं लगाया गया था। जिसकी वजह से स्कैफोल्डिंग गिर गई और हादसा हुआ। इस मामले में यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा भी प्रकरण की जांच की जा रही है। जिसमें पता लगाया जाएगा कि किसकी लापरवाही की वजह से हादसा हुआ।

एकेटीयू की विषम सेमेस्टर परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 के विषम सेमेस्टर के रेगुलर एवं कैरीओवर विषयों की प्रथम चरण की परीक्षा के लिए संशोधित अंतिम रूप से परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गयी है। परीक्षा 9 जनवरी से 9 फरवरी तक प्रदेश भर में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए 44 जिलों में 124 केंद्र बनाये गये हैं। वहीं लखनऊ में 14 सेंटर पर परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। ग्रेटर नोएडा में डेढ़ दर्जन से अधिक कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। इस बार परीक्षा में सवा लाख से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा की सुचिता बनाये रखने के लिए हर केंद्र पर दो ऑब्जर्वर की तैनात किये गये हैं। माननीय कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन में परीक्षा पर विश्वविद्यालय से भी नजर रखी जाएगी।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

स्क्रैप माफिया रवि काना की 70 करोड़ रूपए की संपत्ति सील

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। स्क्रैप माफिया रविंद्र नागर उर्फ़ रवि काना के खिलाफपुलिस की कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। पुलिस ने शनिवार को स्क्रैप माफिया की करीब 70 करोड़ की संपत्ति सील की है। माफिया ने यह जमीन शहदरा गांव में खरीदी थी, जिसपर दुकानों का निर्माण करवाया जा रहा था। पुलिस अब तक स्क्रैप माफिया के करीब ढाई सौ करोड़ की संपत्ति सील कर चुकी है। पुलिस ने करीब 100 करोड़ की संपत्ति और चिन्हित की है। जिसपर जल्द कार्रवाई होगी।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी साद मियां खान ने बताया कि स्क्रैप माफिया रवि काना के खिलाफ पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह की टीम ने शनिवार को माफिया के शहदरा गांव स्थित

■ माफियार ने नोएडा के शहदरा गांव में जमीन खरीद कर किया था दुकान का निर्माण
■ स्क्रैप माफिया की अब तक करीब ढाई सौ करोड़ की संपत्ति हो चुकी है सील

ठिकाने पर छापेमारी की। पुलिस द्वारा यहां माफिया की करीब 4000 वर्ग मीटर जमीन को सील किया गया। इस जमीन पर दुकानों का निर्माण करवाया जा रहा था। पुलिस ने निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। इस जमीन की अनुमानित कीमत करीब 70 करोड रुपए बताई जा रही है। जमीन माफिया द्वारा कंपनी के नाम खरीदी गई थी। पुलिस द्वारा अब तक स्क्रैप माफिया रवि काना की करीब 250 करोड़ की संपत्ति को सील किया जा चुका है। पुलिस इसकी अभी अन्य संपत्ति को चिन्हित कर रही है, जिस पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

स्क्रैप माफिया की भाभी के घर से मिले अहम दस्तावेज

पुलिस टीम ने शुक्रवार को स्क्रैप माफिया रवि काना की भाभी बेवन नागर के सेक्टर गामा वन स्थित घर पर छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस ने पूरे घर की तलाशी ली। पुलिस को घर से कुछ अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं। जिनमें सरिया और स्क्रैप के काले कारोबार का रिकॉर्ड होने की संभावना है। पुलिस इन दस्तावेजों की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस को यहां से कुछ संपत्ति के भी दस्तावेज मिले हैं। जिनकी भी जानकारी के जा रही है।

स्क्रैप माफिया रवि काना गैंग का एक सदस्य और गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बीटा दो कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर ऐक्ट के मुकदमे में स्क्रैप माफिया रविंद्र नागर उर्फ़ रवि काना के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। नोएडा और ग्रेटर पुलिस गैंग में शामिल छह आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि सरगना और उसकी पत्नी समेत अन्य आरोपी भी फरार है। पुलिस की टीम लगातार उनकी तलाश में दबिश दे रही है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने रवि काना गैंग के दो सदस्य विक्की निवासी सलारपुर एनटीपीसी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी विक्की गैंग लीडर रवि काना के लिए अवैध स्क्रैप को ट्रकों से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का कार्य करता था। पुलिस द्वारा इससे गैंग की अन्य गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। उधर पुलिस की टीम लगातार सरगना की तलाश में जुटी है, लेकिन पुलिस को अभी तक उसका कोई पता नहीं चला है। पुलिस ने माफिया रवि काना 16 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। इनमें से अभी तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सरगना समेत अन्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के पात्र लाभार्थियों को किया प्रोत्साहित

ग्रेटर नोएडा, 6 जनवरी (देशबन्धु)। जेवर मंडल के जेवर खादर गांव एवं झुपा गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर एवं जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह एवं पीएमओ से आए संयुक्त सचिव भारत सरकार रोहित यादव, सीनियर आईएएस शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि आयुष्मान एवं उज्जवला से गरीबों के घर में एक खुशहाली आई है पहले गांव में लोग कर्जा लेकर इलाज कराते थे, लेकिन अब आयुष्मान कार्ड की योजना से 5 लाख तक का फ्री इलाज हो रहा है पहले माता बहनों की आंखें खराब हो जाती थी। चूल्हे पर खाना बनाने से अनेक प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो जाती थी, लेकिन उज्वला के माध्यम से उसको बीमारी ना लगे ऐसी उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस सिलेंडर हमारी मोदी सरकार ने गरीब लोगों को वितरित किये है विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान निधि विधवा पेंशन दिव्यांग पेंशन की बात हो हमारी सरकार कोई भेदभाव नहीं रखती है। किसान सम्मान निधि 159 उज्जवला 5 शोचालय 54 विधवा पेंशन 28 वृधा पेंशन 54 दिव्यांग पेंशन 8 मुफ्त राशन पत्र 413 आयुष्मान भारत 21 पशुपालन टीकाकरण 750 टीवी रोग लाभार्थी 8 बाल विकास महिला कल्याण गर्भवती 34 लाभार्थियों को बंतक वितरित किए गए इस अवसर पर एन आर एल एम पूजा पराशर बैंक सखी, तारा समूह सखी जेवर खादर ईश्वर सिंह अभियान जिला संयोजक रवि जिंदल प्रेमवीर चौधरी बीजेंद्र चौधरी मण्डल अध्यक्ष संजय रावत आदि सैकड़ों कार्यकर्ता एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

PUNE MUNICIPAL CORPORATION
[ENCROACHMENT DEPARTMENT]
On 12/01/2024 from 11:00 AM onwards on our website www.srauctioneers.co.in The following Scrap Material will be sold. Iron / Wooden / Stalls / Hand Cart / Cloths / Cuttlery / Plastic / Tyres / Tubes and other Material, Inspection at Kharadi/Yerwada-Sangamwadi And Magarpatta Godowns & LPG Gas Cylinders Inspection at All Encroachment Dept.Godowns and All 15 PMC Ward Offices. Note: 1] Inspection From-08/01/2024 to 11/01/2024 from 10:00 am to 4:00 Pm. 2] Handcarts & Stalls will be sold on only cutting condition. 3] For LPG Gas Cylinders Only Authorized GAS Distributor can participate in E-auction. Documents & Participation fee to be submitted at auctioneer's office by 11/01/2024 till 5 pm. documents & cash will not be accepted on the day of auction. For more details visit our website. Contact no. 8956132120

कहानी

आकारों के आसपास

■ कुँवर नारायण

इस कमरे की चार दीवारों से एक आन्तरिकता बनती है जिसमें सुरक्षा है और आत्मीय स्वतन्त्रता। चाहे बेसुध सोता रहूँ, कोई नहीं जगाएगा। चाहे संघर्ष करूँ–इन दीवारों से, या अपने से। हो सकता है कुछ टूटे, मुझमें या मुझसे = दोनों ही दशाओं में जो मिलेगा वह अपनी एक नई पहचान हो सकती है, या नया अवसर कि अपने को कहीं से शुरू करके कहीं भी समाप्त कर दूँ। इस तरह भी जी सकता हूँ कि बहुत-सी ऐसी चीज़ों को मुझे आज़माने का मौक़ा ही न मिले जिनसे मैं सहमत नहीं। अपने को धोखा दे सकता हूँ इस तरह कि बाहर कहीं ईश्वर की मृत्यु हो जाए...न सूरज चमके, न चाँद, न तारे...और यह जन्मसिद्ध दुनिया केवल झूठ लगे।

हवा शायद धीरे-धीरे किवाड़ खटखटाती है। उदासी में यह बाधा सुखद है। मैं उठकर दरवाजा खोल देता हूँ। 'मैं अन्दर आ सकती हूँ ?' और इसके पहले कि मैं कुछ कह सकूँ वह नि:सन्कोच कमरे में घुसकर अपने लायक जगह ढूँढ़ने लगती है, यहाँ, वहाँ, कहीं। बीच में मैं पड़ जाता हूँ तो कभी बाल विखेर देती, कभी चूम लेती, कभी गुदगुदाकर स्वयं हँस पड़ती। ढीठ और निर्लज्ज।

'अपनी उदासी से कहो थोड़ी जगह और दे तो उसको भी अन्दर बुला लूँ,' वह खिड़की की ओर इशारा करती है। एक चमकता हुआ हँसमुख चेहरा खिड़की के शीशे से झाँक रहा था। कोई शरारती बच्चा? नहीं, शायद थोड़ी-सी रोशनी ढेर-से अँधेरे में। कुछ उछलते हुए मैंने खिड़की भी खोल दी। वह कूदकर कमरे में आ गया, इतनी फुर्ती से मानों कमरे में ही था। कुछ सोचकर वह ठिठक गया। उसके आने से मैंने कोई उत्साह क्यों नहीं दिखाया? उसका आना कोई नई बात भले ही न रही हो, खुशी की बात तो थी ही। वह शायद कमरे की हर चीज़ से खेलना चाहता था और मेरी ओर से उस मौन अनुमति को चाह रहा था जिसे बच्चे अपना अधिकार समझते हैं। मुझे कुछ कहना नहीं था, केवल उसके लड़कपन के सामने अपने को उन्मुक्त छोड़ देना था। लेकिन, आज मुझसे इतना भी न हुआ और मैं जो उसकी ज़िद के आगे मजबूर हो जाया करता था, पत्थर बना बैठा रहा। मैंने उसे न दुत्कारा, न उसका स्वागत किया। केवल उस खुशी के प्रति जो वह लाया था इस तरह पेश आया मानों उसका कोई महत्त्व नहीं क्योंकि वह रोज़ की चीज़ है। वह रोशनी जो सारे कमरे में मचलने के लिए आतुर थी, ज़िद करने लगी। मैंने उठकर खिड़की बन्द कर दी और अनुभव किया कि मुझमें ही कुछ अपमानित हुआ। हवा ने शायद बुरा माना क्योंकि वह चुपचाप दरवाजे उढ़काकर बाहर चली गई। मैंने उस शान्ति को ग़नीमत समझा जो अकसर मेरे और दूसरों के बीच सम्भव हो जाया करती है।

'अपनी उदासी से कहो थोड़ी जगह और दे तो उसको भी अन्दर बुला लूँ,' वह खिड़की की ओर इशारा करती है। एक चमकता हुआ हँसमुख चेहरा खिड़की के शीशे से झाँक रहा था। कोई शरारती बच्चा ? नहीं, शायद थोड़ी-सी रोशनी ढेर-से अँधेरे में। कुछ उछलते हुए मैंने खिड़की भी खोल दी। वह कूदकर कमरे में आ गया, इतनी फुर्ती से मानों कमरे में ही था। कुछ सोचकर वह ठिठक गया।

और उसी रात एक अप्रत्याशित घटना घटी। पड़ोस में एक बच्चे की मृत्यु हो गई।

मेरी उदासी अजीब-सी व्यथा बन जाती है। वह कौन था ? वही तो नहीं जो यहाँ था ? मैं किस नाते उसे बार-बार सोच रहा हूँ? वह यहाँ था, बस, इसी नाते। ये तसवीरें जो बनाता हूँ-मात्र रेखाएँ और रंग-या वे स्वप्न जो बन जाते हैं, एक-दूसरे में घुले-मिले आकार, वह कहती, 'समझ में नहीं आते ।' मैं कहता, 'ये चित्र हवा और रोशनी के हैं-और उसी तरह हैं जैसे आत्मा होती है पर समझ में नहीं आती।' होने को मानना पड़ता है, समझने से पहले। यही तो उस बच्चे की ज़िद थी, जो न जाने क्यों आज मेरी उदासी का आदर कर गया...वह जो मेरे चित्रों को देखकर खुश होता था और उन्हें ग़ैरज़रूरी नहीं समझता था...

इन दीवारों में एक आश्वासन है क्योंकि ये मेरी अपेक्षा बदलतीं नहीं। हवा और रोशनी जिनके आते ही कमरा बदल जाता है, बाहर रखे जा सकते हैं। मैं अपने को कहीं और से आरम्भ कर ले सकता हूँ, इस तरह कि न प्यार करूँ, न शोक, न आशा। ज़िन्दगी के मानी हैं बहुत-सी चीज़ें, कोई एक चीज़ नहीं। और तभी ऐसा लगा कि कमरे की चीज़ों ने मिलकर मेरे सामने एक ऐसी ज़िन्दगी रखी जिसमें न अच्छाई थी, न बुराई, क्योंकि उसमें न ज़रूरतें थीं, न कर्तव्य। केवल एक ऐसा क्रम था जिसमें कहीं स्वयं को साबित करने की मजबूरी न थी।

बाहर हवा चीखती-चिल्लाती रही, जैसे उसका कोई मर गया हो।

ये रास्ते-कुरास्ते सरपट दौड़ती बचकानी ज़रूरतें जो अपने हाथ-पाँव तोड़कर बिलख रही हैं-क्यों मानूँ कि इस तरह नहीं जीना, नहीं जीना है? एक संघर्ष वह भी है जो अपनी ज़रूरतों से जीतने के लिए किया जाता है...।

लेकिन वह जो बाहर सिर पीट रही है, केवल हवा है : मेरी बात न समझेगी। लेकिन मैं उसके नाते कुछ इस तरह जीवित हूँ कि मुझे उसकी बात समझनी पड़ेगी...।

मैं चुपचाप उठकर किवाड़ खोलता हूँ और उस आदिम, जंगली तूफ़ान को सीने से चिपका लेता हूँ।

आनंद : लंबी नहीं बड़ी ज़िंदगी

■ अजय चन्द्रवंशी

मृत्यु अवश्यंभावी है, मगर मनुष्य की जिजीविषा भी अनंत है। जीवन से मोह, दुनिया से आसक्ति उसे कर्मरत रहने को प्रेरित करती है। यों अनासक्त कर्म की भी बात की जाती है, क्योंकि कई बार मोह जकड़न का काम करती है। इस तरह 'कर्म' आसक्ति और अनासक्ति के द्वंद्वात्मकता में निहित है।

सामान्यत: मृत्यु भयभीत करने वाली घटना है। क्योंकि इसके बाद कुछ भी नहीं! मृत्यु से पूर्व का भय 'अपने' लोगो के भविष्य को लेकर भी होता है, हालांकि उसे देखने के लिए व्यक्ति उपस्थित नहीं होता।जबकि मृतक से गहरे जुड़े व्यक्तियों का भय और दु:ख उसकी अनुपस्थिति से उत्पन्न कमी के कारण होता है।

जीवन से लगाव इतना गहरा है (होना भी चाहिए) कि मनुष्य मृत्यु के यथार्थ को सहज ढंग से नहीं ले पाता। सभ्यता के प्रारंभिक काल से इसे झुठलाने के लिए 'दर्शन' गढ़ता रहा है ।यों यह तत्कालीन ज्ञान की सीमा जनित भी था। विभिन्न सभ्यताओं में मृत्यु के 'बाद' की सम्भावनाओं जनित कल्पनाएं उत्पन्न हुई और तदनुरूप कर्मकांड विकसित हुए। अमूमन सभी सभ्यताओं में 'आत्मा की अमरता' जैसी अवधारणा देखी जा सकती है ।विकासमान ज्ञान प्रकृति के बहुत से अज्ञात पहलुओं को लगातार उजागर करते रहता है बावजूद इसके प्रकृति के व्यापकता के कारण ऐसा समय शायद कभी नहीं आएगा जब हम सब कुछ जान लें। यह 'जानने की सीमा' ही कई तरह के रहस्यवाद और भाववादी चिंतन का आधार रहा है।

इस बात से शायद ही कोई असहमत हो कि जीवन से लगाव की सार्थकता जीवन को भरपूर जीने में है। ज़िंदगी की लंबाई की अपेक्षा उसकी गहराई ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसे फ़िल्म का नायक आनंद कहता भी है 'ज़िंदगी लंबी नही बड़ी होनी चाहिए'। अधिकांशत: ज़िंदगी को 'भरपूर' जीना चाहते भी हैं, मगर इस 'चाहने' को बहुत से कारक प्रभावित करते हैं ।मसलन आर्थिक, पारिवारिक, शारीरिक आदि। व्यक्ति के सुखी जीवन के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति अपेक्षित होता है।

मगर एक दूसरा पहलू भी है। कुछ लोग बेवज़ह दुखी रहते हैं। ओशो के शब्दों में कहें तो 'दु:ख में भी एक अहंकार होता है'। महत्वाकांक्षी होना अच्छी बात है,नित नए उपलब्धि हासिल करने की सोचने में बुराई क्या है? मगर इसके लिए वर्तमान को तिलांजलि देकर;जो है उसकी खुशी न मनाकर, जो नहीं मिल सका है उसके लिए रात-दिन दु:खी रहना भी एक बीमारी है। कहना न होगा कि कर्तव्यहीन भोगवाद एक दूसरी चीज है, जहां व्यक्ति अराजकतावाद में चला जाता है। यह सार्थक नहीं है।

'आनंद' फ़िल्म का नायक आनंद(राजेश खन्ना) 'भरपूर जीवन जीने' का उदाहरण है। वह गंभीर बीमारी(कैंसर) से ग्रस्त है और उसे मालूम है कि तीन माह से अधिक उसकी ज़िंदगी नहीं बची है,फिर भी वह जैसे मौत की हँसी उड़ाता है। मौत आएगी तब आएगी अभी से उसका ग़म क्या! ऐसे व्यक्तित्व विरले होते हैं। अपनी क्षुद्रताओं में घिरे हम सब स्वीकार नहीं पाते कि जिंदगी ऐसी ज़िन्दादिली से जी जा सकती है।

मानवीय करुणा से लबरेज आनंद सबसे प्रेम करता है; सबको अपना बनाना चाहता है, दिलों को जोड़ने का काम करता है। इसका मतलब यह नही कि उसे ज़िंदगी से प्रेम नहीं है ।वह जीना चाहता है मगर हालात ने उसे अवसर नहीं दिया, इसलिए वह यथार्थ को स्वीकारता है, और शेष ज़िंदगी को भरपूर जीता है। प्रथम दृष्टया ऐसा लग सकता है कि यदि उसकी ज़िंदगी लंबी होती तो क्या वह ऐसा जीता? कहीं यह मृत्यु के भय को छुपाने का उपक्रम तो नहीं है ?निश्चित रूप से यदि ऐसा होता तो उसकी ज़िंदगी लंबे समय तक सहज नहीं रह पाती। उसके चरित्र की निर्दोषिता सहज है। ऐसा भी नहीं कि वह मानवीय कमजोरियों और दु:खों से परे है। फ़िल्म में इसके संकेत है। उसे अपना असफल प्रेम याद आता है।

बहरहाल फ़िल्म, आनंद के जिंदादिली और और उससे जुड़े लोगों के संवेदनशीलता, ख़ासकर डॉ बैनर्जी(अमिताभ बच्चन) के उदात्त चरित्र और सम्वेदना प्रभावित करती है। ज़ाहिर है ऐसी फिल्में निर्देशन, पटकथा, संवाद, अभिनय के समन्वित प्रयास से ही सम्भव होती हैं।

समीक्षा

इस बगिया में

वरिष्ठ साहित्यकार कवि एवं लेखक संतोष श्रीवास्तव 'सम' के काव्य संग्रह 'इस बगिया में' पुस्तक में कवि ने अपनी कविताओं के माध्यम से कुछ संदेश देना चाहा है। जीवन ऐसा भी हो जो मानवता के काम आए, कम शब्दों में कवि ने कविता का अर्थ बहुत गहरा बताना चाहा है?। वह अपना जीवन अपने लिए नहीं जीना चाहते बल्कि माँ भारती के चरणों को अर्पित करना चाहते हैं।

कवि ने अपनी कविता में समरसता की बयार का बखूबी चित्रण किया है। कवि कहते हैं कि अगर जो जीवन में आए संकट का सामना कर लिया, वो हर मुश्किल को पार कर लिया और निष्ठावान बनकर अपने कर्तव्य के प्रति वह समर्पित है तो लक्ष्य को हासिल करने से कोई नहीं रोक सकेगा। अपने सपने साकार होने से भी कोई नहीं रोक सकेगा।

एक पंक्ति –

आओ बढ़ो के मंजिल,
पग बस यूँ ही ले लेगी,
तुमने जो लक्ष्य बनाया,
निष्ठा निश्चित ही पा लेगी।

कवि विश्व शांति के लिए ऐसा दीपक बनना चाहते हैं जो अंतिम सांस तक लोगों में ज्ञान का प्रकाश भरना चाहता है ।वह शांत पवन की तरह शांति स्थापित करना चाहते हैं–

शांत पवन दे देना मन को,
जिससे शांति किरण बनूँ मै,
विश्व शांति का दीप बनूँ मै,
हर पल हर क्षण नित जलूँ मैं।

वहीं दूसरी ओर दूसरे कवियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं कि अपनी कलम की खुश्बू ऐसी बिखेरों की उसकी महक चिरकाल तक के लिए बिखरी रहे । कवि अन्य कवियों को लिखने पर मजबूर कर देते है। कहते हैं कि –

चाहे महाप्रलय भी आये,
चाहे खड़ा हो महाकाल,
ओर कवि कलम की वेदी पर,
हो जाये तेरा ऊँचा भाल।

वही दूर गगन के पक्षी कविता में कवि कहते है–

देखो दूर गगन के पंक्षी,
उड़ते अपने पर फैलाये,
स्वतंत्रता में रमें हुए है,
किससे ये कब भय खाये।

ऐसे ही हमें भी स्वाभिमान से जीवन जीना चाहिए।

पूरब पश्चिम कविता का बहुत सुंदर सार्थक अर्थ बताते हैं। कवि कहते है –

जिस पूरब का वासी हूँ मैं, उदित रवि होता है,
जगति के घोर तमस को,
पल में हर लेता है।

वहीं उन्होंने सरकार पर भी अपनी लेखनी के जादूगरी से बहुत तीखा करारा कटाक्ष किया है। और कवि ने यह भी बताना चाहा है,अपनी कलमकारी के माध्यम से कि – लोकतंत्र से दूरी क्यों हो रही है। *

जीवन देखें आओ* कविता में कवि बता रहे हैं कि ऋतुओं के समान जीवन में परिवर्तन होता है। कभी सावन तो कभी पतझड़ शाश्वत सत्य है।

कवि सत्ता परिवर्तन की ओर भी आते हैं और उनका कहना हैं कि हमने तमाम दलों को चेताया है, हमारी यह चुनौती होगी,

दो चार नहीं सौ करोड़ की होगी।

सत्ता के ऊपर गलत नीतियों का भी उन्होंने विरोध किया है।

कवि ने भूख कैसी पर बहुत ही सुंदर कलम चलाई है। उनका कहना है कि भूख लगती है, तो शब्द टूटने लगते हैं, और आवाज कराहने लगती है।

सबका अलग-अलग शब्द बोध और सबके अलग-अलग अर्थ हैं। कवि अपने जीवन पथ पर संघर्षों में हमेशा अड़े रहे है।

दीपक सा प्रज्वलित होकर कविता में भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों से यानी अंधकार से प्रकाश में आने के लिए उन्हें कठोर संघर्ष किया है। उसी संघर्षों का उन्होंने बखूबी वर्णन किया है ।

*ऐ जिंदगी तू मेरे साथ साथ चल री कही,
जहाँ मिले इक सबेरा,
जहाँ मिले एक हँसी।

आस्तिक बनो कविता की पंक्ति--

मैं आस्तिक हूं*
मेरे भगवान है,
पत्थर तोड़ते श्रमिक,
खेतों को जोतते किसान, और
पहाड़ जैसे भारों को
वहन करते मजदूर।

नकली चेहरे पर भी उन्होंने बहुत ही सुंदर अपनी कलम चलाई है। उनका कहना है कि

बाहर दिखती कोमल कलियाँ,
अंदर पर गांठ छुपाये से,
दीवारे चार बनाते हैं,
*समतल मैदानों में दिखकर।

■ सरगुजा, छत्तीसगढ़।

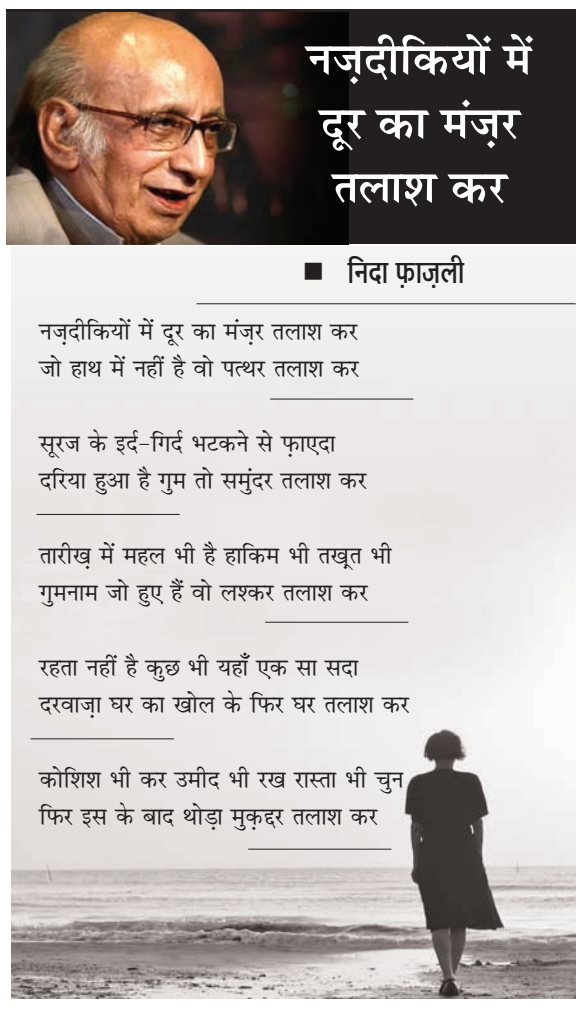

नज़दीकियों में दूर का मंज़र तलाश कर

■ निदा फ़ाज़ली

नज़दीकियों में दूर का मंज़र तलाश कर
जो हाथ में नहीं है वो पत्थर तलाश कर

सूरज के इर्द-गिर्द भटकने से फ़ाएदा
दरिया हुआ है गुम तो समुंदर तलाश कर

तारीख़ में महल भी है हाकिम भी तख़्त भी
गुमनाम जो हुए हैं वो लश्कर तलाश कर

रहता नहीं है कुछ भी यहाँ एक सा सदा
दरवाज़ा घर का खोल के फिर घर तलाश कर

कोशिश भी कर उमीद भी रख रास्ता भी चुन
फिर इस के बाद थोड़ा मुक़द्दर तलाश कर

राम सबके हैं

■ डॉ श्यामबाबू शर्मा

कहते हैं कि राम सबके हैं!
राजा परजा मजूर धतूर सबके
सिलक्यारा टनल के उन इकतालीस के
उनके परिवार समाज संबंधियों के
हमारे देश की समुन्नत विज्ञान के
बड़ी भारी भारी मशीनों के
अथक प्रयासों आत्मविश्वास जीवटता
पत्थरों को पराजित करने वाले हौंसलों के
अंधेरे के तो उजालों के
राम सबके हैं!
डिगरियों के गट्ठर के
जूतियां घिसते करोड़ों युवाओं के
राम सबके हैं!
सेठ साहूकारों के
जलयान गगनयान
रिक्शावान गाड़ीवान के
इंपोर्टेड फूड और दूध के
चौराहे में भिखारिन के
सूखी छातियों की माप के
उसके बच्चे की भूख के
ओसारे में खांसते बूढ़े बाप के
राम सबके हैं!
जीतने वालों के
जिताने वालों के
मूर्तिकारों के
जयघोष के
लोक के
तंत्र के
शब्दों के संधि विच्छेद के
राम सबके हैं!
महज इकतालीस की सुरंगों से मुक्ति के
चौराहे पे बिकने को प्रतीक्षित मजदूरों के
मिलों में झुलसे नर कंकालों के
क़र्ज़ में डूबे किसान भगवान के फंदों के
मैला साफ़ करने वालों के
तमाम अंधेरी अंधी सुरंगों के
कायनात की चुप्पी के
अंधों बहरों के बीच
मेरी आवाज़ के
लेखनी की मसि के
राम सबके हैं!

ये क़र्ज़ तो मेरा है चुकाएगा कोई और

■ आनिस मुईन

ये क़र्ज़ तो मेरा है चुकाएगा कोई और
दुख मुझ को है और नीर बहाएगा कोई और

क्या फिर यूँ ही दी जाएगी उजरत पे गवाही
क्या तेरी सज़ा अब के भी पाएगा कोई और

अंजाम को पहुँचूँगा मैं अंजाम से पहले
ख़ुद मेरी कहानी भी सुनाएगा कोई और

तब होगी ख़बर कितनी है रफ़्तार-ए-तग़य्युर
जब शाम ढले लौट के आएगा कोई और

उम्मीद-ए-सहर भी तो विरासत में है शामिल
शायद कि दिया अब के जलाएगा कोई और

कब बार-ए-तबस्सुम मिरे होंटों से उठेगा
ये बोझ भी लगता है उठाएगा कोई और

इस बार हूँ दुश्मन की रसाई से बहुत दूर
इस बार मगर ज़ख़्म लगाएगा कोई और

शामिल पस-ए-पर्दा भी हैं इस खेल में कुछ लोग
बोलेगा कोई होंट हिलाएगा कोई और

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

अलास्का एयरलाइंस के विमान की आपात लैंडिंग

वाशिंगटन। अमेरिका के ओरेगॉन के पोर्टलैंड से उड़ान भरने के तुरंत बाद अलास्का एयरलाइंस की एक उड़ान की आपातकालीन लैंडिंग हुई। जिसमें एक खिड़की और फ्यूजलेग का हिस्सा गायब था। मीडिया द्वारा शनिवार को जारी रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी। केपीटीवी-टीवी ने एक यात्री द्वारा भेजी गई तस्वीरों के हवाले से बताया कि बोइंग 737-9 मैक्स ने स्थानीय समयानुसार, शुक्रवार देर रात करीब 00ः52 बजे उड़ान भरी और केवल 20 मिनट बाद ही वापस लौटा।

गाजा में बच्चों व गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल रहा उचित पोषण : यूनिसेफ

तेल अवीव, 6 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि गाजा पट्टी में अधिकांश बच्चे और गर्भवती महिलाएं अपनी बुनियादी पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र निकाय यूनिसेफ द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 2 वर्ष से कम उम्र के 90 प्रतिशत बच्चे प्रतिदिन दो बार या उससे कम दूध या बेड खा रहे हैं। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि एक चौथाई गर्भवती महिलाएं प्रतिदिन केवल एक समय का भोजन कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि इज़राइल राफा क्रॉसिंग पर सहायता वाहनों की विस्तृत जांच

एक चौथाई गर्भवती महिलाएं प्रतिदिन केवल एक समय का भोजन कर रही

कर रहा है और इसके कारण भारी गोलाबारी के साथ-साथ सहायता सामग्री की आपूर्ति में देरी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने पहले कहा था कि चार में से एक गज़ावासी अकाल जैसे स्तर की भुखमरी का सामना कर रहा है। यूनिसेफ के अनुसार, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में दस्त के मामले 48,000 से बढ़कर 71,000 हो गए हैं।

इजरायल द्वारा बेरूत पर हमले के बाद लेबनान ने संरा में दर्ज कराई शिकायत

संयुक्त राष्ट्र। इजरायल द्वारा मंगलवार को बेरूत में किए गए घातक हमले के बाद लेबनान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को शिकायत पत्र भेजा है। लेबनानी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता कटिया बद्र ने यह जानकारी दी है। बद्र ने कहा, लेबनान ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर में एक आवासीय क्षेत्र पर इजरायल के हमले के बारे में सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और महासचिव को एक समान पत्र भेजा, जिसके कारण दो लेबनानी और पांच फिलिस्तीनी मारे गए।

हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल में रॉकेट हमले की जिम्मेदारी ली

यरूशलम। लेबनानी सैन्य समूह हिजबुल्लाह ने शनिवार सुबह उत्तरी इज़राइल में माउंट मेरोन पर लेबनान से रॉकेट हमले की जिम्मेदारी ली। एक बयान में हिज़बुल्ला ने कहा कि उसने 62 मिसाइलों के साथ एक इजरायली सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाया और यह हमला मंगलवार को लेबनान में हमास के उप प्रमुख सालेह अल-अरूरी की कथित इजरायली हत्या का प्रारंभिक जवाब है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि लेबनान से उत्तरी इजरायल में मेरोन के क्षेत्र की ओर लगभग 40 हमलों की पहचान की गई थी। इजरायली मीडिया ने कहा कि लेबनान के साथ उत्तरी सीमा के करीब लगभग 90 समुदायों में सायरन बजने के बाद माउंट मेरोन के समीप विस्फोट हुए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में माउंट मेरोन के कई इलाकों में धुआं उठता दिख रहा है। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

बाइडेन के पेंसिल्वेनिया भाषण का मकसद भय फैलाना : ट्रम्प

वाशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आयोवा में अपनी टिप्पणी के दौरान कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के शुक्रवार के भाषण का उद्देश्य ट्रम्प

के बारे में चिंताएं फैलाना है। श्री ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा, कुटिल जो (बाइडेन) आज पेंसिल्वेनिया में अपना दयनीय, भय फैलाने वाला अभियान कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। श्री बाइडेन ने इससे पहले शुक्रवार को पेंसिल्वेनिया में 6 जनवरी के 'यूएस कैपिटल' दंगे की बरसी की पूर्व संध्या पर ट्रम्प द्वारा संयुक्त राज्य में लोकतंत्र के लिए कथित खतरों पर ध्यान केंद्रित किया।

श्री बाइडेन ने ट्रम्प द्वारा की गई टिप्पणियों की तुलना नाजी जर्मनी में बयानबाजी से की। ट्रम्प ने दिसंबर में तुलनाओं को खारिज कर दिया और उन्हें अनुचित बताया।

अमेरिकी का तोपखाने के लिए 87 करोड़ डॉलर से अधिक का ऑर्डर

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अपनी 105 मिलीमीटर और 155 मिलीमीटर के अपने हॉवित्जर तोपखाने के उपयोग के लिए 87 करोड़ डॉलर से अधिक के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज़ का ऑर्डर दिया है।

सुडोकू 6429

	7		8			1		
3		8	6					4
6				2		7		
				9				2
		9				6		
4				1				
		1		3				9
2					1	5		7
		3			7		2	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6429

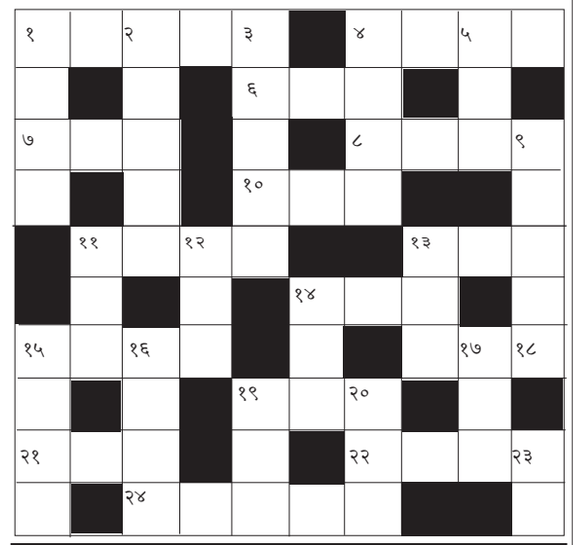

बायें से दायें:-

१. कोशिश करता हुआ
४. पंचांग, कैलेण्डर
६. गर्व (उर्दू)
७. झगड़ा, विवाद, बखेड़ा
८. साथ चलने वाला, सहगामी (उर्दू)
१०. राजनियम, वह नियम जिसे मानना राज्य विशेष के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य हो, विधान, विधि (उर्दू)
११. लोकोपकार, लोक-कल्याण
१३. नष्ट, बर्बाद (उर्दू)
१४. सूचना, खबर, जानकारी (उर्दू)
१५. उचित, उपयुक्त (उर्दू)
१७. एक रोग, जो वसंद और ग्रीष्म ऋतुओं में अधिक होता है, चेचक, वसंत रोग
१९. लेने वाला, पाने वाला दिवालिया, प्रतिष्ठान या किसी झगड़े में पड़ी संपत्ति की देखरेख के न्यायालय द्वारा नियुक्त व्यक्ति या अधिकारी
२१. कामना, वासना (उर्दू)
२२. सीमा निर्धारण
२४. याचक, इच्छुक (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. सूर्य
२. बहुत से लोगों द्वारा मिलकर गाया जाने वाला गीत
३. जांच-पड़ताल, छानबीन, (उर्दू)
४. वह उपज जिससे तेल निकाला जाता है
५. रक्षक दल, रक्षक दल का फेरा, निगरानी देखरेख (उर्दू)
९. आना-कानी, टालमटोल
११. आग पकड़ना, प्रज्वलित होना, ईर्ष्या करना
१२. गणित, किसी आर्थिक व्यवहार का विवरण, गणना (उर्दू)
१३. ढूंढने, खोजने की क्रिया (उर्दू)
१४. अभिप्राय, विचार, इच्छा संकल्प (उर्दू)
१५. जिसका हाथ खुला हो, दानी, उदार
१६. राजनीति (उर्दू)
१८. किंचित, थोड़ा
१९. सहारा, आधार, आश्रित
२०. गुण, प्रभाव, असर (उर्दू)
२३. आकाश गगन

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 7 जनवरी , 2024 पौष कृष्ण पक्ष 11

राशिफल

मेष -आज के दिन का आरंभ बहुत अच्छा होगा। शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा बना रहेगा। दोपहर के बाद नए काम करने की सलाह आपको नहीं दी जाती है।

वृषभ -व्यापार में यश और सफलता मिलेगी। साथी कर्मचारियों का पूरा सहयोग आपको मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। विरोधियों को पीछे छोड़ पाएंगे। दोपहर बाद मनोरंजन में आपका ध्यान रहेगा।

मिथुन -आज का आप का दिन किसी खास चर्चा में गुजर सकता है। आप अपनी कल्पनाशक्ति से कुछ नया कर पाने में समर्थ रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से खुश रह सकते हैं।

कर्क -हताशा से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। इस कारण शारीरिक रूप से आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। प्रवास के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। जमीन और वाहनों से जुड़ी समस्या आपको हो सकती है।

सिंह -आज व्यापार या नौकरी के लिए कोई छोटी यात्रा हो सकती है। विदेश से कोई अच्छे समाचार मिलेंगे। धन लाभ होगा। नए काम के लिए अच्छा समय है। किसी लाभदायक निवेश में आप रुचि ले सकते हैं।

कन्या -आज आपके मन में किसी बात को लेकर दुविधा बनी रहेगी। कोई नया काम शुरू ना करें। ज्यादातर समय मौन बने रहें, इससे विवाद होने से बच जाएगा। परिजनों के साथ बातचीत में संयम बरतें।

तुला -आज आपकी रचनात्मकता से कोई कठिन काम आसान बना पाएंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। विचारों में दृढ़ता बनी रहेगी। नए वस्त्र, आभूषण या मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा।

वृश्चिक -आपका उग्र और असंयमित व्यवहार आपको समस्या में डाल सकता है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कोई अनहोनी हो सकती है, उनका ध्यान रखें। दोपहर के बाद शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य में दिक्कत रहेगी।

धनु -व्यावसायिक क्षेत्र में आज आपके लिए लाभकारी दिन है। जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। काम में पदोन्नति होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम होगा। व्यापारीवर्ग को भी लाभ होगा।

मकर -आज का दिन मैरीड कपल के लिए आनंदमयी रहेगा। परिजनों के साथ खुशी का वातावरण बना रहेगा। व्यवसाय में पदोन्नति के योग हैं। व्यवसाय में अनुकूल समय है। नौकरी में साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा।

कुंभ -आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। नए काम की शुरुआत आज कर सकते हैं। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा।

मीन -आज आपको वाणी में संयम रखने की सलाह दी जाती है। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आध्यात्मिक उन्नति के लिए दिन अच्छा है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

जर्मन विदेश मंत्री मध्य पूर्व का दौरा करेंगी

बर्लिन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक रविवार को मध्य पूर्वी देशों की यात्रा करेंगी। फिलीस्तीन-इजरायल संघर्ष के बाद से अब तक यह उनकी यह चौथी यात्रा होगी। जर्मन विदेश मंत्री के प्रवक्ता सेबेस्टियन फिशर ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कैबिनेट प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, रविवार को विदेश मंत्री दो प्रांत की यात्रा पर जाने वाली हैं। पहले वह मध्य पूर्वी और बाद में दक्षिण-पूर्वी एशिया जाएंगी। इस दौरान वह पहले इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कॉट्ज और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करेंगी। इसके बाद फिलीस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी से बातचीत करेंगी। इन दोनों प्रांतों की यात्रा करने के बाद सुश्री बेयरबोक मिस्त्र जाएंगी और अपनी निर्धारित यात्रा के दौरान, लेबनान का भी दौरा करेंगी। श्री फिशर ने कहा, बातचीत का मुख्य विषय गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति, वेस्ट बैंक की स्थिति, साथ ही इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति होगी। इसके अलावा फिलिस्तीनी आंदोलन हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों को मुक्त कराने के आगे के प्रयासों पर भी चर्चा की जाएगी।

जापान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 100 हुई

टोक्यो, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य जापानी प्रान्त इशिकावा में 7.6 तीव्रता तक के भूकंपों की एक श्रृंखला के बाद प्रान्त और उसके आसपास मरने वालों की संख्या बढ़कर एक सौ हो गई है। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को जारी रिपोर्टों में यह जानकारी दी। मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि अभी तक इशिकावा में कुल 211 लोग लापता हैं। भूकंप के छठे दिन, सबसे अधिक प्रभावित तटीय शहर वाजिमा में 59 लोगों की मौत की पुष्टि हुई, जबकि इमारतों के ढहने से लगभग 100 लोगों के फंसे होने की खबरें हैं। इस बीच बचाव कार्य जारी है। जापान मौसम विज्ञान

एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 05:25 बजे नोटो क्षेत्र में 5.4 तीव्रता का भूकंप आया, जो 10 किमी की गहराई पर था, जिसकी तीव्रता देश के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर ऊपरी 5 मापी गई। जेएमए ने करीब सात क्षेत्रों में आज वर्षा के आसार जताए हैं।

जापान ने भूकंप पर संवेदना जताने पर उ. कोरिया का जताया आभार

टोक्यो। जापान सरकार ने नव वर्ष के मौके पर देश में आए शक्तिशाली भूकंप और कई शक्तिशाली झटकों पर संवेदना व्यक्त करने के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को धन्यवाद दिया है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले शनिवार को सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि श्री किम ने पीड़ितों और घायल लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने तथा आपदा से हुए भौतिक नुकसान पर जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को भीषण भूकंप पर सहानुभूति भरा संदेश भेजा था।

रूस ने बेलगोरोड शहर पर यूक्रेन के हमलों के बाद लोगों को स्थानांतरित करना शुरू किया

मॉस्को, 6 जनवरी (एजेंसियां)। रूस ने बेलगोरोड शहर पर यूक्रेन के घातक हमलों के बाद से कुछ निवासियों को स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने शुक्रवार को कहा कि कई परिवार जो यूक्रेन की सीमा के करीब है शहर छोड़ चुके हैं।

पिछले सप्ताहांत, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस पर सबसे घातक हमलों में से एक में 25 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। यह हमला हाल ही में यूक्रेन पर रूस के हमलों के बाद हुआ, जिसमें कई लोग मारे गए और 160 से अधिक घायल हो गए। श्री ग्लैडकोव ने टेलीग्राम पर कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों की अपील देखी है, जिसमें कहा गया है, हम डरे हुए हैं, हमें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में मदद करें। उन्होंने कहा, बेशक हम करेंगे ,हम पहले ही कई परिवारों को स्थानांतरित कर चुके हैं। गवर्नर ने कहा कि निवासियों को स्टारी ओस्कोल और गुबकिन शहरों में ले जाया जाएगा जहां वे जब तक आवश्यक हो रह सकते हैं। उन्होंने हालाँकि, कहा कि हर किसी को वहां समायोजित नहीं किया जा सकता है, इसलिए वह अन्य क्षेत्रों के सहयोगियों से मदद मांगेंगे।

रूस ने 22 को यूएन बैठक का किया अनुरोध

संयुक्त राष्ट्र। रूस ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति पर 22 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। सुरक्षा परिषद के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, रूस ने 22 जनवरी को कीव को हथियारों की आपूर्ति के विषय पर एक बैठक का अनुरोध किया है। इस बीच पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर 10 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

कांगो में भारी बारिश से 300 लोगों की मौत

किंशासा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम 300 लोगों की मौत हो गई है। एक मंत्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सामाजिक मामलों, मानवीय कार्यों और राष्ट्रीय एकजुटता मंत्री मुटिंगा मुतुइशायी ने आपातकालीन बैठक के दौरान कहा कि कम से कम 43,750 घर ढह गए हैं। उन्होंने स्वच्छता और स्वच्छ पानी की कमी से जुड़े महामारी के खतरों की भी चेतावनी दी।

बारिश की वजह से 43,750 घर ढह गए

मंत्री ने कांगो के अधिकारियों से पीड़ितों की मदद के लिए तत्काल धन जारी करने का आह्वान किया, साथ ही जमीन पर मानवीय टीमों का समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। सितंबर से मई तक चलने वाले बरसात के मौसम के दौरान डीआरसी में बाढ़ और भूस्खलन आम हैं।

वर्ग पहेली-6428

१ ब	द	२ ह	वा	३ स		४ सौ	म	५ न	स्य
ल		म		६ म	र्या	दा		र्म	
७ वा	रि	स		झ		८ मि	क	दा	९ र
न		फ		१० दा	मि	नी			ज
	११ द	र	१२ का	र			१३ वि	जि	त
	रि		न		१४ घ	प	ला		म
१५ भ	द्र	१६ ज	न		ट		१७ स	१८ म	य
र		क		१९ अ	ना	२० थ		धि	
२१ पा	प	ड़		धि		२२ क	त	रा	२३ ना
यी		२४ ना	म	क	मा	ना			री

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1761- पानीपत की तीसरी लड़ाई में अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को हराया।
1890- विलियम बी. परविस को फाउंटेन पेन के आविष्कार का पेटेंट मिला।
1943- अमेरिकी सर्बियाई आविष्?कारक निकोला टेस्?ला का निधन हुआ ।
1947- भारतीय लेखक शोभा डे का जन्म हुआ।
1950- हिन्दी फिल्मों के हास्य अभिनेता जॉनी लीवर का जन्म हुआ।
1950- अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बालश्रम विरोधी भारतीय कार्यकर्ता शांता सिन्हा का जन्म हुआ।
1953- अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने हाइड्रोजन बम के निर्माण की घोषणा की।
1966- हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक बिमल राय का निधन हुआ।
1979- बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु का जन्म हुआ।
1980- भारत की जनता ने एक बार फिर इंदिरा गांधी के हाथों में सत्ता सौंपी।
1999- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के विरुद्ध महाभियोग की कार्रवाही शुरू।
1981- भारत के प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी कृष्णन शशिकिरण का जन्म।
1987- कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में तीन सौ विकेट पूरे किये।
2010- जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर एक होटल में छिपे आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच लगभग 22 घंटे लंबी मुठभेड़ दो आतंकवादियों के मारे जाने के साथ खत्म हुई।

बयान ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दी जानकारी

ताइवान ने 13 चीनी सैन्य विमानों, पांच जहाजों का पता लगाया

ताइपे, 6 जनवरी (एजेंसियां)। ताइवान के सशस्त्र बलों ने पिछले दिन द्वीप राष्ट्र के पास 13 चीनी सैन्य विमानों, पांच जहाजों और दो गुब्बारों का पता लगाया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर जारी अपने बयान में कहा, ताइवान के आसपास 13 पीएलए विमान और पांच जहाजों का आज सुबह 06:00 बजे तक पता चला। खोजे गए विमानों में से एक ने ताइवान के दक्षिण पश्चिम एडिज में प्रवेश किया था।

इसके अलावा कल दो गुब्बारों का पता लगाया गया जो ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को क्रमश: 33 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम और सिंचु से 51 मील पश्चिम में पार करने के बाद देखा गया। बयान में कहा गया है कि ताइवानी सैनिकों ने स्थिति पर नजर रखी है और द्वीप के पास चीन की गतिविधियों का जवाब देने के लिए विमान, नौसेना और भूमि-आधारित इकाइयों को चौकस रहने का आदेश दिया है।

बयान में यह भी कहा गया, गुब्बारों की ऊंचाई क्रमश: लगभग 17,000 और 24,000 फीट थी। गुब्बारे उत्तर पूर्व की ओर गए और क्रमिक रूप से कल 12:57 और 15:37 पर गायब हो गए। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने द्वीप राष्ट्र के पास देश के गुब्बारे दिखाई देने के बाद चीन पर अंतरराष्ट्रीय नेविगेशन

■ चीन की गतिविधियों का जवाब देने के लिए विमान, नौसेना और भूमि-आधारित इकाइयों को चौकस रहने का आदेश दिया

मार्गों के लिए सुरक्षा खतरा पैदा करने का आरोप लगाया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह कई अंतरराष्ट्रीय नेविगेशन मार्गों के लिए एक गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करता है।

हम क्षेत्र में उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी प्रथाओं को तत्काल बंद करने का आह्वान करते हैं। गौरतलब है कि ताइवान 1949 से चीन से स्वतंत्र रूप से शासित है। चीन इस द्वीप को अपना प्रांत मानता है, जबकि ताइवान का कहना है कि यह एक स्वायत्त इकाई है, लेकिन स्वतंत्रता की घोषणा करने से कतराता है। चीन ताइवान के साथ किसी भी आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है और द्वीप पर चीनी संप्रभुता को निर्विवाद मानता है।

ताइवान के आसपास नवीनतम तनाव अप्रैल 2023 में शुरू हुआ जब ताइवान के राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने अमेरिका में तत्कालीन अमेरिकी हाउस स्पीकर केविन मैकार्थी से मुलाकात की। चीन ने द्वीप के पास बड़े पैमाने पर तीन दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू करके इस मुलाकात का जवाब दिया जिसे उसने ताइवानी अलगाववादियों और विदेशी शक्तियों के लिए चेतावनी कहा।

दुनिया को जानें

ग्रीस प्राचीन महल को फिर से खोलेगा यहां सिकंदर ने पहना था ताज

एथेंस, 6 जनवरी (एजेंसियां)। 16 वर्षों के जीर्णोद्धार के बाद उत्तरी ग्रीस में एक महल जो मैसेडोनिया के प्राचीन साम्राज्य से संबंधित था, उसे शनिवार को फिर से खोला जाएगा। इसी महल में सिकंदर महान (356 ईसा पूर्व-323 ईसा पूर्व) को राजा का ताज पहनाया गया था। शुक्रवार को प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने बंदरगाह शहर थेसालोनिकी के पास वेर्गिना शहर में पुनर्स्थापित महल का उद्घाटन किया था। पिछले 16 वर्षों से इस साइट का जीर्णोद्धार चल रहा है। यह महल, जिसका नाम सिकंदर महान के पिता फिलिप द्वितीय के नाम पर रखा गया है, एगई के पुरातात्विक स्थल का केंद्रबिंदु है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि महल एगई में अधिक विजिटर्स को आकर्षित करेगा, जो मैसेडोनिया के प्राचीन साम्राज्य की राजधानी के रूप में कार्य करता था और जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया था। एगई का पुरातात्विक स्थल शास्त्रीय ग्रीस की सबसे बड़ी इमारत थी, जो लगभग 15,000 वर्ग मीटर में फैली हुई थी। सिकंदर, जिसे 336 ईसा पूर्व में मैसेडोनिया के राजा का ताज पहनाया गया था।

प्रादेशिकी

अनियमितता बरतने पर कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी पंवार निलंबित

देहरादून। भ्रष्टाचार के प्रकरणों पर पुष्कर सिंह धामी सरकार निरंतर कड़े प्रहार कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) में अनियमितता बरतने के आरोपों की पुष्टि के बाद देहरादून जिले के अंतर्गत रायपुर के कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी राजदेव पंवार को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही योजना के क्रियान्वयन के समय और उसके पश्चात सत्यापन न करने पर देहरादून की मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह के अलावा रायपुर के न्याय पंचायत प्रभारी वीरेंद्र सिंह नेगी एवं सेवानिवृत्त विकासखंड प्रभारी विनोद धस्माना से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

संस्कृत के संरक्षण व संवर्धन के लिए आगे आएं गुरुकुलः राजनाथ

हरिद्वार, 6 जनवरी (देशबन्धु)। शनिवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह सबसे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। आपको बता दें कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हरिद्वार में पतंजलि गुरूकुलम् एवं आचार्यकुलम् शिलान्यास' समारोह में पहुंचे हैं। उन्होंने पतंजलि गुरुकुलम् की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने संबोधन में कहा कि हमारे देश में जो सिख धर्म है, वह शिष्य शब्द से ही निर्मित है। भारत में कई सारे ऐसे धर्म और संप्रदाय हैं, जो गुरुवाणी के आधार पर ही कायम है। यदि भारतीय संस्कृति जीवित है और यह सनातन बनी हुई है, तो इसकी जीवंतता को बनाए रखने में इस देश के गुरुओं का सबसे बड़ा योगदान है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश के गुरुकुल आगे आए। उन्होंने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है। दुनिया के कई विद्वानों ने प्रकृति और सृष्टि को समझने के लिए संस्कृत का ही अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अहम स्थान है। योग दर्शन भी महर्षि पतंजलि ने संस्कृत में ही लिखा था। उन्होंने संस्कृत पढ़ने लिखने और बोलने वालों की कम होती संख्या को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देवभाषा की यह स्थिति देखकर मन में पीड़ा होती है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि योग गुरु बाबा रामदेव वेद और योग को सरलता से जनमानस तक पहुंचा रहे हैं इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। गुरु शिष्य परंपरा पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि गुरुओं के नाम पर ही सनातन की पहचान है। सभी धर्म में मतभेद हो सकता है लेकिन गुरु को सभी ने स्वीकार किया है। रक्षामंत्री ने कहा कि गुरुकुल परंपरा ने भारत का पूरे विश्व में स्थान दिलाया है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम करने की भी बात कही। जिससे आने वाली पीढ़ी संस्कृति के महत्व को समझ सके इसमें देश के गुरुकुल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नई शिक्षा नीति पर बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कई राज्यों ने नई शिक्षा नीति के तहत अपनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। कहा कि इसमें अचानक परिवर्तन संभव नहीं है।

- रक्षामंत्री ने रखी पतंजलि गुरुकुलम् की आधारशिला
- बोले- धर्म और संप्रदाय गुरुवाणी के आधार पर ही कायम
- योग गुरु बाबा रामदेव वेद और योग को सरलता से जनमानस तक पहुंचा रहे

मैकाले शिक्षा पद्धति ने देश को राजनीतिक व मानसिक रूप से गुलाम बनायाः धामी

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मैकाले शिक्षा पद्धति ने देश को राजनीतिक और मानसिक रूप से गुलाम बनाया। स्वामी दर्शनानंद ने गुरुकुल की स्थापना कर इस दिशा में प्रकाश फैलाया जो आज भी युवाओं को प्रकाशित कर रहा है। धामी ने कहा कि गुरूकुल की परम्परा सदियों पुरानी है। इससी परम्परा से गुरू व शिष्य के रिश्तों को आगे बढाया जाता है। आधुनिकता की दौर में यह परम्परा कहीं खोती जा रही है लेकिन गुरूकुलम जैसे संस्थान इससे जोड़ने में लगे हुए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भगवान राम फिर से अयोध्या में विराजमान हो रहे हैं। देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऊंचाईयों को छू रहा है।

गुरुकुलम विश्व का सबसे बड़ा गुरुकुल होगाः बाबा रामदेव

बाबा रामदेव ने कहा कि पतंजलि का यह गुरुकुलम विश्व का सबसे बड़ा गुरुकुल होगा। आगामी 5 वर्षों में पतंजलि योगपीठ 5000 करोड रुपए के निवेश से भारतीय शिक्षा में बड़ी क्रांति लाएगा। उन्होंने कहा कि योग स्वदेशी के बाद पतंजलि की ओर से शिक्षा जगत की यह तीसरी बड़ी क्रांति होगी। बाबा रामदेव ने कहा कि अब हरिद्वार दुनिया में शिक्षा का बड़ा केंद्र बनेगा। आज पतंजलि योगपीठ का भी 29 वां स्थापना दिवस भी है।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राज्य की जनता में उत्साह

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राज्य की जनता में उत्साह है। इसके बाद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ स्वामी दर्शनानंद गुरुकुल महाविद्यालय में 'गुरुकुलम एवं आचार्यकुलम' के शिलान्यास समारोह में शामिल होने पहुंचे। जहां रक्षामंत्री ने पतंजलि गुरुकुलम् की आधारशिला रखी। शनिवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह सबसे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। यहां कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान संगठनात्मक विषयों पर भी वार्ता हुई।

अनुराग ठाकुर के कार्य 24 कैरेट सोना : धनखड़

हमीरपुर/नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा उनके संसदीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में चलाए जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रम एक से श्रेष्ठ के 500 वें केंद्र का 20 हज़ार से भी ज़्यादा लोगों की उपस्थिति में भव्य शुभारंभ हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने अपने संबोधन की शुरुआत 1990 के दशक में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के साथ अपने सांसद काल को याद करते हुए किया। उन्होंने बताया कि प्रेम कुमार धूमल के ही अनुरोध पर धर्मशाला की पहली फ्लाइट का उद्घाटन उनके कर कमलों से हुआ था। उपराष्ट्रपति ने बताया कि उस समय से लेकर आज तक प्रेम कुमार धूमल के परिवार से उनका रिश्ता जुड़ा हुआ है जिसे अनुराग सिंह ठाकुर ने और गहरा किया है।

उपराष्ट्रपति ने बताया कि जब से वे उपराष्ट्रपति बने हैं तब से उनके संसद का एक भी सत्र ऐसा नहीं बिता जिसमें उन्होंने हिमाचल के विद्यार्थियों से मुलाकात नहीं की। उनके घर में सबसे ज्यादा टोपियां हिमाचल से ही है। जगदीप धनखड़ ने अनुराग सिंह ठाकुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि अनुराग संस्कृत का शब्द है जिसका मतलब है प्रेम और भक्ति। यह हर्ष का विषय है कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में स्थानीय सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा यहाँ के छात्रों के चहुंमुखी विकास के लिए एक से श्रेष्ठ जैसा अनूठा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एक से श्रेष्ठ के 500 वें सेण्टर का शुभारंभ करना मेरे लिए हर्ष की बात है। लगातार चार बार संसद सदस्य बनना और अपने दायित्वों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करना कोई आसान काम नहीं है। अनुराग ठाकुर का प्रत्येक कार्य जनकल्याण हेतु 24 कैरेट सोना है। इसीलिए मैं अन्य सदस्यों को भी सलाह देता हूँ कि वे सभी भी अनुराग मॉडल ऑफ इंवॉल्वमेंट फॉर डेवलपमेंट को अपनाएं।

- उप राष्ट्रपति ने एक से श्रेष्ठ के 500वें सेण्टर का शुभारंभ किया

जगदीप धनखड़ ने कहा हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में घूमने के दौरान मुझे पता चला कि अनुराग ठाकुर के कई अनूठे कार्यक्रम यहाँ बहुत लोकप्रिय हैं। सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा, खेल महाकुंभ, हुनर से शिखर जैसे कई कार्यक्रम न सिर्फ़ यहाँ के सभी वर्गों को लाभान्वित कर रहे हैं बल्कि पूरे देश में एक मॉडल के रूप में अपनाए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने बताया कि देश पिछले एक दशक में काफी प्रगति कर चुका है। जो पिछले तीन दशकों में नहीं हो पाया उसे बीते सितंबर में नए संसद भवन के विशेष सत्र के दौरान किया गया। पूरे देश के विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देना ऐतिहासिक है। 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, इसकी जिम्मेदारी आप सभी के कंधों पर है।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री ने नाहन को दी 219 करोड़ रुपये की 11 विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज सिरमौर जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान नाहन में 219 करोड़ रुपये की 11 विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किये। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 16 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से मारकंडा नदी पर बने पुल तथा 1 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत से निर्मित डॉ. वाईएस परमार चिकित्सा महाविद्यालय नाहन के स्टाफ के लिए 8 टाईप-तीन आवासों का लोकार्पण किया। उन्होंने नाहन शहर के लिए 144 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली मल निकासी योजना, नाहन व पांवटा विकास खण्ड के लिए 17 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से शिवा परियोजना के अंतर्गत निर्मित होने वाली सिंचाई योजना, गाडा-भूड़ी में 6 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली उठाऊ सिंचाई योजना, जल शक्ति उप-मण्डल जमटा के अंतर्गत 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली पेयजल आपूर्ति योजना, 4 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत कालाअंब में विभिन्न उठाऊ संवर्धन एवं सुदृढ़ीकरण सिंचाई योजनाओं, 2 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले वर्षा जल संग्रहण संरचना चासी, गांव कठाना के पठार खुड में लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले बहुउददेशीय डैम, 14 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले डॉ. वाईएस परमार चिकित्सा महाविद्यालय नाहन के छात्रावास तथा 2 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले हैचरी भवन कांसीवाला का शिलान्यास भी किया।

राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशिलिस्टों का बढ़ेगा वेतनमान

देहरादून। सूबे के विभिन्न राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर के रिक्त 156 पदों को भरने का रास्ता खुल गया है। सचिवालय में आहूत विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में उक्त पदों को भरने के लिये न्यूनतम आयु सीमा 62 वर्ष करने का निर्णय ले लिया गया है। जिसका प्रस्ताव चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासन को प्रेषित किया जायेगा, जिसको राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की जायेगी। इससे पहले राज्य कैबिनेट द्वारा उक्त पदों पर भर्ती की अधिकतम आयु सीमा निर्धारित की जा चुकी है। आने वाले समय में सूबे के मेडिकल कॉलेजों को 53 प्रोफेसर व 103 एसोसिएट प्रोफेसर मिल सकेंगे। इसी प्रकार चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशिलिस्टी विभागों के रिक्त पदों का वेतनमान बढ़ाने को निर्णय लिया गया है जिसका विभाग द्वारा प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट के लिये प्रस्तुत किया जायेगा। इन सुपर स्पेशिलिटी संकायों में कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, रेडियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी तथा प्लास्टिक एवं बर्न सर्जरी विभाग शामिल हैं। जिनमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिसटेंट प्रोफेसर व सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं।

सुडोकू 6429 का हल

9	7	2	8	4	3	1	5	6
3	1	8	6	7	5	2	9	4
6	4	5	1	2	9	7	8	3
5	8	7	4	9	6	3	1	2
1	3	9	7	5	2	6	4	8
4	2	6	3	1	8	9	7	5
7	5	1	2	3	4	8	6	9
2	6	4	9	8	1	5	3	7
8	9	3	5	6	7	4	2	1

जेपी नड्डा के हिमाचल प्रवास से उत्साहित भाजपा लोक सभा चुनाव के लिए कमर कसने लगी

शिमला, 6 जनवरी (देशबन्धु)। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हिमाचल प्रवास से उत्साहित भाजपा लोक सभा चुनाव के लिए कमर कसने लगी है। लोक सभा चुनाव की रणनीति तय करने के मकसद से शनिवार को शिमला में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा कि लोक सभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के मद्देनजर प्रदेश के सभी विधान सभा क्षेत्रों में पार्टी के मोर्चों के सम्मेलन होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में उन्हें दायित्व सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि नड्डा के दौरे से कार्यकर्ताओं में सुपर ऊर्जा का संचालन हुआ है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिजली बोर्ड कर्मियों को वेतन का भुगतान नहीं हो सका है, कांग्रेस राज में विकास, वेतन व जनकल्याण सभी कुछ ठप्प है। रणधीर शर्मा ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन ने कार्यकर्ताओं में दोगुना जोश बढ़ा दिया है और यह जोश लगातार लोकसभा चावन तक बढ़ता ही जाएगा। उन्होंने कहा कि बीते रोज हुई भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का मार्ग दर्शन सभी को प्राप्त हुआ। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह , नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर , प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना , सह प्रभारी संजय टंडन उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा चुनाव में पार्टी का वोट शेयर बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों की जीत के बाद पूरे देश में और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की जीत का मार्जिन बढ़ाना कार्यकर्ताओं का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में किस प्रकार से कार्यकर्ता कार्य करेंगे पदाधिकारी बैठक में इसके ऊपर गहन चिंतन हुआए कोर ग्रुप के फैसले भी बैठक में बताए गए । बैठक में केंद्र से 1782 करोड़ जो कि केवल आपदा की घड़ी के लिए प्रदेश को दिए गए उसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीए केंद्र मंत्री अमित शाहए राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय नेतृत्व के प्रति एक धन्यवाद प्रस्ताव भी पारित हुआ।

हिमाचल सरकार ने बिजली सब्सिडी की रकम की जारी

शिमला, 6 जनवरी (देशबन्धु)। हिमाचल सरकार ने बिजली बोर्ड को उपभोक्ताओं को दी जा रही मुफ्त बिजली के एवज मिलने वाली करीब 270 करोड़ की उपदान की रकम जारी कर दी है। उपदान की रकम मिलने के बाद बोर्ड प्रबंधन ने 14 हजार कर्मचारियों को वेतन जारी कर दिया है। अलबत्ता बोर्ड के करीब 29 हजार रिटायर कर्मचारियों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

वेतन जारी होने के बावजूद शनिवार को लगातार चौथे दिन बोर्ड कर्मचारियों व अभियंताओं के ज्वांयट फ्रंट ने शिमला स्थित बिजली बोर्ड मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। शिमला के अलावा प्रदेश के कई अन्य भागों में भी बोर्ड कार्यालयों के समक्ष कर्मचारियों ने दोपहर के भोजन के वक्त धरना प्रदर्शन कर बोर्ड के मौजूदा प्रबंध निदेशक को हटा कर उनकी जगह बोर्ड में इस पद पर स्थायी नियुक्ति की मांग सरकार से की। बताया जा रहा है कि बोर्ड के रिटायर कर्मचारियों को सोमवार को पेंशन मिलेगी लेकिन इससे कर्मचारियों की नाराजगी कम नहीं हुई बल्कि वो भड़क गए हैं। सूत्रों के अनुसार कर्मचारी व पेंशनभोगी बड़े एक्शन की तैयारी में हैं।मंगलवार को इंजीनियरए कर्मचारी और पेंशनर का ज्वायंट फ्रंट कोई बड़ा एलान कर सकता है। इनका कहना है कि सरकार उनकी मांगों को माने वरना अब वो पीछे हटने वाले नहीं हैं। जॉइन्ट फ्रंट के आह्वान पर सुबह ही ये निर्णय लिया गया था कि कोई कर्मचारी वेतन नहीं लेगा क्योंकि पेंशन नहीं मिल रही थी मगर मुख्यालय में वेतन जारी होने से सभी जगह सेलरी आबंटित हो गई परंतु कर्मचारियों ने पेंशनर के साथ अपना समर्थन दिया। हालांकि बोर्ड कर्मचारियों ने आज से प्रदेश भर में उग्र आंदोलन की तैयारी की थी। मगर बीते रोज मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के आश्वासन पर फिलहाल राज्य व्यापी आंदोलन को टाला गया है। अब कर्मचारियों को सरकार की तरफ से वार्ता के न्योता मिलने का इंतजार है। दो दिनों तक वार्ता का न्योता न मिलने की स्थिति में ज्वायंट फ्रंट भावी रणनीति तय करेगा। गौरतलब है कि बिजली बोर्ड में पहली बार ऐसी स्थिति आयी है जब वेतन व पेंशन नहीं मिली लेकिन ऐसी स्थिति अब बार बार आने की नौबत आ चुकी है। अभी सरकार ने जो पैसा बोर्ड को जारी किया है वो उसे दी जाने वाली सब्सिडी की राशि है। सालाना सरकार को 1200 करोड़ की सब्सिडी बोर्ड को देनी पड़ रही। क्योंकि उपभोक्ता को सस्ती बिजली दी जा रही है। पहले बिजली टैरिफ में कमी लाने को सब्सिडी और बाद में 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने पर सब्सिडी दी जा रही है। ये एक बड़ा कारण है कि बोर्ड का घाटा लगातार बढ़ रहा है। वहीं कई और कारण भी हैं जिनपर बोर्ड प्रबंधन अंकुश नहीं लगा पा रहा। हर महीने वेतन के लिए इसी तरह की दिक्कत पेश आने वाली है। बहरहाल अब देखना होगा कि कर्मचारी आगे क्या कदम उठाते हैं और सरकार क्या करती है क्योंकि कर्मचारी प्रबंधन में बदलाव चाहते हैं।

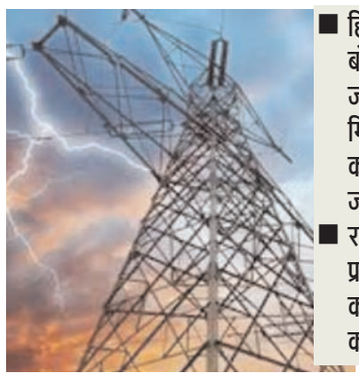

- हिमाचल सरकार ने बिजली बोर्ड को उपभोक्ताओं को दी जा रही मुफ्त बिजली के एवज मिलने वाली करीब 270 करोड़ की उपदान की रकम जारी कर दी
- रकम मिलने के बाद बोर्ड प्रबंधन ने 14 हजार कर्मचारियों को वेतन जारी कर दिया

विशेषज्ञ चिकित्सकों की 65 साल में होगी सेवानिवृत्तिः डॉ. धन सिंह

देहरादून, 6 जनवरी (देशबन्धु)। सूबे में चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी को देखते हुये, सरकार ने उनकी सेवानिवृत्ति की अधिवर्षता आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों का पृथक कैडर भी बनेगा। जिसका प्रस्ताव शीघ्र कैबिनेट में लाया जायेगा।

स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की उच्चस्तरीय बैठक हुई। जिसमें विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिये उनका पृथक कैडर बनाये जाने, वेतन वृद्धि एवं सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किये जाने का निर्णय लिया गया। इसके लिये विभागीय अधिकारी एक सप्ताह के भीतर प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रस्तुत करेंगे। जिसे आगामी कैबिनेट में रखा जायेगा। इसके साथ ही विभाग में चिकित्सकों के रिक्त पदों के सापेक्ष नियत वेतनमान पर चिकत्सकों की तैनाती करने व पीजी कोर्स करने गये एमबीबीएस डॉक्टर्स के विकल्प के रूप में कुछ अस्थाई पदों की स्वीकृत का भी निर्णय लिया गया। इनका प्रस्ताव भी कैबिनेट में रखा जायेगा। डॉ. रावत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत तकनीकी संवर्ग के कुल 1300 पद रिक्त हैं, जिनके सापेक्ष विभाग को केवल 250 पद भरने की ही स्वीकृति कैबिनेट द्वारा पूर्व में दी गई थी। जबकि विभाग को पूरे प्रदेश में सभी 1300 पदों पर तकनीशियनों की आवश्यकता है। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी पदों को पुनर्जिवित करने तथा भरने की स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव कैबिनेट में लाने के निर्देश दिये गये हैं, ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप जिला चिकित्सालयों व जिला चिकित्सालयों में तकनीशियनों की कमी को दूर किया जा सके।

- कैबिनेट में शीघ्र लाया जायेगा प्रस्ताव, पृथक कैडर भी बनेगा

12 साल से फरार हत्यारे को पुलिस ने जालंधर से दबोचा

देहरादून, 6 जनवरी (देशबन्धु)। हत्या तथा डकैती के मामले में पिछले 12 सालों से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने जालंधर से गिरफ्तार किया है। अवैध संबंधों के चलते आरोपी अजय पुत्र भारत भूषण ने वर्ष 2012 में अपने 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर जालंधर निवासी एक व्यक्ति की मसूरी रोड पुरकुल जाने वाले रास्ते पर हत्या कर झाड़ियों शव को फेक दिया था। आरोपी तब से फरार चल रहा था।

हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी के दिए गए निर्देशों पर थाना राजपुर पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने आरोपी के संबंध में सुरागरसी पतारसी करते हुए सर्विलांस के माध्यम से भी जानकारी एकत्रित की गई तथा मुखबिर तंत्र का सक्रिय किया गया। पुलिस के किये गए अथक प्रयासों से पुलिस टीम को आरोपी के जालंधर में छिपे होने की जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर तत्काल पुलिस टीम को जालंधर रवाना किया गया। पुलिस टीम ने जालंधर में आरोपी के संबंध में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्रित करते हुए अजय पुत्र भारत भूषण को जालंधर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी के साथी कुलविंदर के जालंधर निवासी संजीव नाम के व्यक्ति की पत्नी के साथ अवैध संबंध थे, जिसके चलते उसनपे अपने 04 अन्य साथियों के साथ संजीव को लेकर देहरादून आया तथा राजपुर क्षेत्रान्तर्गत मसूरी रोड पर पुरकुल जाने वाले रास्ते में उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया तथा मृतक संजीव की इनोवा कार को लूट कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घटना में शामिल अजय सहित उसके 4 अन्य साथियों कुलविंदर सिंह निवासी जालंधर, मनजीत सिंह निवासी जालंधर, पंकज शर्मा निवासी कांवली रोड देहरादून तथा राहुल कुमार निवासी जम्मू को वर्ष 2012 में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

- हत्या तथा डकैती के मामले में चल रहा था फरार

मोदी महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर कर रहे हैं कामः धामी

देहरादून, 6 जनवरी (देशबन्धु)। राजधानी देहरादून में उत्तराखंड भाजपा महिला मोर्चा ने सशक्त महिला सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें वर्चुअल तरीके से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ,भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता के साथ भाजपा के महिला मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री दीप्ति भारद्वाज ने हिस्सा लिया।

इस मौके में भाजपा महिला मोर्चा के कई पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने मौजूद रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा महिला मोर्चा पूरी गंभीरता के साथ घर-घर तक पहुंचाने की प्लानिंग तैयार कर रहा है। उसी कड़ी में आज सशक्त महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया । वर्चुअल तरीके से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिला मोर्चे के सम्मेलन में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त करने की दिशा मे ऐतिहासिक कदम उठाया है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है प्रदेश के सुदूर क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान के लिए कई तरह की योजनाएं संचालित हो रही हैं। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार उत्तराखंड में लखपति दीदी योजना चल रही है जिसका लाभ प्रदेश की सीमांत क्षेत्रों में रहने वाली नारी शक्ति को मिल रहा है जिससे आर्थिक तौर पर महिलाएं सशक्त हो रही है। भाजपा के सशक्त महिला सम्मेलन में भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रही है नारी सशक्तिकरण का अभियान चरितार्थ हो रहा है उनका कहना है कि नारी वंदन से जहां महिलाओं की चुनाव में भागीदारी बढ़ेगी वहीं राजनीतिक ,आर्थिक और सामाजिक स्तर पर महिलाओं की भूमिका मजबूत हो रही है। उनका कहना है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है सभी लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सैकड़ो साल के बाद या दिन आया है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर सशक्त महिला सम्मेलन में चर्चा की गई भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण के अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं जिसकी वजह से महिलाएं न सिर्फ की आर्थिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही है बल्कि मैनेजमेंट, आईटी ,साइंस खेल के साथ आर्थिक और सामाजिक जैसे सेक्टर में भी बेहतर कार्य कर रही है।

- भाजपा केंद्र में तीसरी बार बनाएगी सरकारः महेंद्र भट्ट
- केंद्र राज्य और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक लेकर जाएगी महिलाएंः आशा नौटियाल

भू कानून व मूल निवास को मिला सांसद तीरथ सिंह का समर्थन

श्रीनगर, 6 जनवरी (देशबन्धु)। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का कहना है कि पूर्ववर्ती सरकारें जनता की इस मांग को टालती रही हैं। जबकि इन्हीं मांगों के लिए अलग उत्तराखंड राज्य की मांग की गई थी। पहाड़ की जवानी पहाड़ में ही रोजगार करे, इसके लिए राज्य आंदोलनकारियों ने आंदोलन किया था। लेकिन राज्य की सरकारें जनता की आवाज़ को भांपने में असमर्थ रहीं। जिसका नतीजा है कि आज युवा सड़कों पर आंदोलन करके भू कानून और मूल निवास की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने दोनों मुद्दों पर कमेटी का गठन किया है है। जिसके परिणाम सकारात्मक होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने राज्य का गठन किया था। प्रदेश सरकार जनता की आवाज़ सुनेगी। मूल निवास और भू कानून को लेकर उचित फैसला लिया जाएगा। जनता की मांग जायज है। पूर्व में राज्य आंदोलन की अवधारणा यही रही है। राज्य के लोगों, युवाओं को रोजगार के लिए भटकने नहीं दिया जाएगा। जिन लोगों ने राज्य आंदोलन के दौरान लाठी डंडे खाए उन्हें नहीं भुलाया जाएगा। दुर्भाग्य है कि राज्य आंदोलनकारियों के सपने अब भी अधूरे हैं, लेकिन भाजपा की सरकार उन सभी कार्यों को पूरा करेगी।उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन को तोड़ने के लिए बहुत से राजनीतिक दलों ने प्रयास किये थे। लेकिन आंदोलन की महत्ता को समझते हुए तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्य का गठन किया था। उन्होंने किसी राजनीतिक दल का नाम ना लेते हुए कहा कि ऐसे राजनीतिक दल भी हैं, जिन्होंने जघन्य अपराध करते हुए राज्य आंदोलन को दबाने की कोशिश की थी।

प्रादेशिकी

डीएम ने सदर तहसील में अभिलेखालय का फीता काटकर किया उद्घाटन

फर्रुखाबाद, 6 जनवरी (देशबन्धु)। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के अंतर्गत सदर तहसील में अभिलेखालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। राजस्व सहित विभिन्न अभिलेखों को सदर तहसील में अब लॉकरों में सुरक्षित रखा जाएगा बीते दिनों जिले में कई सरकारी कार्ययालों में हुई घटनाओं के बाद जिला प्रशासन ने उठाया बड़ा कदम कुछ दिन पूर्व ही जिला निर्वाचन कार्यालय के भवन में आग लगने से जली गयीं थीं मशीनें गत वर्ष तहसील सदर के स्टोर रूम में भी लगी थी आग लॉकरों में भू-अभिलेखों को सुरक्षित ढंग से रखा जा सकेगा डीएम ने उद्घाटन के बाद लॉकर रूम की व्यवस्थाओं को भी देखा, तहसीलदार सदर सेजानकारी ली है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे कराने से किसानों की जिंदगी में नए बदलाव आएंगे : दुर्गा शंकर

लखनऊ, 6 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों के साथ एग्री स्टैक योजना के संबंध में बैठक आयोजित हुई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि एग्री स्टैक का उद्देश्य किसानों के लिए सस्ता ऋण, उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट, स्थानीयकृत और विशिष्ट लक्षित सलाह, बाजारों तक सुविधाजनक पहुंच बनाना, हितधारकों द्वारा विभिन्न किसान और कृषि-केंद्रित लाभदायी योजनाएं बनाना व उन्हें लागू करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे कराने से किसानों की जिंदगी में नए बदलाव आएंगे, उनके उत्पादन का प्रमाणित आंकड़ा आसानी से मिल सकेगा, जिससे कृषकों के आर्थिक विकास उन्नयन एवं कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में नई क्रान्ति आएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के रकबे का सही आंकड़ा प्राप्त होने से बैंकों द्वारा किसानों को कृषि निवेश क्रय करने हेतु आसानी से केसीसी जारी हो सकेगा। आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर बैठे-बैठे डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से यह पता हो सकेगा कि किसान ने अपने खेत में कौन-कौन सी फसलें बोई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश की इकोनॉमी को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाए जाने में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। डिजिटल क्रॉप सर्वे द्वारा फसलवार आच्छादन की सटीक जानकारी प्राप्त हो सकेगी, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि उत्पादों से आय का वास्तविक आकलन संभव होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए बार-बार सत्यापन कराने से मुक्ति मिल जाएगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे के डाटा से किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं में त्वरित सत्यापन बहुत ही सुगमता से हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष में प्रदेश ने खरीफ में 21 जनपदों में शत प्रतिशत तथा 54 जनपदों में 10-10 ग्रामों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूर्ण होने की उपलब्धि हासिल की है।

- **प्रदेश के लगभग 100 प्लॉट्स का जिओ-रेफ्रेंसिंग का कार्य पूरा**
- **सर्वे के माध्यम से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए बार-बार सत्यापन कराने से मिलेगी मुक्ति**

अन्य जनपदों में 15 फरवरी से अभियान चलाकर फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य संपन्न कराया जाए : दुर्गा शंकर मिश्रा

फार्मर रजिस्ट्री का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने के दिए निर्देश

मुख्य सचिव ने जनपद फर्रुखाबाद को 26 जनवरी, 2024 तक अपने जनपद में फार्मर रजिस्ट्री का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य जिलाधिकारियों से फार्मर रजिस्ट्री के लिए अपने जनपद में माहौल बनाने की अपेक्षा की, जिससे 15 फरवरी से अभियान चलाकर फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य संपन्न कराया जा सके। यह भी कहा कि रबी 2023-24 के ई खसरा पड़ताल को समय से पूर्ण कराया जाए। इस दौरान मुख्य ज्ञान अधिकारी एवं सलाहकार, भारत सरकार राजीव चावला ने बताया कि एग्री स्टैक में जिओ रेफरेंस भू नक्शा, ई खसरा पड़ताल के माध्यम से फसल एवं फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से कृषक का विवरण एक ही स्थान पर आ जाएगा और इस प्रकार कृषक का एक गोल्डन डाटा तैयार होगा, जिससे सभी को फायदा होगा। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री का पायलट कर रहे जिलाधिकारी फर्रुखाबाद ने अपना अनुभव साझा किया।

सचिन कौशिक बने मवाना भाजपा नगर अध्यक्ष

मवाना, 6 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों से पहले अपने संगठन में नए चेहरों को जगह दी है।

शनिवार को जारी हुई सभी नगर अध्यक्षों की सूची में मवाना

निवासी सचिन कौशिक पुत्र कैलाश चंद कौशिक को मवाना मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है। मवानावासियों ने बताया कि नगर निवासी सचिन कौशिक शुरू से ही सक्रिय राजनीति में एक्टिव रहे हैं तथा विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक संगठनों में भी शुरू से ही बढ़ चढ़कर प्रतिभाग लेने वाले हैं। शनिवार को भाजपा मुख्यालय से जारी हुई सूची के अनुसार मवाना नगर अध्यक्ष गोविंद गुप्ता के स्थान पर सचिन कौशिक को नगर अध्यक्ष घोषित किया गया है।

मेरठ पब्लिक स्कूल में संगोष्ठी का किया गया आयोजन

मेरठ, 6 जनवरी (देशबन्धु)। शनिवार को मेरठ पब्लिक स्कूल मेंन विंग में भविष्य के भारत में शिक्षक की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से धनंजय मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में हरिओम शर्मा एवं सूर्य मनू अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे।

विद्यालय निदेशक विक्रमजीत सिंह शास्त्री ने सभी गणमान्य अतिथि गणों का पुष्प गुच्छ के साथ विद्यालय प्रांगण में स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथि गणों को विद्यालय प्रधानाचार्या अलका श्रीवास्तव गौड़ द्वारा जीवन की ऊर्जा स्वरूप नन्हें पौधों को भेंट कर उनके स्वागत के साथ किया गया। इस गोष्ठी का उद्देश्य भारत के समृद्ध ज्ञान, विज्ञान, संस्कार की धरोहर को पुनर्जीवित कर अपनी सभ्यता संस्कृति का सम्मान करते हुए आत्म गौरव की अनुभूति एवं देश प्रेम की भावना विद्यार्थियों में जागृत करना व देश के भविष्य के इन युवाओं में ऑर्थोपार्जन के साथ-साथ संस्कार व नैतिक मूल्यों को पुन: जागृत करना रहा। धनंजय ने अपने वैभवशाली अतीत के अनेक उदाहरण देते हुए वर्तमान शिक्षा व शिक्षण प्रणाली का आत्म निरीक्षण करने का संदेश दिया।

- **संस्कार व नैतिक मूल्यों को पुनः जागृत करने पर चर्चा**
- **भविष्य के भारत में शिक्षक की भूमिका रहा विषय**

सार संक्षेप

मीटर यूनिट आधारित बिल उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

मेरठ। प्रबन्ध निदेशक चैत्रा वी. ने शुक्रवार को विद्युत परीक्षण खण्ड-प्रथम एवं विद्युत परीक्षण खण्ड-द्वितीय मेरठ का औचक निरीक्षण किया। परीक्षण खण्ड पर प्रबन्ध निदेशक द्वारा दोषपूर्ण मीटरों में रीडिंग ज्ञात करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने दोषपूर्ण मीटरों की रीडिंग ज्ञात कर, जांच करने के निर्देश दिए। प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि मीटर दोषपूर्ण होने पर उपभोक्ता को मीटर यूनिट आधारित बिल उपलब्ध नही हो पाता, उपभोक्ता को सही बिल, सही समय पर उपलब्ध कराया जाए। प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि समस्त 14 जनपदों में 'विद्युत परिवार आपके द्वार' अभियान चलाया जा रहा है जिसमें क्षेत्र में आ रही व्यवहारिक समस्याओं मीटरिंग, बिलिंग तथा राजस्व संग्रह में आ रही बाधाओं का अध्ययन कर, उनका निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि दोषपूर्ण मीटरों पर कार्यवाही करते हुए उन्हें शीघ्र बदला जाये जिससे कि उपभोक्ताओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

22 जनवरी को पूरी होगी पांच सौ वर्ष की कठोर तपस्या : विनीत शारदा

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के

प्रतिनिधि मण्डल द्वारा श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण व प्रसाद वितरित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर कार्यवाह अवनीश पाठक, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा, नगर कार्यवाह अभिलाष, स्वयं सेवक सुन्दर द्वारा सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण एवं कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण व प्रसाद दिया गया। इसके उपरांत स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधि मण्डल के नेतृत्व में सुभारती प्राण प्रतिष्ठा निमंत्रण समिति के साथ विश्वविद्यालय परिसर निवासियों से आवास व हॉस्टल में जाकर भेंट कर निमंत्रण व प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सैयद जफर हुसैन, अर्चित शर्मा, डॉ. सरजात अहमद, डॉ. प्रदीप राघव, डॉ. शशिराज तेवतिया, दीपक कुमार, राजकुमार बौद्ध, अनम शेरवानी, देशराज भारती, अमित कुमार वर्मा, सचिन शर्मा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

Self Declaration

I Pinky Kashyap D/o Magan Singh declared that Pinky Kashyap and Pinkey Kashyap are the same person. as per my KYC. Adhar Card/ Pan Card document having the a name Pinky Kashyap by mistak educational documents is having Pinkey Kashyap. But Pinky Kashyap is the correct name. So kindly consider it for future references.

Address -241/29, Sanjay Nagar Meerut-250001

Mobile No. 8630287447

मूर्ति शिल्पकला एक पारंपरिक कला है : रेहान अहमद

मेरठ, 6 जनवरी (देशबन्धु)। एमआईईटी इन्क्यूबेशन फोरम के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की 50 से अधिक महिलाओं के लिए मूर्तिकला निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल, एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु सरन, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, सीईओ इनक्यूबेशन रेहान अहमद, ग्रीनक्यारी के संस्थापक सुशील चौहान और सौरभ शर्मा, डॉ.स्वपन सुमन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सीडीओ नूपुर गोयल ने स्वयं सहायता समूह द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों की गैलरी का अवलोकन किया। सीडीओ ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और उनकी मार्केटिंग करने के लिए एमआईईटी की सराहना की। इस अवसर पर सुशील कुमार शर्मा, मीडिया हेड अजय चौधरी, मनोज अग्रवाल, अखिल गौतम आदि मौजूद रहे।

आत्महत्या करने के लिए टॉवर पर चढ़ा पुत्र

मवाना, 6 जनवरी (देशबन्धु)। वन विभाग की कार्रवाई से दुखी आत्मदाह करने वाले हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गांव अलीपुर मोरना गांव के किसान का पुत्र भी शनिवार को अधिकारियों की कार्रवाई से नाराज नजर आया। आत्मदाह करने वाले पिता को इंसाफ नहीं मिला तो पुत्र भी आत्महत्या करने के लिए टावर पर जा चढ़ा। घंटे बाद ग्रामीणों के समझाने पर और प्रशासन द्वारा पिता को इंसाफ दिलाने के आश्वासन पर ग्रामीण युवक ने किसान के पुत्र को नीचे उतारा। बता दें की थाना क्षेत्र के गांव अलीपुर मोरना निवासी किसान जगबीर ने शुक्रवार को तहसील प्रांगण में अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया था। जिसमें वह 70 प्रतिशत जल चुका था। किसान की आत्महत्या की खबर से शासन प्रशासन के अधिकारियों में हड़कंप मच गया था।

- **पिता को इंसाफ दिलाने के लिए उठाया कदम**
- **प्रशासनिक कार्रवाई से नाराज पुत्र घंटों चढ़ा रहा टॉवर पर**
- **साथी युवक व ग्रामीणों के समझाने के बाद टॉवर से नीचे उतरा**

किसान को मेरठ के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां पर उसकी हालत अभी नाजुक बताई जा रही है। शनिवार को प्रशासनिक अधिकारी परिजन और ग्रामीणों को समझने के लिए राज्य मंत्री दिनेश खटीक के साथ गांव पहुंचे। राज्य मंत्री दिनेश खटीक परिजन और ग्रामीणों को समझने के बाद वापस लौटे तो किसान जगबीर का 2 वर्षीय पुत्र आकाश गांव स्थित बीएसएनएल के टावर पर जा चढ़ा। ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना मिली तो हड़कंप मच गया आनन-फानन में सैकड़ो ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवक को समझने का प्रयास किया। जानकारी के बाद साथी युवक विपिन और विकास भी आकाश के टावर पर चढ़ने की जानकारी मिलने के बाद समझने के लिए टावर पर चढ़ गए। दोनों युवक और ग्रामीणों के समझाने के बाद आकाश लगभग 1 घंटे बाद टावर से नीचे उतरा।

टॉवर ऊपर क्यों नहीं लगाई गई सुरक्षा

शुक्रवार को अलीपुर मोरना निवासी किसान जगबीर वन विभाग की कार्यवाही से दुखी होकर एसडीएम कार्यालय के बाहर आत्मदाह कर लिया। किसान की हालत नाजुक थी और प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव में डेरा डाला था। लेकिन किसी का ध्यान गांव स्थित तीन टावरों पर नहीं गया। जबकि गांव निवासी ही एक किसान अपनी मांगों को लेकर कई बार आत्महत्या के लिए गांव स्थित टावर पर चढ़ चुका है। इसके बाद भी किसी का ध्यान टावरों की ओर नहीं गया और गांव स्थित टावर ऊपर कोई सुरक्षा नहीं लगाई गई।

नैतिक मतदान पर स्लोगन प्रतियोगिता में सोफिया प्रथम

मवाना, 6 जनवरी (देशबन्धु)। आर्य कन्या इंटर कॉलेज मवाना में शनिवार को मतदाता शिक्षा एवं सहभागिता के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम में नैतिक मतदान पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। स्लोगन में प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। मतदान के महत्व के बारे में समझाते हुए शिक्षिका आशा भारती ने छात्राएं स्वयं ही नहीं अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें। स्लोगन प्रतियोगिता में कक्षा 11 सोफिया प्रथम, कक्षा 10 की वंशिका द्वितीय और कक्षा 11 की मुबशिरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

केंद्रीय जल आयोग में अवर अभियंता के पद पर चयन

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 6 जनवरी (देशबन्धु)। संघ के पुराने नेता ज्ञान सिंह के पुत्र अतुल सिंह का केंद्रीय जल आयोग में अवर अभियंता के पद पर चयन हुआ है। जिससे बधाई देने वालों की भीड़

लगी है। गौरीगंज के पूर्व ग्राम प्रधान ज्ञान सिंह ने बताया कि अतुल सिंह बचपन से पढ़ाई में बहुत तेज थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद सरस्वती विद्या मंदिर गौरीगंज से हाईस्कूल और सरस्वती विद्या मंदिर अमेठी से इंटरमीडिएट की पढ़ाई की है। इसके बाद नोएडा के गलगोटिया कालेज से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। इंजीनियरिंग के बाद दिल्ली में एसएससी की तैयारी कर रहे हैं। अतुल सिंह ने बताया कि केंद्रीय जल आयोग में अवर अभियंता के पद पर चयन हुआ है। जिससे वे बेहद खुश हैं।

अतुल सिंह की माता रामेश्वरी सिंह कटरा लालगंज की दस साल ग्राम प्रधान थी। पिता ज्ञान सिंह पांच साल और बाबा रघुनाथ सिंह उर्फ लल्लन सिंह 25 साल ग्राम प्रधान थे। जिससे बधाई देने वालों का तांता लगा है। इनके चयन पर पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी, पूर्व विधायक तेजभान सिंह, अखिलेश शुक्ल, अशोक तिवारी, अपूर्व सिंह, आलोक सिंह, कप्तान सिंह, मुन्ना सिंह,रुद्रभान सिंह, अवधेश सिंह आदि ने बधाई दी है।

ठेका कर्मी सफाई कर्मचारियों को कम्बल बांटे

मवाना, 6 जनवरी (देशबन्धु)। नगर के गरीब व असहाय व्यक्तियों को शीतलहर से बचाने के लिए नगर पालिका ने नगर के विभिन्न वार्डों में कम्बल वितरित किए जा रहे हैं। इसी परिपेक्ष्य में शनिवार को चेयरमैन अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने नगर पालिका परिषद् मवाना के ठेका कर्मी सफाई कर्मचारियों को शीतलहर से बचाने के लिए कम्बल वितरित किए। पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने बताया कि नगर के गरीब व असहाय व्यक्तियों को शीतलहर से बचने के लिए पालिका द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में सभासदों के माध्यम से कम्बल वितरित कराये जायेंगे। वहां पर सभासद अतीक अहमद, वाजिद, सलीम, शफीक मलिक, मौहम्मद शहजाद, सभासद पति जोनी जाटव, रियाजुद्दीन, मनीष यादव, गुलफाम मिददा, पालिका लिपिक लाखन सिंह, उमेश कुमार, राजपति यादव, सतपाल, सफाई नायक राकेश कुमार, मजहर अब्बास व सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

शनिवार को प्रवर्तन दल की टीम द्वारा सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जसवंत सिंह तोमर के नेतृत्व और राजस्व निरीक्षक राजीव चौधरी के साथ मिलकर प्रतिबंध पॉलिथीन के खिलाफअभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 160 किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन जप्त की गई और कई दुकानदारों पर 31 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जेपी मलिक, हवलदार रूपेश तोमर, हवलदार अनिल कुमार बढ़ाना और हवलदार धीरज मौजूद रहे। फोटो देशबन्धु

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक 12 जनवरी को

मेरठ, 6 जनवरी (देशबन्धु)। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र मेरठ दीपेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक का आयोजन 12 जनवरी को विकास भवन मेरठ में सांय चार बजे किया जाएगा।

निर्देश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष ने दिया निर्देश, लाइन लॉस भी कम से कम होनी चाहिए

बिजली व्यवस्था हर हाल में हो ट्रिपिंग विहीन : आशीष गोयल

लखनऊ, 6 जनवरी (देशबन्धु)। राजधानी लखनऊ (लेसा अन्तर्गत क्षेत्र को) ट्रिपिंग विहीन एक आदर्श विद्युत व्यवस्था वाला क्षेत्र बनाना है। इसके लिये हर अधिकारी एवं कर्मचारी अपने निर्धारित दायित्वों एवं लक्ष्यों को कठिन मेहनत और ईमानदारी के साथ पूरा करें। जो कार्मिक काम नहीं करेगा वह लेसा के अन्तर्गत नहीं रहेगा। यह निर्देश आज उप्र पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल ने लेसा की समीक्षा बैठक में दिए।

गोखले मार्ग स्थित मध्यांचल मुख्यालय पर अधिशाषी अभियन्ता एवं उसके ऊपर के अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि आप लोग राजधानी की विद्युत व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग है। आपकी जिम्मेदारी है कि यहां की विद्युत व्यवस्था एक आदर्श व्यवस्था हो जहां विद्युत आपूर्ति ट्रिपिंग विहीन और उच्च क्वालिटी की हो, उपभोक्ता को सही रीडिंग का बिल मिले, उपभोक्ताओं के किसी भी समस्या का तुरन्त निराकरण हो, नए कनेक्शन आसानी से प्राप्त हो, लाइन हानियां कम से कम हा, बिजली चोरी पूरी तरह बन्द हो तथा जितनी बिजली दें उतना बिजली का बिल जमा कराएं। अध्यक्ष ने कहा कि जहां कही कामर्शियल कार्य हो रहा हो वहां कामर्शियल कनेक्शन दिया जाए। किसी भी उपभोक्ता को परेशान न किया जाए। लोड की जांच की जाए, सही मीटर रीडिंग की जाए तथा सही विधा का कनेक्शन दिया जाए। अध्यक्ष ने कहा कि आने वाली गर्मियों में राजधानी में कोई भी ट्रांसफार्मर लापरवाही के कारण नहीं क्षतिग्रस्त होना चाहिए। आवश्यक अनुरक्षण कार्य करा लिए जाए। लखनऊ की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये आरडीएसएस में लगभग 850 करोड़ रूपया तथा बिजनेस प्लान के तहत लगभग 250 करोड़ रूपये के कार्य कराये जा रहे है। इसके बाद राजधानी में कोई समस्या नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होगा तो उसकी जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि पॉवर ट्रांसफार्मर की छतिग्रस्तता पर अधिशासी अभियन्ता पर जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह 100 केवीए के ट्रांसफार्मर छतिग्रस्तता पर भी सम्बन्धित कार्मिक पर जिम्मेदारी तय होगी। अध्यक्ष ने कहा कि बिजली चोरी रोकने हेतु लगातार प्रयासरत रहिये। उपभोक्ताओं को चेक करिए, सही रीडिंग का बिल भेजिये।

इसके लिए असिस्टेड मीटर रीडिंग करिए। मीटर रीडिंग के लिए विद्युत निगमों के अधिकारी मीटर रीडर के साथ जाएं। अधिशाषी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता तथा मुख्य अभियन्ता भी रीडिंग लें। सही लोड निर्धारण करिये साथ ही सही विधा सुनिश्चित करिए। अध्यक्ष ने अधिशाषी अभियन्ताओं एवं अधीक्षण अभियन्ताओं से उनके क्षेत्र में विद्युत सम्बन्धी कार्यों की विस्तृत पूछतांछ करते हुए उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

■ **आगामी गर्मियों में लखनऊ में कोई भी ट्रांसफार्मर लापरवाही के कारण नहीं होना चाहिए क्षतिग्रस्त**

छात्र-छात्राओं को दिए जाएंगे मोबाइल

मवाना, 6 जनवरी (देशबन्धु)। एएस (पीजी) कालेज मवाना के प्राचार्य प्रोफेसर अरूण कुमार ने बताया कि महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत नौ जनवरी 2024 को प्रात: 10:30 बजे से महाविद्यालय सेमिनार हाल में सत्र 2022-23 के बीएससी व बीकाम फाइनल के 185 छात्र-छात्राएं व सत्र 2021-22 के 19 छात्र-छात्राएं उक्त योजना से वांछित रह गए थे। छात्र-छात्राओं को मोबाइल वितरित किए जाएंगे। सभी छात्र-छात्राएं अपना आधार कार्ड व कालेज आईडी कार्ड के साथ अनिवार्य रूप से महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपना मोबाइल प्राप्त कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं की अनुपस्थिति में अन्य किसी व्यक्ति को मोबाइल वितरित नहीं किया जाएगा।

मुझे एक्टिंग इतनी पसंद है कि मैं कुछ और करने की सोच भी नहीं सकता : निखिल खुराना

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। 'जीजाजी छत पर हैं', 'ये है आशिकी' में अपने काम के लिए जाने जाने वाले एक्टर निखिल खुराना जल्द ही 'सना' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्होंने साझा किया कि वह जितना संभव हो, उतना सार्थक काम करने का प्रयास करते हैं क्योंकि यही उनका लक्ष्य है। निखिल ने कहा, 'इस इंडस्ट्री के अपने उतार-चढ़ाव हैं, लेकिन मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मैं लगातार काम करता रहूं। मैं यथासंभव सार्थक कार्य करने का प्रयास करता हूं क्योंकि यही मेरा लक्ष्य है। अगर आप अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं, तो अंततः आप वह जीवन जीना शुरू कर देंगे जो आप हमेशा से चाहते थे। आप बस इसे जारी रखें और आगे बढ़ते रहें।'

कोविड में मलेरिया की दवा

एचसीक्यू देने से 17 हजार लोगों की मौत का अनुमान

वाशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन में कोविड-19 के इलाज के लिए चिकित्सकों द्वारा अनुशंसित हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) को लगभग 17 हजार मौतों से जोड़ा गया है। यह मलेरिया की दवा है जिसका इस्तेमाल कोविड-19 के उपचार में भी बड़े पैमाने पर किया गया था। न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि मार्च से जुलाई 2020 तक कोविड-19 की पहली लहर के दौरान बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों को एचसीक्यू दिए जाने के बाद छह देशों में लगभग 17 हजार लोगों की मृत्यु हो गई होगी।

कोविड-19 महामारी के दौरान, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकियों से एचसीक्यू लेने का आग्रह किया था, जो एक मलेरिया-रोधी दवा है। इसका उपयोग अक्सर संधिशोथ और ल्यूपस को ठीक करने के लिए भी किया जाता है। उन्होंने दावा किया था कि वह खुद 'चमत्कारी' दवा ले रहे थे। बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथेरेपी के फरवरी अंक में प्रकाशित शोध से पता चलता है कि मौतों की संख्या में वृद्धि हृदय गति में निरंतरता की कमी और मांसपेशियों की कमजोरी जैसे दुष्प्रभावों के कारण हुई। न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन किए गए देश अमेरिका, तुर्की, बेल्जियम, फ्रांस, स्पेन और इटली थे। अमेरिका में इस कारण सबसे अधिक 12,739 मौतें हुईं। इसके बाद स्पेन (1,895), इटली (1,822), बेल्जियम (240), फ्रांस (199) और तुर्की (95) हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मौतों की संख्या बहुत अधिक हो सकती है क्योंकि उनके अध्ययन में मार्च और जुलाई 2020 के बीच केवल छह देशों को शामिल किया गया है। वैज्ञानिकों ने विभिन्न अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिसमें कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने और दवा के संपर्क और इससे संबंधित जोखिम पर नज़र रखी गई। न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, कोरोनोवायरस के प्रकोप के बाद वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि एचसीक्यू घातक वायरस के इलाज में प्रभावी हो सकता है। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 28 मार्च 2020 को आपातकालीन उपयोग के लिए दवा को मंजूरी दे दी और नैदानिक परीक्षण शुरू कर दिया।

हालाँकि, जून 2020 में एफडीए ने दवा के आपातकालीन उपयोग को रद्द कर दिया क्योंकि न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन सहित कई अध्ययनों में पाया गया कि एचसीक्यू का कोविड पर कोई लाभ नहीं था और इससे मृत्यु के जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। एफडीए ने 15 जून 2020 को आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण को रद्द कर दिया। न्यूजवीक की रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक वैज्ञानिक ने एचसीक्यू को कोरोनोवायरस के खिलाफ 'जादुई गोली' कहा, वहीं ट्रम्प ने दवा का उपयोग करने के बाद एक कोविड-संक्रमित महिला द्वारा की गई 'चमत्कारिक' रिकवरी पर प्रकाश डाला। तत्कालीन राष्ट्रपति ने एक कोविड टास्कफोर्स ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'अच्छी बात यह है कि यह लंबे समय से चल रहा है... यह किसी को मारने वाला नहीं है।'

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर दिखेगी झारखंड की 'रेशमी' चमक वाली झांकी

रांची, 6 जनवरी (आईएएनएस)। इस वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर होने वाले परेड में झारखंड की 'रेशमी' कहानी पर आधारित झांकी भी दिखेगी। झारखंड के दुमका में विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले सिल्क के उत्पादन की प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाली झांकी के प्रारूप को केंद्र की मंजूरी मिल गई है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले परेड के लिए झारखंड समेत 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों का चयन किया गया है। झारखंड सरकार के जनसंपर्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि झांकी को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। आगामी 19 जनवरी तक इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल का कार्यक्रम निर्धारित है।

दरअसल, रेशम उत्पादन में पूरे देश में झारखंड की बड़ी हिस्सेदारी रही है। खास तौर पर देश में कुल तसर सिल्क उत्पादन में 76.4 फीसदी हिस्सा झारखंड का है। दुमका में उत्पादित मयूराक्षी ब्रांड के तसर की चमक देश-विदेश में पहुंच रही है। इसे भारत के भविष्य का 'रेशम शहर' (सिल्क सिटी) माना जा रहा है। दुमका के सभी 10 ब्लॉकों में रेशम निर्माण के लिए कोकून का उत्पादन होता है। काठीकुंड, गोपीकांदर, शिकारीपाड़ा, रानीश्वर, मसलिया और सरैयाहाट प्रखंड में गांव-गांव में रेशम के लिए कोकून उत्पादन की इकाइयां चल रही हैं। तसर सिल्क की खेती, उत्पादन और कारोबार में पूरे देश में 3.5 लाख लोग जुड़े हैं। इनमें से 2.2 लाख लोग अकेले झारखंड के हैं। यहां का तसर सिल्क देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा लगभग 10 देशों में पहुंचता है। वर्ष 2022-23 में राज्य में 872 मीट्रिक टन कच्चे रेशम का उत्पादन किया गया था। जबकि, चालू वित्तीय वर्ष में 2,250 मीट्रिक टन रेशम उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है।

हिना खान ने रणबीर कपूर के गाने 'पहले भी मैं' के ट्रैक पर बनाई स्विमिंग वीडियो, हॉटनेस से छुड़ाए पसीने

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद एक्ट्रेस हिना खान सोशल मीडिया पर फिर से एक्टिव हो गई हैं। उन्होंने हाल ही में एक स्विमिंग वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पॉपुलर ट्रैक 'पहले भी मैं' ऐड किया है। 28 दिसम्बर को हिना ने अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी अपने फैंस को दी थी। 3 जनवरी को हिना ने साल 2024 की पहली तस्वीरें शेयर की और बताया कि वह अब 'ठीक' हो रही हैं। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'नागिन 5', 'कसौटी जिंदगी की', 'डैमेज्ड 2' और 'बिग बॉस 11' सहित अन्य में अपने काम के लिए जानी जाने वाली हिना खान ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है, जिसमें वह स्विमिंग पूल में नजर आ रही हैं। उन्होंने येलो कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहनी हुई है और पानी के बीच झूले पर बैठी हैं। उन्होंने वाइट फ्रेम वाले सनग्लास के साथ लुक को पूरा किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने इमोजी शेयर किया। उन्होंने विशाल मिश्रा और राज शेखर द्वारा गाए गाने 'पहले भी मैं' का म्यूजिक भी ऐड किया।

यह गाना हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर 'एनिमल' से है, जिसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी ने अभिनय किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्हें अब से पहले 'फियर फैक्टर' खतरों के खिलाड़ी 13' में एक चैलेंजर के रूप में देखा गया था।

हर साल रामनवमी पर भगवान सूर्य करेंगे श्रीराम का अभिषेक, दोपहर 12 बजे दमकेगा प्रभु का ललाट

अयोध्या, 6 जनवरी (एजेंसियां)। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या की दिव्यता, भव्यता और नव्यता की झलक दिखने लगी है। ना केवल नगर में हो रहे विकास कार्यों में, बल्कि भगवान राम के भव्य मंदिर और यहां तक कि उनकी मूर्ति में भी अलौकिकता के दर्शन होंगे। मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी इस पर अपनी मुहर लगा दी गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया है कि प्रभु श्रीराम की मूर्ति को इस प्रकार से बनाया गया है कि प्रत्येक वर्ष रामनवमी को भगवान सूर्य स्वयं श्रीराम का अभिषेक करेंगे। भारत के प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सलाह पर मूर्ति की लंबाई और उसे स्थापित करने की ऊंचाई को इस प्रकार से रखा गया है कि हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर 12 बजे सूर्य की किरणें प्रभु श्रीराम के ललाट पर पड़ेंगी।

तीन शिल्पकारों ने प्रभु श्रीराम की मूर्ति का निर्माण अलग-अलग किया, जिसमें से एक मूर्ति को प्रभु प्रेरणा से चुना गया है

ट्रस्ट की ओर से बताया गया है कि तीन शिल्पकारों ने प्रभु श्रीराम की मूर्ति का निर्माण अलग-अलग किया, जिसमें से एक मूर्ति को प्रभु प्रेरणा से चुना गया है। चुनी गई मूर्ति की पैर से लेकर ललाट तक की लंबाई 51 इंच है और इसका वजन डेढ़ टन है। मूर्ति की सौम्यता का बखान करते हुए कहा गया कि श्यामल रंग के पत्थर से निर्मित मूर्ति में ना केवल भगवान विष्णु की दिव्यता और एक राजपुत्र की कांति है बल्कि उसमें 5 साल के बच्चे की मासूमियत भी है। चेहरे की कोमलता, आंखों की दृष्टि, मुस्कान, शरीर आदि को ध्यान में रखते हुए मूर्ति का चयन किया गया है। 51 इंच ऊंची मूर्ति के ऊपर मस्तक, मुकुट और आभामंडल को भी बारीकी से तैयार किया गया है। ट्रस्ट के अनुसार मूर्ति की प्रतिष्ठा पूजा विधि को 16 जनवरी से प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके अलावा 18 जनवरी को गर्भगृह में प्रभु श्रीराम को आसन पर स्थापित कर दिया जाएगा। प्रभु श्रीराम की मूर्ति की एक विशेषता यह भी है कि इसे अगर जल और दूध से स्नान कराया जाएगा तो इसका नकारात्मक प्रभाव पत्थर पर नहीं पड़ेगा। साथ ही अगर कोई उस जल या दूध का आचमन करता है तो शरीर पर भी इसका दुष्प्रभाव नहीं होगा। राममंदिर परिसर में ही महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषाद राज, माता शबरी और देवी अहिल्या का भी मंदिर बनाया जाएगा। इसके अलावा जटायु की प्रतिमा को यहां पहले से ही स्थापित कर दिया गया है। ट्रस्ट के अनुसार श्रीराम का मंदिर अद्भुत होगा। हालांकि, ये अभूतपूर्व नहीं होगा, क्योंकि दक्षिण भारत में ऐसे मंदिर हैं, मगर उत्तर भारत में बीते 300 साल में ऐसा कोई मंदिर निर्मित नहीं हुआ है। निर्माण करने वाले इंजीनियर भी ये मानते हैं। पत्थर की आयु एक हजार साल होती है। धूप हवा पानी का प्रभाव पत्थर पर पड़ता है। जमीन के संपर्क में होने के कारण पत्थर नमी सोखता है। लेकिन, यहां पर पत्थर नमी नहीं सोख पाएगा, क्योंकि नीचे ग्रेनाइट लगाया गया है।

स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु और अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए साथ आएंगे 23 आईआईटी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सस्ती स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, जलवायु परिवर्तन, ई-परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा सहित सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी, रक्षा और अंतरिक्ष इंडस्ट्री 4.0 को आगे बढ़ाने के लिए देश के सभी 23 आईआईटी एक मंच पर आ रहे हैं। आईआईटी हैदराबाद शिक्षा मंत्रालय के अग्रणी कार्यक्रम इन्वेंटिव-2024 का 19 और 20 जनवरी 2024 को आयोजन करेगा।

इस विशाल शोध और विकास (आर एंड डी) सम्मेलन में यह पांचों महत्वपूर्ण विषय रखे जाएंगे। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी मौजूद रहेंगे। धर्मेन्द्र प्रधान का कहना है, 'इन्वेंटिव-2024 के पीछे हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जन अनुसंधान' के मंत्र की प्रेरणा है। यह देश के अंदर अनुसंधान और नवाचार के इकोसिस्टम को मजबूत करने

के एकजुट प्रयास की खास पहल है। इन्वेंटिव-2024 के दूसरे संस्करण का आयोजन आईआईटी हैदराबाद कर रहा है, जिसमें एक बार फिर नवाचार और उद्यमिता का उत्साह दिखेगा तथा उद्योग और शिक्षा जगत एकजुट हो कर आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने की नई रूपरेखा तय करेंगे।' इन्वेंटिव-2024 में 23 आईआईटी के अलावा, एनआईटी, आईआईएसईआर, आईआईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर जैसे प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान और देश के शीर्ष 50 एनआईआरएफ-रैंक वाले इंजीनियरिंग संस्थान अपने अनुकरणीय कार्यों की प्रदर्शनी करेंगे। यहां 53 प्रौद्योगिकी संस्थानों के 120 बेहतरीन इनोवेशन पेश किए जाएंगे।

आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी.एस. मूर्ति ने बताया, 'उद्योग जगत के प्रतिभागी इन प्रौद्योगिकियों के आविष्कारकों के साथ हाथ मिलाएंगे। इससे देश को इनका व्यावसायिक लाभ मिलेगा। इससे न केवल आत्मनिर्भर भारत बनेगा बल्कि अधिकतर कार्य क्षेत्रों में ग्लोबल प्लेयर और कुछ में ग्लोबल लीडर भी बनेंगे।' इन्वेंटिव-2024 के पहले दिन 19 जनवरी 2024 को खास तौर से उद्योग जगत के प्रतिभागी आएंगे और अत्याधुनिक नवाचारों के बारे में गंभीरता से बात करेंगे। आयोजन का दूसरा दिन सार्वजनिक होगा।

हॉल्टर नेक टॉप में अमला पॉल ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप, पालतू बिल्ली के साथ दिए जमकर पोज

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करने वाली एक्ट्रेस अमला पॉल ने नए साल के लिए एक मजेदार वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'वह सितारों तक पहुंच रही हैं।' 4 जनवरी को, अमला और उनके पति जगत देसाई ने अपने प्रेग्नेंसी फोटोशूट शेयर किया और बताया कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक रील शेयर की, जिसमें वह ग्रीन कलर का हॉल्टर नेक टॉप और ऑरेंज जॉगर्स पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने ग्रीन कलर के हेडबैंड और मिनिमल नेक पीस के साथ लुक को पूरा किया। अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए, अमला ने अपनी पालतू बिल्ली लोकी के साथ कई पोज दिए। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'धरती पर जड़ें जमाना, सितारों तक पहुंचना।'

मैं मॉर्फिंग, डीपफेक वीडियो के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हूं : आराधना शर्मा

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री आराधना शर्मा, जो आगामी वेब सीरीज 'वीडियो कैम स्कैम' का हिस्सा हैं, ने बताया कि किस चीज ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित किया, और बताया कि कैसे वह बढ़ती जागरूकता के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हैं। मॉर्फिंग और डीपफेक वीडियो जैसे चलन, जो लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आराधना ने सीरीज़ के बारे में बात करते हुए साझा किया कि शीर्षक आपको संकेत देता है कि इसमें वीडियो, एक कैमरा और एक घोटाले की कहानी शामिल है।

वह कहती हैं, 'हालांकि, घोटाला सिर्फ वित्तीय नहीं है; यह आपके मूल्यों, नैतिकता और व्यक्तिगत अखंडता का शोषण करके आपको भावनात्मक रूप से भी निशाना बनाता है। यह मौजूदा एआई तकनीक द्वारा संचालित कैमरों और उन्नत वीडियो तकनीकों के उपयोग के जरिए किया जाता है। संक्षेप में, यह एक ऐसा कथानक है जो न केवल आपकी वित्तीय भलाई, बल्कि आपके भावनात्मक और नैतिक मूल्यों में भी हेरफेर करता है।'

'बरसातें' की अभिनेत्री ने शो के लिए हां कहने के पीछे की वजह के बारे में कहा, 'वास्तव में, जिस चीज ने मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर आकर्षित किया, वह यह है कि एक अभिनेत्री के रूप में मेरी भूमिका सिर्फ प्रदर्शन से परे है, यह जागरूकता बढ़ाने के बारे में है। मैं मॉर्फिंग और डीपफेक वीडियो जैसे बढ़ते रुझानों के बारे में जागरूकता फैलाने में विश्वास करती हूं, जो लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं।' आराधना ने इसे एक सार्थक एजेंडे में योगदान करने के अवसर के रूप में देखा और इन मुद्दों को संबोधित करने वाली परियोजना का हिस्सा बनने में उद्देश्य की भावना महसूस की।

लोकप्रिय सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का हिस्सा रह चुकीं दिवा ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि वह एक अनैतिक हैकर है, जैसा आपने फिल्मों में देखा होगा, जो केवल पैसे के लिए प्यार से प्रेरित है। उन्होंने कहा, 'वह दौलत की भूखी एक कॉलेज ड्रॉपआउट है, लेकिन जो चीज मेरे किरदार को अलग करती है, वह है उसके अंदर की भावनाओं का स्पर्श। एक घोटालेबाज, अनैतिक और काफी खतरनाक होने के बावजूद, एक विशिष्ट भावनात्मक पक्ष है जो उसे कहानी के अन्य पात्रों से अलग बनाता है।' पवन मालू द्वारा निर्मित, वैभव खिश्ती निर्देशित और अर्पित वगेरिया लिखित यह सीरीज एपिक पर स्ट्रीमिंग होगी।

जापान के एक्सआरआईएसएम उपग्रह ने एक्स-रे ब्रह्मांड पर डाली पहली नज़र

वाशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) के एक्स-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (एक्सआरआईएसएम) वेधशाला ने उस अभूतपूर्व डेटा पर पहली नज़र जारी की है जो इस साल के अंत में विज्ञान संचालन शुरू होने पर एकत्र किया जाएगा।

एक्सआरआईएसएम उपग्रह को 6 सितंबर, 2023 को एसएलआईएम (चंद्रमा की जांच के लिए स्मार्ट लैंडर) के साथ लॉन्च किया गया था, इसने क्रिसमस के दिन चंद्र कक्षा में प्रवेश किया और 20 जनवरी को देश की पहली चंद्रमा लैंडिंग करने का लक्ष्य रखा। उपग्रह की विज्ञान टीम ने पड़ोसी आकाशगंगा में सैकड़ों आकाशगंगाओं के समूह और तारकीय मलबे के एक स्पेक्ट्रम का एक स्नैपशॉट जारी किया, जो वैज्ञानिकों को इसकी रासायनिक संरचना पर एक विस्तृत नज़र देता है। मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में एक्सआरआईएसएम के अमेरिकी प्रमुख अन्वेषक रिचर्ड केली ने कहा, 'एक्सआरआईएसएम अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समुदाय को छिपे हुए एक्स-रे आकाश की एक नई झलक प्रदान करेगा।' केली ने कहा, 'हम न केवल इन स्रोतों की एक्स-रे छवियां देखेंगे, बल्कि उनकी संरचना, गति और भौतिक अवस्थाओं का भी अध्ययन करेंगे।' एक्सआरआईएसएम, ईएसए (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी) के योगदान के साथ, एनएएसए के सहयोग से है। इसे 12,000 इलेक्ट्रॉन वोल्ट तक की ऊर्जा वाले एक्स-रे का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह ब्रह्मांड के सबसे गर्म क्षेत्रों, सबसे बड़ी संरचनाओं और सबसे मजबूत गुरुत्वाकर्षण वाली वस्तुओं का अध्ययन करेगा। मिशन में दो उपकरण हैं, रिज़ॉल्व और एक्सटेंड, प्रत्येक

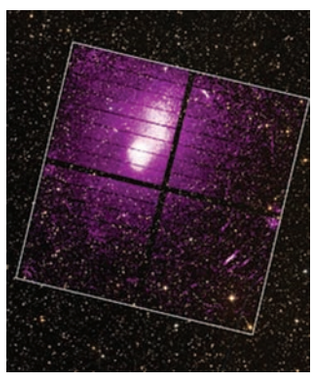

गोडार्ड में डिज़ाइन और निर्मित एक्स-रे मिरर असेंबली के फोकस पर हैं। रिज़ॉल्व NASA और जेएसएक्सए द्वारा विकसित एक माइक्रोकैलोरीमीटर स्पेक्ट्रोमीटर है। यह तरल हीलियम के रेफ्रिजरेटर आकार के कंटेनर के अंदर पूर्ण शून्य से एक डिग्री के एक अंश पर संचालित होता है।

जब कोई एक्स-रे रिज़ॉल्व के 6-बाय-6-पिक्सेल डिटेक्टर से टकराता है, तो यह डिवाइस को उसकी ऊर्जा से संबंधित मात्रा में गर्म कर देता है। प्रत्येक व्यक्तिगत एक्स-रे की ऊर्जा को मापकर, उपकरण स्रोत के बारे में पहले से अनुपलब्ध जानकारी प्रदान करता है। मिशन टीम ने एन132डी, एक सुपरनोवा अवशेष और दक्षिणी तारामंडल डोराडो में लगभग 160,000 प्रकाश वर्ष दूर एक बौनी आकाशगंगा, बड़े मैगेलैनिक क्लाउड में सबसे चमकीले एक्स-रे स्रोतों में से एक का अध्ययन करने के लिए रिज़ॉल्व का उपयोग किया।

फैलते हुए मलबे का अनुमान लगभग 3,000 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण तब हुआ जब सूर्य के द्रव्यमान से लगभग 15 गुना बड़े तारे का ईंधन खत्म हो गया, ढह गया और विस्फोट हो गया। रिज़ॉल्व स्पेक्ट्रम सिलिकॉन, सल्फर, कैल्शियम, आर्गन और आयरन से जुड़ी चोटियों को दर्शाता है। यह अब तक प्राप्त वस्तु का सबसे विस्तृत एक्स-रे स्पेक्ट्रम है और यह उस अविश्वसनीय विज्ञान को प्रदर्शित करता है जो मिशन 2024 के बाद नियमित संचालन शुरू होने पर करेगा। एक्सआरआईएसएम का दूसरा उपकरण, एक्सटेंड, जेएएक्सए द्वारा विकसित एक एक्स-रे इमेजर है। यह एक्सआरआईएसएम को देखने का एक बड़ा क्षेत्र देता है, इसस वह पूर्णिमा के औसत स्पष्ट आकार से लगभग 60 प्रतिशत बड़े क्षेत्र का निरीक्षण कर सकता है। एक्सटेंड ने उत्तरी तारामंडल सिग्नस में लगभग 770 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर एक समृद्ध आकाशगंगा समूह, एबेल 2319 की एक्स-रे छवि खींची। यह आकाश में पांचवां सबसे चमकीला एक्स-रे क्लस्टर है और वर्तमान में एक प्रमुख विलय कार्यक्रम से गुजर रहा है। क्लस्टर तीन मिलियन प्रकाश वर्ष चौड़ा है और एक्सटेंड के व्यापक दृश्य क्षेत्र को उजागर करता है।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टीसीएस	1.93 प्रतिशत
एलटी	1.62 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.37 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.16 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.13 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	1.65 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	1.06 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.83 प्रतिशत
सन फ़ार्मा	0.78 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.71 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	5600-5700
दाल चना	6600-6700
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9300-9400
अरहर दाल	12000-12100

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

हमें 100 मिलियन लोगों को एआई में कुशल बनाने के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता : सीपी गुरनानी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। चूंकि भारत जेनरेटिव एआई (जेनएआई) बैंडवैगन पर सवार है जो आईटी और तकनीकी उद्योग के हर पहलू को छूएगा, देश को 100 मिलियन लोगों को कौशल प्रदान करने के लिए एआई के बुनियादी ढांचे में अल्पकालिक पाठ्यक्रम बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, ताकि लोगों को भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार किया जा सके। यह बात भारतीय आईटी उद्योग के दिग्गज सीपी गुरनानी ने शनिवार को कही।

नैसकॉम के अनुसार, चूंकि भारत वर्तमान में एआई कौशल प्रवेश और एआई प्रतिभा एकाग्रता के मामले में पहले स्थान पर है, एआई कौशल की कमी अब पूरे स्पेक्ट्रम में महसूस की जा रही है। गुरनानी ने आईएएनएस को बताया, एआई समग्र रूप से उद्योग के लिए एक बड़ा अवसर है और हमें एआई के बुनियादी सिद्धांतों पर 7-दिवसीय पाठ्यक्रम की तरह एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाना चाहिए और 100 मिलियन लोगों को कौशल प्रदान करने का लक्ष्य रखना चाहिए। कारण बहुत सरल है- यदि शिक्षा एआई-सक्षम है और यदि छात्रों के पास एआई पर प्रारंभिक पाठ्यक्रमों तक पहुंच है, तो उन्नत पाठ्यक्रम स्वाभाविक प्रगति है और वे भविष्य के अवसरों का आसानी से लाभ उठा सकते हैं।

गुरनानी ने टेक महिंद्रा के सीईओ और प्रबंध निदेशक के रूप में 19 साल बिताए। कंपनी को अत्यधिक निर्यात-उन्मुख उत्पाद बनने में मदद करने के लिए वह हाल ही में एडटेक प्रमुख अपग्रेड के निदेशक मंडल में शामिल हुए हैं। उनके मुताबिक, जरूरत से ज्यादा लोग एआई का प्रचार करते दिख रहे हैं। मेरा मानना है कि संगठन के लिए कार्यों का स्वचालन या एआई के साथ वैयक्तिकरण अगले तीन वर्षों में 30 प्रतिशत होगा। गुरनानी ने कहा, हमें एआई की मदद से स्मार्ट कंटेंट बनाने और फिर वैश्विक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने और दक्षता और उत्पादकता हासिल करने के लिए अधिक लोगों को सशक्त बनाने की जरूरत है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पिछले महीने कहा था कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित नौकरियों के लिए प्रतिभा की भविष्य की पाइपलाइन को आकार देने के लिए तकनीकी उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को विश्व स्तर पर सरकारों के साथ मिलकर काम करने की गंभीर आवश्यकता है। नई दिल्ली में ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन एक फायरसाइड चैट सत्र को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि प्रतिभा का पोषण करना एक ऐसी चीज है जिसमें सरकारें मदद कर सकती हैं, लेकिन निश्चित रूप से इसमें मुख्य भूमिका नहीं निभा सकती हैं, और उद्योग और शिक्षाविदों को इसमें मदद करनी होगी। भविष्य की नौकरियों के लिए मिलकर काम करना होगा।

चंद्रशेखर ने सभा को बताया, यह स्पष्ट है कि एआई के क्षेत्र में प्रतिभा की भारी कमी होने वाली है। हमारे शैक्षणिक संस्थानों, चाहे वह यूके, जापान या भारत में हों, को वास्तव में इसे समझने और इस एआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक प्रतिभा प्रदान करना शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है। मैकिन्से डेटा के अनुसार, एआई टूल्स का संभावित आर्थिक मूल्य आगे चलकर 26 ट्रिलियन डॉलर तक हो सकता है। मैकिन्से के अनुसार, दुर्भाग्य से, एआई को अपनी पूर्ण व्यावसायिक क्षमता तक पहुंचने में एक प्रमुख सीमित कारक एआई में नवाचार जारी रखने के लिए सही कौशल और क्षमताओं वाले व्यक्तियों की उपलब्धता है।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग के नियम कड़े किए

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी द्वारा शुक्रवार को जारी एक नए सर्कुलर के अनुसार, संस्थागत निवेशकों को ऑर्डर देते समय पहले ही बताना होगा कि लेनदेन शॉर्ट सेलिंग है या नहीं।

हालांकि, आदेश में कहा गया है कि खुदरा निवेशकों को लेनदेन के दिन कारोबारी घंटों के अंत तक इसी तरह का खुलासा करने की अनुमति दी जाएगी।

आदेश के अनुसार, दलालों को शेयर-वार शॉर्ट सेलिंग की स्थिति पर विवरण एकत्र करने, डेटा को एकत्रित करने और अगले कारोबारी दिन व्यापार शुरू होने से पहले स्टॉक एक्सचेंजों पर अपलोड करना अनिवार्य किया जाएगा। स्टॉक एक्सचेंज तब ऐसी जानकारी को समेकित करेंगे और प्रसारित करेंगे इसे हर सप्ताह जनता की जानकारी के लिए अपनी वेबसाइटों पर डालेंगे। सेबी की मंजूरी के साथ समय-समय पर इस तरह के खुलासे की आवृत्ति की समीक्षा की जा सकती है।%%

सेबी ने खुदरा और संस्थागत निवेशकों जैसे सभी वर्गों के निवेशकों को शॉर्ट सेल करने की अनुमति दी है, लेकिन बेईमानी को रोकने के लिए कुछ शर्तें भी लगाई हैं।

यह निर्णय हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह के शेयरों में कथित हेरफेर की अदालत की निगरानी में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के ठीक बाद आया है।

शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज कर दी, लेकिन सेबी से यह जांच करने को कहा कि क्या भारतीय निवेशकों को अनुसंधान एजेंसी के कार्यों से नुकसान हुआ है या क्या बाजार में शॉर्ट पोजीशन ली गई है जो कानून के खिलाफ है।

सेबी ने पहले अक्टूबर 2023 में स्टॉक एक्सचेंजों और क्लियरिंग कॉरपोरेशन के लिए एक मास्टर सर्कुलर जारी किया था, जिसे अब नवीनतम सर्कुलर में नए प्रावधानों को शामिल करने के साथ अपडेट किया गया है।

गडकरी ने केरल में शुरू की 1464 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाएं

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केरल की 1464 करोड़ रुपये से अधिक राशि की 12 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। श्री गडकरी ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में कुल 105 किलोमीटर लम्बी इन परियोजनाओं से तमिलनाडु और केरल के बीच निर्बाध यातायात संचालित किया जा सकेगा। उनका कहना था कि यह पहल समग्र परिवहन लागत को कम करने और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से केरल के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजित होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से मुन्नार तक पर्यटकों को आकर्षित कर पर्यटन क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा। इसके साथ ही एक उच्च-स्तरीय पुल का निर्माण भी इस परियोजना के तहत होना है, जिससे बाढ़ के दौरान 27 किमी की दुरुह यात्रा से लोगों को मुक्ति मिलेगी और सुव्यवस्थित तरीके से लोग गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन, केरल के लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास, केरल के कासरगोड से सांसद जगमोहन उन्नीथन, कासरगोड में विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आपातकालीन लैंडिंग के बाद अलास्का एयरलाइंस ने सभी बोइंग 737-9 विमानों का परिचालन रोका

वाशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अलास्का एयरलाइंस ने अपने सभी बोइंग 737-9 विमानों का परिचालन रोक दिया है। ऐसे ही एक विमान की एक खिड़की और उसके साथ जुड़ी केबिन की दीवार का एक हिस्सा निकलकर हवा में उड़ जाने के बाद ओरेगॉन के पोर्टलैंड में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अलास्का एयरलाइंस के सीईओ बेन मिनिकुची के शुक्रवार देर रात एक बयान के हवाले से कहा, उड़ान संख्या 1282 पर आज रात की घटना के बाद हमने 65 बोइंग 737-9 विमानों के अपने बेड़े को अस्थायी रूप से बंद करने का एहतियाती कदम उठाने का फैसला किया है। बोइंग ने एक अलग बयान में कहा कि एक तकनीकी टीम जांच में सहयोग के लिए तैयार है। कुल 171 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को लेकर ओन्टारियो, कैलिफोर्निया के लिए जाने वाले विमान ने शुक्रवार शाम 4.52 बजे उड़ान भरी और 20 मिनट बाद पोर्टलैंड लौट आया। एक यात्री द्वारा भेजी गई तस्वीरों के अनुसार, हवाई जहाज के धड़ का एक बड़ा हिस्सा और एक खिड़की गायब थी। सीएनएन ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के हवाले से कहा, चालक दल द्वारा दबाव की समस्या की सूचना दिए जाने के बाद अलास्का एयरलाइंस की उड़ान 1282 सुरक्षित रूप से पोर्टलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौट आई। पोर्टलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और अलास्का एयरलाइंस दोनों ने आपातकालीन लैंडिंग की पुष्टि की थी।

विमान में सवार एक यात्री काइल रिंकर ने सीएनएन को बताया कि उड़ान भरने के तुरंत बाद एक खिड़की हवा में उड़ गई। उन्होंने आगे कहा, यह सचमुच अजीबो-गरीब था। अभी-अभी विमान ऊंचाई पर पहुंचा, और खिड़की/दीवार अचानक से खुल गई, इसका पता तब चला जब ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गये। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने घोषणा की है कि वे घटना की जांच करेंगे।

सार संक्षेप

अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने 2023 में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (एईएमएल) ने 2023 में हाई-वोल्टेज प्रदर्शन दर्ज किया और 2024 में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। यह बात कंपनी के अधिकारियों ने शनिवार को कही। एईएमएल 99 प्रतिशत विश्वसनीयता के साथ मुंबई और उपनगरों में 400 वर्ग किलोमीटर में फैले तीन मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं को प्रतिदिन लगभग 2000 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है, जो देश में सर्वोच्च रैंकिंग में से एक है। बिना किसी घबराहट के, एईएमएल ने 9 जून को बिजली की बंपर चरम मांग को पूरा किया। कभी न सोने वाले शहर को एक ही दिन में 2,160 मेगावाट की आपूर्ति की। वर्ष 2023 में एईएमएल ने 100,000 नए कनेक्शनों के साथ वाट्स लाए, और 4,500 ग्राहकों ने खुद को खुशी देने के लिए पाला बदल लिया। एईएमएल के लगभग 88 प्रतिशत ग्राहकों ने भुगतान के डिजिटल रूपों को चुना। 300,000 से अधिक ग्राहकों ने कागज के बिल फेंक छोड़ दिए, बड़ी संख?या में पेड़ बच गए। इस मामले में पेड़ों को बचाने के बारे में एक उपन्यास लिखा जा सकता है। पारिस्थितिक मोर्चे पर कंपनी के रिकॉर्ड ने काम किया। एईएमएल ने नवीकरणीय सौर ऊर्जा से मुंबई को 38 प्रतिशत हरित ऊर्जा की आपूर्ति की और 2027 तक 60 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद कर रही है, ताकि शहर में कार्बन को और कम किया जा सके।

जिंदल स्टेनलेस का निकेल, स्क्रैप पर दीर्घकालि आयात शुल्क रियातों का सुझाव

नई दिल्ली/गुरुग्राम। दिग्गज स्टेनलेस स्टील विनिर्माता जिंदल स्टेनलेस ने बजट 2024-25 से पहले फेरो निकेल और फेरो मॉलेब्डेनम को बुनियादी आयात शुल्क से दीर्घ-काल तक मुक्त रखने और स्टेनलेस स्टील स्क्रैप और स्टील स्क्रैप पर शून्य सीमा शुल्क जारी रखने का सुझाव दिया है। जिंदल स्टेनलेस की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी ने स्टेनलेस इस्पात उद्योग के लिये कच्चे माल की आपूर्ति की सुविधा और सुनिश्चितता के मद्देनजर ये सुझाव दिये हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, हम विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी दरों पर इस महत्वपूर्ण कच्चे माल तक उद्योग की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये फेरो निकल और फेरो मोलिब्डेनम पर बुनियादी सीमा शुल्क में दीर्घकालिक छूट का प्रस्ताव करते हैं। इसके अतिरिक्त, हम शुद्ध निकल के अलावा स्टेनलेस स्टील स्क्रैप और स्टील स्क्रैप पर शून्य सीमा शुल्क जारी रखने की वकालत करते हैं। श्री जिंदल ने कहा, हम देश से क्रोम अयस्क के निर्यात पर 30 प्रतिशत का निर्यात शुल्क भी इसे जारी रखने का भी अनुरोध करते हैं। चीन से डंपिंग और घटिया आयात का मुद्दा, विशेष रूप से 200 श्रृंखला ग्रेड के उत्पादों का आयात, एक अच्छी तरह से सिद्ध की जा चुकी चुनौती है। जिंदल स्टेनलेस ने डंपिंग की चुनौती से निपटने के लिये इस्पात पर शुल्क-मूल्य की व्यवस्था करने और सब्सिडी मार्जिन/डंपिंग मार्जिन के आधार पर शुल्क लगाने के लिए व्यापार उपचार कानूनों में भी संशोधन की सिफारिशें की हैं।

'नमो भारत ट्रेन' शूटिंग के लिए किराए पर होगी उपलब्ध, स्टेशन और ट्रेन में फिल्म, डॉक्यूमेंट्री के साथ विज्ञापनों की होगी शूटिंग

गाजियाबाद, 6 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीआरटीसी की नमो भारत ट्रेन में अब विज्ञापन और फिल्मों की शूटिंग भी होगी। इसके लिए स्टेशन और ट्रेन को पूरी तरीके से तैयार किया जा रहा है। इसके लिए मोटा किराया भी वसूला जाएगा। आरआरटीएस फिल्म शूटिंग के लिए स्टेशन परिसर और नमो-भारत ट्रेनों को किराए पर उपलब्ध कराएगा।

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि ओटीटी प्लेटफार्मों, फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री और वेब सीरीज के फिल्मांकन की पृष्ठभूमि के रूप में सार्वजनिक परिवहन विशेष रूप से मेट्रो रेल के उपयोग में वृद्धि हुई है। आधुनिक शूटिंग स्थानों की तलाश करने वाले फिल्म निर्माताओं के लिए एनसीआरटीसी का यह निर्णय एक आकर्षक अवसर प्रदान करता है।

आरआरटीएस के बुनियादी ढांचे और नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ वास्तुकला और मॉडर्न डिजाइन से परिपूर्ण हैं। जो दृश्यात्मक रूप से मनोरम और बहुमुखी शूटिंग का लक्ष्य रखने वाले फिल्म निर्माताओं के लिए उनकी सिनेमाई कहानियों को बयां करने के लिए उत्तम विकल्प बनाते हैं। आरआरटीएस स्टेशनों का बाहरी आवरण मोर पंख के जीवंत रंगों से प्रेरणा लेते हुए आकर्षक नीले और बेज रंग से तैयार किया गया है। ये स्टेशन प्राकृतिक रोशनी से भरपूर, अच्छी तरह से प्रकाशित और हवादार स्थान प्रदान करते हैं।

नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं से साथ अपनी अनोखी लुक के लिए भी पहचानी जा रही हैं। जिनका एयरो-डायनामिक प्रोफाइल लुक को शानदार और मनमोहक बनाता है। आरआरटीएस परिसर को शूटिंग के अलावा अन्य आयोजन उद्देश्यों के लिए भी किराए पर लिया जा सकता है। यदि रात के समय (गैर-राजस्व घंटे) के दौरान नमो भारत ट्रेनों की आवश्यकता है, तो कार्यक्रमों की बुकिंग पर भी विचार किया जा सकता है।

वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए एनसीआरटीसी के परिसर एवं ट्रेनें प्रति निर्धारित घंटे के आधार पर किराये पर दी जाएगी। दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ सभी आरआरटीएस स्टेशन नमो भारत ट्रेन के अंदर 2 लाख रुपए प्रति घंटा व आरआरटीएस स्टेशन में 2 लाख, नमो भारत ट्रेन और स्टेशन दोनों जगह 3 लाख, डिपो और साइट्स में 2.5 लाख रुपए किराया होगा।

उबर ने भारत में टियर 2, 3 शहरों में फ्लेक्सिबल प्राइसिंग सर्विस का किया विस्तार

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राइड-हेलिंग प्रमुख उबर अब अपने यूजर बेस का विस्तार करने के लिए भारत के कई टियर 2 और 3 शहरों में अपने फ्लेक्सिबल प्राइसिंग सर्विस की टेस्टिंग कर रहा है, जिससे यात्रियों को अपनी राइड के लिए एक विशेष किराया बोली लगाने की अनुमति मिल सके।

फ्लेक्सिबल प्राइसिंग सर्विस कॉलर उबर फ्लेक्स का भारत में पहली बार पिछले साल अक्टूबर में टेस्ट किया गया था। टेकक्रंच के अनुसार, इस सर्विस का विस्तार अब औरंगाबाद, अजमेर, बरेली, चंडीगढ़, कोयंबटूर, देहरादून, ग्वालियर, इंदौर, जोधपुर और सूरत जैसे शहरों तक कर दिया गया है।

उबर के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम वर्तमान में भारत के कुछ टियर 2 और 3 बाजारों में इस फीचर का टेस्ट कर रहे हैं। उबर फ्लेक्स की टेस्टिंग लेबनान, केन्या और लैटिन अमेरिका में भी की जा रही है। उबर के स्टैंडर्ड प्राइसिंग मॉडल के विपरीत, फ्लेक्स राइडर्स को नौ प्राइसिंग प्वाइंट्स से अपनी पसंद के किराये की बोली लगाने की अनुमति देता है, जिसमें एक डिफ़ॉल्ट प्राइस चुना जाता है। राइडर्स एक किराया चुन सकते हैं जिसे आस-पास के ड्राइवरों के साथ साझा किया जाएगा, जो प्रस्तावित किराए के आधार पर राइड को एसेप्ट या रिजेक्ट कर सकते हैं। इसी तरह ड्राइवरों के पास यूजर्स को अपने रेट्स बताने का विकल्प होता है। जो भी ड्राइवर का प्रस्ताव उनकी नजर में आता है, वे उसे चुन सकते हैं और फिर, राइड कंफर्म हो जाती है।

एक अन्य राइड-हेलिंग ऐप इनड्राइव वर्तमान में राइडर्स को एक विशिष्ट किराया मैन्युअल रूप से इनपुट करने की अनुमति देता है। पिछले फरवरी में, इनड्राइव ने 150 मिलियन डॉलर जुटाए, यह कहते हुए कि वह इस फंड का उपयोग कस्टमर्स को प्राप्त करने और बनाए रखने और अपनी निरंतर वृद्धि का समर्थन करने के लिए करेगा।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालें महंगी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना , दाल चना , मसूर दाल , मूंग दाल , अरहर दाल और उड़द दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 5500-5600, दाल चना 6500-6600, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 10000-10100, अरहर दाल 12500-12600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और **चावल** : 2750-2850 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4150-4250, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4600-4700 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कपड़ा मिलों की वित्तीय कठिनाई में वित्त मंत्री से सहायता की अपील

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कपड़ा उद्योग के विभिन्न संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारणम से एक संयुक्त अपील में कताई मिलों के सामने कर्ज चुकाने के लिए धन का संकट की दुहाई देते हुए उदार कर्ज सहायता की अपील की है। कपड़ा मिल संघों के महासंघ ने वित्त मंत्री से अपील की है कि कताई मिलों को बैंकिंग क्षेत्र से एक विशेष कर्ज सहायता पैकेज दिलाया जाए। महासंघ का सुझाव है कि इसके तहत मिलों को कर्ज की मूल राशि के पुनर्भुगतान के लिए एक साल की मोहलत दी जाए। कोविड के दौरान की आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत दिए गए तीन साल के ऋण को छह साल की अवधि के ऋण में बदला जाए तथा कार्यशील पूंजी पर तनाव को कम करने के लिए मामले-दर-मामले आधार पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

कपड़ा मिल संघों के महासंघ कन्फेडरेशन ऑप टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि कताई मिलों का बाजार इस समय बड़ी वित्तीय कठिनाई में है और मंदी का सामना कर रहा है।

बयान में कहा गया है कि लंबे समय तक यूक्रेन-रूस संघर्ष और हाल ही में इज़राइल-हमास युद्ध जैसे बाहरी कारकों के कारण यह कठिनाई और बढ़ी है।

बयान में कहा गया है कि ईसीएलजीएस के तहत कपड़ा मिलों को 16,920 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण समर्थन मिला था, जो इस योजना के तहत 30 सितंबर, 2022 के आंकड़ों के अनुसार 2.82 लाख करोड़ रुपये के कुल वितरण का लगभग 6 प्रतिशत था। लेकिन इस समय सूती धागे के निर्यात में 50 प्रतिशत की गिरावट, सूती वस्त्रों के कुल निर्यात में 23 प्रतिशत की गिरावट और वित्तीय वर्ष के दौरान कुल कपड़ा और वस्त्र उत्पादों में 18 प्रतिशत की कमी के साथ कताई खंड को अब गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है।

बयान के अनुसार कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क और कृत्रिम रेसे (एमएमएफ) के संबंध में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से संबंधित चुनौतियों के कारण कपड़ा उद्योग की स्थापित क्षमता का उपयोग 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत घट गया है। इस स्थिति में कई कताई मिलों, विशेष रूप से एसएमई क्षेत्र की मिलों को गंभीर वित्तीय कठिनायी हो रही है और उनके कर्ज के खाते अवरुद्ध (एनपीए) होते जा रहे हैं।

खेल जगत

वार्नर की जगह लेने की इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए प्रेरित हैं स्मिथ : लाबुशेन

सिडनी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा है कि उनकी टीम के साथी स्टीवन स्मिथ टेस्ट में टीम के लिए सलामी बल्लेबाज बनने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि वह वास्तव में ऐसा चाहते हैं और इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए प्रेरित हैं। पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट में तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर स्मिथ ने एबीसी ग्रैंडस्टैंड से कहा था कि वह डेविड वार्नर के प्रारूप से संन्यास लेने के बाद अगला टेस्ट ओपनर बनने के इच्छुक हैं। ऑस्ट्रेलिया द्वारा पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट में आठ विकेट से हराने और सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप करने में नाबाद 62 रन बनाने वाले लाबुशेन ने एसईएन रेडियो से कहा, उनका औसत पांच नंबर पर 58, चार नंबर पर 61 और तीन नंबर पर 67 है, इसलिए ऐसा लगता है कि वह जितना ऊपर जाएंगे उनका औसत उतना ही अधिक होगा। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हम इसी तरह आगे बढ़े तो वह बहुत अच्छा करेगा।

भारतीय महिला टीम की निगाहें ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतने पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 6 जनवरी (देशबन्धु)। बंगाल की रफ्तार की नई सनसनी झूलन गोस्वामी की तेज गेंदबाजी की परंपरा को आगे बढ़ाने वाली 20 बरस की टीटस साधू (4/17) के गेंद से 'चौके' से मेहमान ऑस्ट्रेलिया को मात्र 141 रन पर ढेर करने के बाद अनुभवी शैफाली वर्मा (अविजित 64 रन, 44 गेंद। तीन छक्के, व छह चौके) और स्मृति मंधाना (54 रन,64 गेंद, एक छक्का, सात चौके) के शानदार अर्द्धशतकों और पहले विकेट की 137 रन की भागीदारी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटील स्टेडियम में शुक्रवार रात तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के पहले मैच में 17 गेंदों के बाकी रहते नौ विकेट से जीत से शानदार आगाज किया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम की निगाहें गेंद और बल्ले से एक मजबूत इकाई के रूप में प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को भी जारी रख कर दूसरा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच भी जीत तीन मैचों की सीरीज 2-0 की निर्णायक बढ़त के साथ अपने नाम करने पर लगी हैं ।

बेशक टी-20 क्रिकेट की बड़ी ताकत ऑस्ट्रेलिया के पलटवार करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। टीम प्रबंधन यदि शैफाली वर्मा और पहले टी-20 में मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही तेज गेंदबाज टीटस साधू जैसी अपनी नैसर्गिक प्रतिभासम्पन्न क्रिकेटरों पर भरोसा जारी रखेगा तो जरूरत भारतीय टीम अपनी जीत का सिलसिला इसी तरह आगे भी जारी रख सकती है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वन डे सीरीज में उसकी 0-3 से हार दरअसल मेजबान टीम के शुरू के दो मैचों में कड़े संघर्ष को बयां नहीं करती है। सच तो यह भारतीय महिला टीम वन डे सीरीज दरअसल अपनी बेहद लचर फील्डिंग के चलते ऑस्ट्रेलिया से हारी जबकि उसकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी तो ठीक-ठाक ही रही थी। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने चार तथा अमनजोत कौर ने पहले टी-20 में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो कैच लपके ही टीटस साधू ने अपनी ही गेंद पर एशले गार्डनर का बेहतर कैच लपका और यही चुस्त फील्डिंग उसकी जीत का बड़ा कारण रही।

भारत को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के खिलाफ टी-20 मैचों की सीरीज जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए एक शतक तीन वन डे मैचों की सीरीज की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रही फॉबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, ऑलराउंडर टाहिला मैक्ग्रा, कप्तान एलिसा हीली और एलिसा पारी को दूसरे टी-20 में भी सस्ते में आउट करना होगा। पहले टी 20 में शैफाली और स्मृति मंधाना के अर्द्धशतकों और पहले विकेट की शतकीय भागीदारी की खास बात यह रही कि दोनों ने लंबे स्ट्रोक जडऩे के साथ खासतौर खासतौर पर ऑफ स्पिनर एशले गार्डनर और लेग स्पिनर जॉर्जिया वरेहम और तेज गेंदबाज टाहिला मैक्ग्रा व मैघन शट के खिलाफ तेजी से एक-एक, दो -दो रन लेकर स्कोर बोर्ड को चलाए रखा।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में आठ विकेट से हराने के बाद उससे तीन वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज 0-3 से हार की कसक उससे नवी मुंबई में पहला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच नौ विकेट से जीत कर काफी हद तक मिटा दी। ओपनर शैफाली वर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर अविजित अर्द्धशतक जड़ भारत को जीत दिला बता दिया कि उन्हें मेहमान ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ दूसरे व तीसरे वन डे मैच से एकादश से बाहर रखना चीफ कोच अमोल मजूमदार की रणनीतिक भूल थी। साथ ही चीफ कोच अमोल को भी यह बात समझ में आ गई होगी कि टीटस साधू को यदि उन्होने वन डे सीरीज में उतारा तो बेशक भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सूपड़ा साफ नही हुआ होता। भारतीय टीम प्रबंधन को समझना होगा कि नैसर्गिक रूप से आक्रामक बल्लेबाजी करने वाली किसी भी बल्लेबाज के लिए जोखिम लेना ही होगा क्योंकि वह रंग में रही तो फिर किसी भी पिच और गेंदबाजी आक्रामण को पस्त कर वह अपने दम मैच जिता सकती है। टीटस साधू को भी टेस्ट और वन डे क्रिकेट सीरीज के लिए टीम में रखने के बावजूद एक भी मैच में भारत की एकादश में शामिल न करना कोच अमोल मजूमदार की रणनीतिक गलती थी।

हमने हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन : हरमनप्रीत

हमारी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग ा बेहतरीन रही। टीम में हम सभी अपनी फील्डिंग पर काफी मेहनत कर रही हैं, लेकिन कम पर नतीजे आपके हक में नहीं आते हैं। लेकन शुक्रवार को हर कोई उत्साहित था और हमारी फील्डरों ने बहुत मेहनत की। इसका श्रेय हमारे फील्डिंग कोच को जाता है। हमारे फील्डिंग कोच ने कहा कि जैमी रॉड्रिग्ज पॉइंट पर फील्डिंग करेंगे क्योंकि हमने यहीं काफी न दिए और हमारी टीम में हर किसी को मालूम था कौन कहां चड़ा है। हमने लिचफील्ड के वन डे में कई कैच टपका उन्हें बहुत मौके दिए। मैंने अपनी गेंदबाजों से बराबर सही जगह पर गेंदबाजी करने को कहा और अमनजोत ने पहले टी-20 में उन्हें आउट किया। जहां तक नवोदित तेज गेंदबाज टीटस साधू की बात है तो उन्हें आखिरी वक्त में एकादश में हमने शामिल किया और इसका श्रेय हमारे कोच को जाता है। आखिरी क्षण में हमने सोचा कि यदि हम अतिरिक्त सीमर के साथ उतरते हैं तो यह मददगार हेगा और साधू ने बेहतरीन गेंदबाजी की, हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया बढिय़ा टीम है। हमारी गेंदबाजी इकाई ने शुक्रवार को जिस बढिय़ा ढंग से गेंदबाजी हम उनसे आगे भी ऐसी ही बढिय़ा गेंदबाजी देखना चाहेंगे।

विराट और रोहित टी20 विश्वकप के लिए होंगे फायदेमंद : गावस्कर

मुबंई 6 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान और टीवी कमेंटेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप में रन मशीन विराट कोहली और रोहित शर्मा का अनुभव और रन बटोरने की क्षमता भारत के लिये बेहद फायदेमंद हो सकती है। स्टार स्पोर्ट्स पर विशेष बातचीत में गावस्कर ने कहा, कोई संदेह नहीं कि कोहली और रोहित शर्मा शानदार बल्लेबाज के साथ तेज तर्राक फील्डर हैं। उनका अनुभव अमेरिका की अबूझ पिचों पर भारत के लिये फायदे का सौदा साबित होगा।

भारतीय दिग्गज ने टी20 क्रिकेट के उद्भव और उसके बाद आईपीएल की सफलता में 2007 विश्व कप की जीत की भूमिका पर विचार करते हुये कहा मैं 2007 टी20 विश्व कप में मौजूद था, और यह सबसे अधिक रोमांचक समय में से एक था। मैंने एमएस धोनी और इरफान पठान को मैदान पर खेलते और भारत के लिए जीतते देखा है। जाहिर है, यहीं से भारत में टी20 का क्रेज बढ़ा। इससे पहले, कोई भी इस प्रारूप से बहुत अच्छी तरह वाकिफ नहीं था। उस जीत ने भारत में आईपीएल को भी आगे बढ़ने में मदद की।

कोहली और रोहित को भारतीय टी20 विश्वकप टीम में शामिल करने के गावस्कर के तर्क का समर्थन करते हुये पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं विराट को पिच पर देखना चाहूंगा क्योंकि जब हम दो साल पहले की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। लेकिन पिछला आईपीएल और टी20 उनके लिए सबसे अद्भुत टूर्नामेंटों में से एक था। इसके अलावा, जब आप वेस्टइंडीज और अमेरिका जैसे देशों में खेल रहे होते हैं, तो वहां काफी अज्ञात पिचें होती हैं, और यहां आपको कोहली और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह आवश्यकता होगी।

उन्होने कहा, दोनों खिलाड़ियों का खेलना टीम प्रबंधन और उनकी फिटनेस पर भी निर्भर करता है, लेकिन मैं दोनों को मैदान पर देखना पसंद करूंगा, खासकर तब जब रोहित ने भी अपना फॉर्म बदल लिया है और वनडे क्रिकेट में खूब रन बना रहे हैं। कोहली का फॉर्म पिछले डेढ़ वर्षों में शानदार रहा है। उन्होंने 2023 विश्व कप में अविश्वसनीय रूप से खेला, तीन शतकों के साथ 750 रन बनाए। इसलिए उनकी सीमित ओवरों की बल्लेबाजी के बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन जो बात मुझे अच्छी लगती है वह उनकी क्षेत्ररक्षण क्षमता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी महान क्षेत्ररक्षक हैं और मैदान पर बहुत मदद करेंगे।

'उम्मीद है, युवा खिलाड़ी मेरे नक्शेकदम पर चलेंगे : वार्नर

सिडनी, 6 जनवरी (एजेंसियां) ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने सिडनी टेस्ट के समापन पर टेस्ट और वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया।

सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान पर शानदार जीत दिलाने के लिए वार्नर ने 57 रनों की पारी खेली और टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। सलामी बल्लेबाज ने अपने विशिष्ट आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 130 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात चौके लगाए। हालांकि जब ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य से 11 रन पीछे था तब वह अपना विकेट गंवा बैठे।

इसके साथ ही उन्होने एक शानदार टेस्ट और वनडे करियर का अंत किया। वार्नर ने 44.59 की औसत से 8786 टेस्ट रन बनाए, जिसमें 26 टेस्ट शतक और 37 अर्द्धशतक शामिल हैं। एकदिवसीय प्रारूप में, वार्नर ने 45.3 की औसत से 6932 रन बनाए, जिसमें 22 एकदिवसीय शतक और 33 अर्द्धशतक शामिल हैं। आस्ट्रेलिया के लिये वह कई सफल टेस्ट और वनडे जीत में भागीदार थे, जिसमें 2015 और 2023 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप जीत और 2023 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीत शामिल थी।

टेस्ट के अंत में वार्नर ने कहा, यह जीत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक आदर्श अवधि की परिणति थी। यह लगभग एक सपने के सच होने जैसा है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीत के बाद, एशेज श्रृंखला ड्रा और फिर भारत में विश्व कप और फिर यहां आकर 3-0 से समापन करना एक उत्कृष्ट उपलब्धि है और मुझे यहां महान क्रिकेटरों के साथ होने पर गर्व है। वार्नर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में अपने घरेलू दर्शकों की भी सराहना की और कहा, मुझे खुशी हुई और वास्तव में गर्व महसूस हुआ। पिछले एक दशक में मुझे और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को जो समर्थन मिला है, उसे लेकर अपने करियर के समापन पर घरेलू दर्शकों के सामने आकर मैं खुश हूं। मैं उन्हें जितना धन्यवाद दूं, कम है। आप लोगों के बिना, हम वह नहीं कर पाएंगे जो हम करते हैं और यह बहुत सराहनीय है।

वार्नर ने कहा कि वह अपनी आक्रामक पारी से खुश हैं, जो उनके करियर का उपयुक्त समापन है और उनकी मानसिकता का प्रतिबिंब है। भावुक वार्नर ने अपने परिवार को उनके समर्थन और उनके क्रिकेट करियर में समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया, और अपनी पत्नी कैंडिस का विशेष उल्लेख किया। उन्होने कहा, उनके समर्थन के बिना आप वह नहीं कर सकते जो आप करते हैं। मुझे सुंदर और बेहतरीन परवरिश देने के लिए मैं अपने माता-पिता को श्रेय देता हूं। मेरे भाई स्टीव, मैं उनके नक्शेकदम पर चला और फिर कैंडिस आईं और मुझे एक तरह से कतार में ले आईं। हमारा एक खूबसूरत परिवार रहा है और मैं उनके साथ बिताए हर पल को संजोकर रखता हूं।

रिबाकिना सेमीफाइनल में नोस्कोवा पर हावी

ब्रिस्बेन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। टेनिस के एक रोमांचक दिन में एलेना रिबाकिना ने अपना कौशल दिखाया और यहां पैट राफ्टर एरेना में चेक किशोरी लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ शनिवार को 6-3, 6-2 की शानदार जीत के बाद ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में प्रवेश किया।

विंबलडन 2022 चैंपियन ने आर्यना सबालेंका के खिलाफ संभावित मुकाबले की तैयारी करते हुए फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी, जिन्होंने 63 मिनट की भिड़ंत में 26 विनर्स लगाए और केवल 10 बेजां भूलें कीं, उन्होंने इस सप्ताह चार मैचों में केवल 12 गेम गंवाएं हैं। कजाकिस्तान की रिबाकिना ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह वास्तव में अच्छा माहौल है, और मैं यहां ब्रिस्बेन में अपने समय का आनंद ले रही हूं। यह मेरे लिए वर्ष की एक अद्भुत शुरुआत है। यह जीत 24 वर्षीया को उसके करियर के 15वें डब्ल्यूटीए एकल फाइनल और ऑस्ट्रेलिया में चौथे स्थान पर ले जाती है, जिससे आर्यना सबालेंका के साथ संभावित मुकाबले के लिए मंच तैयार हो जाता है, जो दूसरे सेमीफाइनल में दो बार की ब्रिस्बेन इंटरनेशनल चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका से भिड़ेंगी। रिबाकिना ने आगे की चुनौती पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, मैं उनके मैच का थोड़ा सा हिस्सा देखूंगी और कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी। उम्मीद है, यह एक शानदार लड़ाई होने वाली है। यदि सबालेंका आगे बढ़ती है, तो यह 2015 के बाद से ब्रिस्बेन इंटरनेशनल महिला एकल फाइनल में पहली शीर्ष दो वरीय खिलाड़ियों की भिड़ंत हो सकती है।

सार संक्षेप

कुलदीप ने झटके तीन विकेट,केरल अभी 82 रन पीछे

अलाप्पुझा (केरल)। कुलदीप यादव (66 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की मदद से उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्राफी ग्रुप बी मुकाबले के दूसरे दिन शनिवार को मेजबान केरल की पहली पारी में छह विकेट 220 रन पर लुढ़का दिये। सनातन धर्म कॉलेज ग्राउंड पर उत्तर प्रदेश ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 302 रन बनाये थे। केरल अभी मेहमान टीम से पहली पारी में 82 रन पीछे है। दिन का खेल खत्म होने के समय श्रेयस गोपाल 36 और जलज सक्सेना छह रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। केरल एक समय तीन शुरुआती विकेट 32 रन पर गंवा कर संघर्ष की स्थिति में आ गयी थी मगर सचिन बेबी (38) और विष्णु विनोद (74) ने पारी को संवारा जबकि बाद में कप्तान संजू सैमसन ने 35 रन का योगदान देकर टीम को गियर अप करने में महती योगदान दिया। यूपी के कुलदीप ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया और रोहन प्रेम के बाद बड़ी साझीदारी के रूप में पनप रही विष्णु विनोद और सचिन बेबी की जुगलबंदी का खात्मा किया। कुलदीप के अलावा अंकित राजपूत,यश दयाल और सौरभ कुमार ने एक एक विकेट अपनी झोली में डाला। रविवार को उत्तर प्रदेश की कोशिश केरल की पहली पारी को खेल के पहले घंटे में निपटाने कर बढ़त लेने की होगी जिससे दूसरी पारी में मेजबान टीम पर दवाब बनाया जा सके।

भारत के खिलाफ टी20 के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के नियमित टी20 कप्तान राशिद खान, स्पिनर मुजीब उर रहमान और विकेटकीपर-बल्लेबाज इकराम अलीखिल को भारत के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अपने बयान में कहा कि लेग स्पिन ऑलराउंडर राशिद भारत के खिलाफ किसी भी मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह हाल ही में हुई पीठ की सर्जरी से उबर रहे हैं। राशिद यूएई के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर अफगानिस्तान टीम के साथ थे। इसका मतलब यह भी है कि शारजाह में यूएई के खिलाफ अफगानिस्तान को 2-1 से सीरीज जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। अलीखिल, जो यूएई के खिलाफ रिजर्व का हिस्सा थे, को बैकअप विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में मुख्य टीम में पदोन्नत किया गया है और उन्होंने साथी कीपर मोहम्मद इशाक की जगह ली है। मिस्ट्री स्पिनर मुजीब की भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई है, क्योंकि पहले तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और नवीन-उल-हक के साथ बोर्ड ने उन्हें 2024 के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रहने की इच्छा व्यक्त करने पर मंजूरी दे दी थी।

ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के शीर्ष पर

सिडनी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी टेस्ट में पाकिस्तान पर आठ विकेट की शानदार जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंकतालिका में भारत को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गयी है। पैट कमिंस की टीम ने 2023 में दो महत्वपूर्ण आईसीसी खिताब हासिल किए थे जिनमें से एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप शामिल है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नए साल के टेस्ट में, मेजबान टीम ने पाकिस्तान पर आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की और श्रृंखला 3-0 से जीती। इसके साथ ही टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गई। पिछली पांच जनवरी को दक्षिण अफ्रीका में भारत के 1-1 से सीरीज ड्रा होने के बाद भारत आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गया था। ऑस्ट्रेलिया अब 56.25 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में नंबर एक पर है जबकि भारत 54.16 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस बीच छठे नंबर पर मौजूद पाकिस्तान को प्रतिशत अंकों में नुकसान झेलना पड़ा है। सिडनी टेस्ट में हार के बाद पाक का प्रतिशत 45.83 से लुढ़क कर 36.66 हो गया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेहमान टीम ने मोहम्मद रिजवान (88), आगा सलमान (53) और आमेर जमाल (82) के महत्वपूर्ण अर्धशतकों की मदद से पहली पारी में 313 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया था जिसके जवाब में, ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 299 रन पर आउट हो गयी थी। दूसरी पारी में 14 रन की मामूली बढ़त के साथ खेलने उतरी पाकिस्तान को मेजबान टीम पर थोड़ी बढ़त हासिल थी।

तेलुगु योद्धाज का लक्ष्य लीग स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान बनाए रखना

कटक, 6 जनवरी, (एजेंसियां)। जीएमआर के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी तेलुगु योद्धाज ने कल रात अल्टीमेट खो-खो सीज़न 2 में प्लेऑफ़ में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब योद्धाज लीग स्टैंडिंग में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखने का लक्ष्य बना रहे हैं। उद्घाटन सीज़न में उपविजेता रहे योद्धा, जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में अपने नौवें गेम में गत चैंपियन और मेजबान, ओडिशा जगरनॉट्स का सामना करेंगे। पहले चरण में जगरनॉट्स के खिलाफ करीबी मुकाबले में 29-28 से जीत हासिल करने के बाद, योद्धाज अपने आगामी मैच में भी इसी तरह के परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं। बेहतरीन फॉर्म में चल रही तेलुगु योद्धास चेन्नई क्विक गन्स को 38-30 के स्कोर से हराकर अल्टीमेट खो-खो सीज़न 2 में प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई। अब तक खेले गए आठ मैचों में से छह जीत के साथ, तेलुगु योद्धाज वर्तमान में 18 अंकों के साथ लीग स्टैंडिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। वहीं ओडिशा जगरनॉट्स 14 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर हैं।

तेलुगु योद्धाज अपना अगला मुकाबला रविवार को ओडिशा जगरनॉट्स के खिलाफ खेलेगी। मैच से पहले तेलुगु योद्धाज के कप्तान प्रतीक वाइकर ने कहा, हमें अपनी प्लेऑफ़ सीट सुरक्षित करने में बहुत खुशी हो रही है, लेकिन हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। प्लेऑफ के करीब पहुंचने पर हम अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बाकी दो लीग मैचों में भी अपना प्रयास जारी रखेंगे। मैं अपनी टीम के समग्र प्रदर्शन से खुश हूँ। हालाँकि, इसमें सुधार की गुंजाइश है। हमारे कोच विकास सर के कुशल मार्गदर्शन में, हम अपने विरोधियों के लिए गलती की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। तेलुगु योद्धाज लीग में सर्वश्रेष्ठ आक्रमणकारी टीमों में से एक के रूप में अपना कौशल प्रदर्शित करते हैं, टीम के कुल अंक (281) और टीम आक्रमण अंक (254) में सांख्यिकीय चार्ट में अग्रणी हैं। वे अपने विरोधियों को दो बार ऑल-आउट करने वाली एकमात्र फ्रेंचाइजी के रूप में खड़े हैं। कप्तान प्रतीक वायकर, योद्धा जैसी भावना के साथ अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए, टॉप वज़ीर (48 अंक) और टोटल पोल डाइव्स (9) में चार्ट में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 48 अंकों के साथ टॉप अटैकर्स में दूसरा स्थान भी हासिल किया है।

मजबूत समर्थन प्रदान कर रहे हैं राहुल मंडल, टोटल स्काई डाइव्स (11) में दूसरे स्थान पर और 44 अंकों के साथ टॉप अटैकर्स में तीसरे स्थान पर हैं। रक्षात्मक मोर्चे पर, आदित्य गणपुले ने कई मैचों में प्रभावशाली ढंग से मैट पर कुल 17 मिनट और 12 सेकंड बिताए, और सीज़न के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर स्थान हासिल किया।

पाक का टेस्ट सीरीज में सफाया कर आस्ट्रेलिया ने दी वार्नर को विदाई

सिडनी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में शानदार अर्धशतक जड़ कर डेविड वार्नर ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया को चौथे दिन आठ विकेट से जीत दिलायी और अपने टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया।

इससे पहले आस्ट्रेलिया ने पर्थ और मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज की थी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मैच के चौथे और अंतिम दिन मेजबान टीम ने 130 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। दिन के खेल की शुरुआत मोहम्मद रिज़वान और आमिर जमाल ने सतर्क रुख के साथ की। रिजवान (28) को नाथन लियोन ने आउट किया। पाकिस्तान को 100 रन के स्कोर के आंकड़े को पार कराने के बाद रिजवान ने लियोन की गेंद पर पहली स्लिप में वार्नर को कैच थमा दिया। पाकिस्तान की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब पैट कमिंस की गेंद पर आमिर (18) डीप स्कवायर लेग पर ट्रैविस हेड के हाथों लपके गये। लियोन ने आखिरी खिलाड़ी के तौर पर हसन अली को आउट किया और मेहमान टीम 115 रन पर ऑलआउट हो गई।

आस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही जब साजिद खान की गेंद पर पहले ही ओवर में उस्मान ख्वाजा पगबाधा करार दिये गये। पहला विकेट शून्य पर गंवाने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने आक्रामक रवैया अख्तियार किया। वार्नर ने अपनी टीम को बढ़त दिलाने के लिए कई आक्रामक स्ट्रोक लगाए। उन्होंने अपने टेस्ट करियर के 37वें और अंतिम अर्धशतक पूरा करने के लिए कुछ साहसिक स्ट्रोक लगाये।

लंच तक ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 39 रन और चाहिए थे और मार्नस लाबुशेन का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा था। ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य से 11 रन पीछे था,तब साजिद की गेंद पर ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट श्रृंखला में वार्नर (57) एलबीडब्लू करार दिये गये। लाबुशेन ने 73 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62 रन बनाकर नाबाद रहते हुए विजयी रन बनाया।

आमिर को पहली पारी में शानदार 82 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया जबकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस को सीरीज में सर्वाधिक 19 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। मैच के बाद के प्रेजेंटेशन समारोह में वार्नर को भावभीनी विदाई दी गई। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने सलामी बल्लेबाज को विदाई उपहार के रूप में बाबर आजम के हस्ताक्षर की गयी जर्सी भेंट की गयी।

स्कोर : पाकिस्तान 313 रन पर ऑल आउट, 77.1 ओवर (मोहम्मद रिज़वान 88, आमिर जमाल 82, सलमान अली आगा 53, शान मसूद 35, पैट कमिंस 5-61, मिशेल स्टार्क 2-75, मिशेल मार्श 1-27) और 115 रन पर ऑल आउट, 43.1 ओवर (सईम अयूब 33, मोहम्मद रिज़वान 28, बाबर आज़म 23, जोश हेज़लवुड 4-16, नाथन लियोन 3-36)

ऑस्ट्रेलिया 299 रन पर ऑल आउट, 109.4 ओवर (मार्नस लाबुशेन 60, मिशेल मार्श 54, उस्मान ख्वाजा 47, एलेक्स कैरी 38, स्टीवन स्मिथ 38; आमिर जमाल 6-69, सलमान अली आगा 2-43) और 130-2, 25.5 ओवर (मार्नस लाबुशेन 62 नाबाद, डेविड वार्नर 57; साजिद खान 2-49)

मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : आमिर जमाल (पाकिस्तान), प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ : पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया)